हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • सोमवार • 08.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 133 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

- नाइटक्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज
- अरपोरा-नागोआ पंचायत के सरपंच रोशन रेडकर हिरासत में

एजेंसी

गोवा : उत्तरी गोवा में स्थित अपोर्रा गांव के एक नाइटक्लब में देर रात सिलिंडर विस्फोट से भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। यह जानकारी वरिष्ठ अधिकारी और गोवा पुलिस प्रमुख अलोक कुमार ने दी। कुमार ने बताया कि आग सिलेंडर ब्लास्ट के कारण लगी। डीजीपी ने बताया कि अब तक 14 क्लब के कर्मचारियों, 4 पर्यटकों और 7 अज्ञात लोगों के शव बरामद किए गए हैं। रात करीब 12 बजे क्लब के किचन क्षेत्र में खाना तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हुआ और आग तेजी से पूरे परिसर में फैल गई। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आस-पास के घरों में रहने वाले लोगों ने झटका महसूस किया। धुआं और लपटें फैलने के कारण कई लोग समय पर बाहर नहीं निकल पाए और दम घुटने या जलने से उनकी जान चली गई। धमाका होते ही क्लब में अफरा-तफरी मच गई। लोग चीखते हुए बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को फोन किया।

हादसे पर पीएम ने की मुआवजे की घोषणा

इस भयावह घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है और उनकी संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं जिनके प्रियजनों की इसमें जान गई। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि वे गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से बात कर चुके हैं और राज्य सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने घायलों के जल्दी स्वस्थ होने की भी कामना की। इतना ही नहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने गोवा के अपोर्रा में हुए दर्दनाक हादसे के बाद पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। पीएमओ की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, हादसे में घायल हुए लोगों को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

गोवा हादसे में लापुंग के दो सगे भाइयों और गोविंदपुर के एक युवक की मौत

रांची : गोवा के अरपोरा स्थित रोमियो ब्रेसलैंड नाइट क्लब में शनिवार देर रात लगभग 12 बजे लगी भीषण आग में झारखंड के तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में रांची जिले के लापुंग प्रखंड के फतेहपुर गांव के दो सगे भाई प्रदीप महतो 25 वर्ष और उसका छोटा भाई विनोद महतो 22 वर्ष तथा गोविंदपुर निवासी मोहित मुंडा (22) वर्ष शामिल हैं। इस हादसे में अब तक कुल 25 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे में फतेहपुर के प्रदीप महतो (24) और उसके छोटे भाई विनोद महतो (22), पिता धनेश्वर महतो, तथा गोविंदपुर, कर्रा के मोहित मुंडा (22), पिता एतवा मुंडा की जान चली गई। मोहित मुंडा के परिजनों ने बताया कि गैस सिलेंडर में विस्फोट हुआ, जिससे आग ने तेजी से पूरे क्लब को अपनी चपेट में ले लिया। चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए दरवाजे की ओर भागने लगे। बताया गया कि विनोद महतो की मौत दम घुटने से हुई, जबकि प्रदीप और मोहित आग की लपटों में बुरी तरह झुलस गए। हादसे की खबर मिलते ही फतेहपुर और गोविंदपुर गांव में मातम छा गया।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई टीएसपीसी के चार अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को सूचना मिली थी कि केरेडारी थाना क्षेत्र के ग्राम बुंडू मे अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। 06 दिसंबर की शाम पुलिस टीम ने बुंडू पुल के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान बुंडू से कोले जाने वाली सड़क के किनारे चार संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखते ही भागने लगे। पुलिस ने दौड़कर चारों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपितों में अर्जुन करमाली उर्फ जयकांत उर्फ भैरव सिंह, समीक कुमार, राहुल कुमार, निखिल विश्वकर्मा शामिल है। पकड़े गए अपराधियों से पूछताछ में सामने आया कि अर्जुन करमाली भैरव सिंह के नाम से भी अपराध करता था और कई वारदातों में संलिप्त रहा है। पुलिस ने बताया कि 23 नवंबर 2025 को भी उसके घर से 7.62 एमएम की रायफल एवं गोली बरामद की गई थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उनके कब्जे से कई हथियार एवं आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। इनके पास से कारबाइन मशीन गन- 1, पिस्टल, 3, जिंदा गोली 9, मोबाइल, 8, मोबाइल बैटरी, 02 राउटर सिम लगा हुआ 2, स्मार्ट वॉच 1 पुलिस के अनुसार पकड़े गए अपराधी लंबे समय से क्षेत्र में सक्रिय थे और कई गंभीर मामलों में इनकी संलिप्तता पाई गई है। सभी अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की आगे जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि ये लोग एनटीपीसी कोयला परियोजना में लेवी न मिलने से नाराज थे और किसी घटना को अंजाम देने के लिए एकत्र हुए थे। अर्जुन करमाली पर कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं और वह एक बड़ा अपराधी माना जाता है।

मप्र में मुख्यमंत्री के समक्ष 2.36 करोड़ के इनामी 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बालाघाट : मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सल इतिहास में पहली बार 10 नक्सलियों ने एक साथ आत्मसर्पण कर दिया । उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने अपने हथियार सौंपकर आत्मसमर्पण किया। इसमें 62 लाख रुपये का इनामी हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र उर्फ कबीर भी शामिल है। सभी 10 नक्सलियों पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें चार महिला और छह पुरुष नक्सली शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट में "पुनर्वास से पुनर्जीवन" कार्यक्रम के तहत चार महिलाओं सहित 10 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह सुशासन की शक्ति, कानून व्यवस्था की दृढ़ता और विकास में विश्वास का सुफल है। नक्सलवाद-मुक्त मध्य प्रदेश के संकल्प की दिशा में यह अत्यंत महत्वपूर्ण सफलता है। प्रदेश सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति से प्रदेश में शांति, भरोसा और मुख्यधारा से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश 'नक्सल-मुक्त प्रदेश' बनने की दिशा में निरंतर कदम बढ़ा रहा है। इस दिशा में सुरक्षा बलों के प्रयास प्रशंसनीय हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों का पुनर्वास किया जाएगा और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नक्सलियों को हथियार उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बालाघाट जोन में इस साल अब तक 10 हार्डकोर नक्सली मारे जा चुके हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने पुलिस को दो एके-47, दो इंसास रायफल, एक एसएलआर, दो एसएसआर, सात बीजीएल सेल और चार वॉकी-टॉकी सौंपे। इस कार्रवाई के पीछे प्रदेश की नक्सल आत्मसमर्पण नीति और सुरक्षा बलों के लगातार अभियान का असर माना जा रहा है। दरअसल, वनकर्मी गुलाब और स्थानीय ग्रामीणों ने आत्मसमर्पण की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाई।

रविवार को भी 650 उड़ानें रद, डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ को भेजा कारण बताओ नोटिस

एजेंसी

नयी दिल्ली : इंडिगो एयरलाइन में परिचालन संकट को दूर कर हालात सामान्य करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन संकट लगातार छठे दिन जारी है और रविवार को भी देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर 650 उड़ानें रद हुईं। इंडिगो में जारी संकट के चलते बीते छह दिनों में करीब 3000 उड़ानें रद्द हुई हैं, जिससे देश में हवाई यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सरकार ने इंडिगो के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की तैयारी कर ली है।

सरकार ने इंडिगो को जारी किया कारण बताओ नोटिस

डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ और अकाउंटेबल मैनेजर पोकेर्रास को शनिवार को डीजीसीए ने कारण बताओ नोटिस जारी कर परिचालन संकट पर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है। डीजीसीए ने नोटिस में कहा है कि बड़े पैमाने पर परिचालन योजना बनाने की असफलता और संसाधन प्रबंधन की चूक दिखाई देती है।

नोटिस में कहा गया है कि इंडिगो में जारी संकट का मुख्य कारण नए एफडीटीएल नियमों को लागू करने के लिए सही इंतजाम न करना है, ऐसे में एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। इंडिगो के परिचालन में लगातार पांचवें दिन रुकावट जारी रहने पर, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ और पीटर एल्बर्स के साथ बैठक की और हालात की समीक्षा की। बैठक में इंडिगो के सीईओ से यह भी पक्का करने को कहा गया कि एयरलाइन एक तय समयसीमा में नए एफडीटीएल नियमों का पालन करे।

रविवार को इंडिगो की 650 उड़ानें रद हो चुकी हैं। इंडिगो अपनी रोजाना संचालित होने वाली 2300 उड़ानों में से 1650 का संचालन कर रही है। इससे पहले शुक्रवार को इंडिगो की करीब 1,600 उड़ानें रद्द हुईं। हालांकि शनिवार को रद उड़ानों की संख्या घटकर करीब 800 रह गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालयने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को औपचारिक रूप से कारण बताओ नोटिस जारी किया है और 24 घंटे के भीतर जवाब देने को कहा है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि समयसीमा में जवाब न मिलने पर मामले का एकतरफा निपटारा किया जाएगा और दंडात्मक कार्रवाई से एयरलाइन नहीं बच सकेगी। नोटिस में स्पष्ट लिखा है कि उड़ानों की देरी, रद्दीकरण, ऑपरेशनल चूक और यात्रियों को समय पर सहायता न देने जैसी गंभीर लापरवाहियों के लिए प्रासंगिक नियमों के तहत कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है। डीजीसीए ने इसे गंभीर ऑपरेशनल फेल्योर मानते हुए तुरंत सुधार के निर्देश भी दिए हैं। उड़ानों के लगातार बिगड़ते शेड्यूल पर केंद्र सरकार भी हरकत में आ गई। शनिवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के साथ लंबी और सख्त बैठक चली।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में लाखों लोगों ने पढ़ी गीता राज्यपाल बोले - धार्मिक अहंकार खत्म करने का समय आ गया

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में रविवार को लाखों की संख्या में जुटे लोगों ने सामूहिक तौर पर गीता पाठ कर इतिहास रच दिया है। कार्यक्रम में कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा), साध्वी ऋतंभरा और स्वामी ज्ञानानंद मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन सनातन संस्कृति संसद की ओर से किया गया था, जिसके अध्यक्ष कार्तिक महाराज, स्वामी निगुर्णानंद और अन्य साधु-संतों ने कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाई है। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉक्टर सीवी आनंद बोस भी उपस्थित हुए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि राज्य धार्मिक अहंकार खत्म करने को तैयार है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित गीता पाठ कार्यक्रम में उन्होंने मुर्शिदाबाद में शनिवार को हुई एक घटना का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की। इस घटना का संदर्भ न देते हुए उन्होंने केवल इतना कहा कि उन्होंने मुर्शिदाबाद में कुछ होते हुए देखा है।

शनिवार को निलंबित तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनाई जाने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। इस कदम ने राज्य की राजनीतिक हलचल को बढ़ा दिया है, खासकर जब अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कार्यक्रम को जानबूझकर 06 दिसम्बर, यानी 1992 की बाबरी ढांचा गिराए जाने की बरसी पर आयोजित किया गया। गीता पाठ के मंच से राज्यपाल बोस ने भ्रष्टाचार खत्म करने की भी बात कही। उन्होंने भगवद्गीता के श्लोक परित्राणाय साधूनाम विनाशाय च दुष्कृताम धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे का उल्लेख करते हुए कहा कि धर्म की स्थापना और अधर्म के अंत का संकल्प हमेशा बना रहता है।

हुमायूं कबीर के कृत्य से संतों-मुस्लिमों में आक्रोश, गिरफ्तारी की उठी मांग

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद के लिए पत्थर व ईंट रखी। इसको लेकर रामनगरी के संत-धमार्चार्यों में गहरा आक्रोश है। संतों ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का अपमान करने का काम हुमायूं कबीर ने किया है। बाबर एक आंक्रांता, लुटेरा था, उसके नाम से इस्लामिक स्ट्रक्चर स्थापित करना गलत है। बाबरी मस्जिद केस के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने भी इसे राजीनीति बताया है। उन्होंने कहा कि आज राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद पर कोई झगड़ा नहीं है। कोर्ट ने जो फैसला लिया, उसका देश भर के मुसलमानों ने सम्मान किया। बंगाल में टीएमसी नेताओं को चुनाव से पहले बाबर के नाम पर बनी मस्जिद की याद आ गई। चुनाव अभी शुरू नहीं हुए हैं, लेकिन मंदिर-मस्जिद की राजनीति शुरू हो गई है।

वक्फ संपत्तियों का डिजिटल लेखा-जोखा पूरा, 'उम्मीद' पोर्टल बंद

एजेंसी

नयी दिल्ली : वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण और उनके प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया महत्वाकांक्षी 'उम्मीद' पोर्टल निर्धारित समय सीमा पूर्ण होने के बाद आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और उम्मीद अधिनियम, 1995 के अनुसार दिया गया है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पोर्टल का शुभारंभ 06 जून 2025 को किया था। छह महीने की निर्धारित अवधि पूरी होने पर इसे 06 दिसंबर 2025 को औपचारिक रूप से बंद किया गया। मंत्रालय के अनुसार, राज्यों के साथ लगातार समन्वय, समीक्षा बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सचिव-स्तरीय हस्तक्षेपों के चलते अंतिम चरण में रिकॉर्ड स्तर पर वक्फ संपत्तियों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया गया। पोर्टल पर दर्ज अंतिम आंकड़े के अनुसार, कुल अपलोडेड वक्फ संपत्तियों की संख्या 5,17,040 है, जिनमें स्वीकृत संपत्तियां 2,16,905, प्रक्रियाधीन/प्रस्तुत संपत्तियां 2,13,941 और अस्वीकृत संपत्तियां (सत्यापन में) 10,869 हैं। पोर्टल के संचालन के दौरान मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 20 से अधिक समीक्षा बैठकें कीं। मंत्रालय ने कहा कि यह उपलब्धि वक्फ संपत्तियों के डिजिटल, पारदर्शी और एकीकृत प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान को सफल बनाने के लिए राज्यों में नियमित प्रशिक्षण सत्र, कार्यशालाएं और तकनीकी सहायता प्रदान की गई।

एक नजर

मणिपुर में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के 11 उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल : मणिपुर में उगाही और उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के तहत सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस ने बीते 24 घंटे में बड़े पैमाने पर संयुक्त अभियान चलाते हुए विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े 11 कैडरों को गिरफ्तार किया। इम्फाल वेस्ट, थौबल, विष्णुपुर और काकचिंग जिलों में चली इस कार्रवाई ने घाटी क्षेत्रों में सक्रिय नेटवर्क को कमजोर करने की रणनीति को और तेज कर दिया है। कार्रवाई की शुरूआत इम्फाल वेस्ट से हुई, जहां सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो)-जी5 गठजोड़ के कैडर इरोम बोयाई सिंह उर्फ यैतानबा (24) को नागामापाल कंगजाबी लेइराक से पकड़ा। वह मूल रूप से विष्णुपुर जिले के कैइबुल लामजाओ का रहने वाला है और उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। थौबल जिले में, पुलिस ने केवाईकेएल के कैडर उषाम तोंबा सिंह उर्फ हेइब्रा (24) को सैकों लाबुक इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन मिला। इसके बाद, सुरक्षा बलों ने हेइरोक गेट के पास हेरोक पार्ट-II से आरपीएफ/पीएलए के कैडर थोकचोम अंगौसना सिंह उर्फ संतोष (52) को पकड़ा। एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किए गए। काकचिंग जिले में, हियंगलाम थाना क्षेत्र के सेक्मैजिन खोइदुम से केसीपी (एमएफएल) के कैडर केशम थाम्बा सिंह उर्फ प्रीतम (32) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

छत्तीसगढ़ में खड़े ट्रेलर से तेज रफ्तार कार टकराई, पांच की मौत

रायपुर : छत्तीसगढ़ के जशपुर जिला में शनिवार देर रात एनएच-43 में पतराटोली के पास तेज रफ्तार कार खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना दुलदुला थाना क्षेत्र में हुई है। बताया जा रहा है कि कार कुनकुरी से जशपुर जा रही थी, तभी हादसा हो गया। मृतक जशपुर जिले के चराईडांड़ इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

स्मृति मंधाना की शादी टूटी

नयी दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज एवं उपकप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी आखिरकार टूट गई है। दोनों ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए रविवार को शादी रद्द होने की जानकारी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक सार्वजनिक बयान के माध्यम से दी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी पोस्ट में मंधाना ने लिखा, "पिछले कुछ हफ्तों से मेरी जिंदगी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर बोलना जरूरी है। मैं बेहद निजी इंसान हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं और आप सभी से भी यही करने की अपील करती हूं। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि इस समय दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और हमें अपनी गति से चीजों को समझने और आगे बढ़ने के लिए समय दें।

एक नजर

अवैध निर्माण कर रास्ता बंद करने के खिलाफ पीड़ित ने थाना में दिया आवेदन

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत बरही पश्चिमी पंचायत के बरहीडीह निवासी रविन्द्र प्रसाद केशरी पिता स्व बासुदेव प्रसाद केशरी ने आम रास्ते में अवैध निर्माण कर रास्ता बंद करने के विरुद्ध बरही थाना में आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से उन्होंने कहा कि अपनी खतियानी जमीन पर टोला अफीम कोठी में मकान का निर्माण करा रहा हूं, जहां कुछ गैर मजूरवा एवं कुछ रैयती भूमि मिलाकर लगभग 10 फीट का आम रास्ता छोड़ा गया है। परंतु कमलेश केशरी पिता स्व शंकर केशरी एवं रेखा देवी पति स्व कैलाश गुप्ता दोनों अफीम कोठी निवासी द्वारा अपनी खरीदी गई जमीन से अधिक जमीन पर अवैध रूप से चारदीवारी का निर्माण एवं कॉलम खड़ा किया जा रहा है, जिससे मेरे घर जाने का रास्ता पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। उन्होंने कहा कि जब मैने इसका विरोध किया तो रेखा देवी ने मुझे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी है। जिसको लेकर उन्होंने थाना में आवेदन देकर निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाते हुए उचित जांच कर न्याय दिलाने की बात कही है।

राष्ट्रीय ओबीसी पदाधिकारी कर्मचारी मोर्चा के जिला संयोजक बने किशोरी महतो

हजारीबाग : राष्ट्रीय ओबीसी पदाधिकारी कर्मचारी मोर्चा जिला इकाई हजारीबाग का बैठक प्रांतीय उपाध्यक्ष लोकेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से संयोजक किशोरी महतो एवं सह संयोजक अशोक यादव, श्रीकांत कुमार, बालकुमार यादव , संदीप राणा का मनोनयन किया गया। विधिवत संगठन का जल्द पूर्ण विस्तार किया जायेगा ' कार्यक्रम में राष्ट्रीय ओबीसी पदाधिकारी कर्मचारी मोर्चा के प्रांतीय उपाध्यक्ष सह जिला प्रभारी लोकेश कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

19 वर्षीय युवती ने किया विषपान, रेफर

बरही : बरकट्ठा थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्हाबाद की 19 वर्षीय एक युवती ने घरेलू विवाद के कारण विषपान कर लिया, जिससे वह गंभीर हो गई। परिजनों एवं स्थानीय लोगों के मदद से युवती को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।।

सड़क हादसे में मजदूरी करने जा रही महिला की मौत

बरही : बरही चौक पर रविवार सुबह करीब 9 बजे सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मृतिका महिला की पहचान बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बेंदगी निवासी मीणा देवी उम्र करीब 35 वर्ष पति तापेश्वर रविदास के रूप में हुई है। मृतिका के पति पिछले करीब 6 वर्ष से बीमार रहते है, जिसके कारण महिला 6 वर्षों से दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण - पोषण करती थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला प्रत्येक दिन की तरह रविवार को भी दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए बरही जा रही थी। इसी क्रम में बरही चौक पर मालवाहक ट्रक जिसकी संख्या यूपी74एटी 7095 ने अपने चपेट में ले लिया, जिससे घटनास्थल पर ही महिला की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के मदद से महिला को बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। वहीं घटना की सूचना पाकर बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची बरही पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करियातपुर चोरी कांड का उद्भेदन : जेनरेटर व साउंड सिस्टम बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बीते 11 सितम्बर को बरही थाना क्षेत्र के करियातपुर से राजेश भगत के साउंड एवं लाइट सिस्टम एवं जरनेटर लदा पिकअप वैन की चोरी की घटना को लेकर राजेश भगत ने अज्ञात लोगों के खिलाफ बरही थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया था। आवेदन के आधार पर बरही थाना पुलिस ने बरही थाना कांड संख्या 337/25 दर्ज की थी ।बरही पुलिस ने मामले को गंभीरता पूर्वक संज्ञान लेते हुए एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल बरही के निर्देशन में थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था। मामले को उद्भेदन को लेकर एसआईटी टीम ने द्वारा आसूचना संकलन, विश्वसनीय गुप्तचर, सीसीटीवी फुटेज इत्यादि के सहयोग से त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना मे चोरी गये महिन्द्र पिकअप नं जेएच12ए7419 को बरामद करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। गिरफ्तार अपराधियों में सुतीज कुमार सिंह उर्फ.शिवा उम्र 22 वर्ष पिता जगदीश सिंह ग्राम बोनादाग टोल कोलाकुलबुदा थान चंदवारा तथा प्रकाश कुमार पिता स्व० अमृत साव सा रोहनियाटांड थाना तिलैया दोनो जिला कोडरमा को गिरफ्तार कर 29 सितंबर 25 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना में शामिल अन्य अपराधियों की पहचान करते हुए गिरफ्तारी के लिए एसआईटी टीम द्वारा लगातार छापामारी की जा रही थी ।इस दौरान 6 दिसंबर 25 की रात्रि में गुप्त सूचना के आधार पर तिलैया डैम ओपी के सहयोग से कांड में संलिप्त आप्राथमिकी अभियुक्त उदय कुमार उर्फ कृष्णा पिता मोगल रविदास उर्फ श्याम रविदास ग्राम बडकी घमराई थाना तिलैया डैम ओपी जिला हजारीबाग के निशानदेही पर मे चोरी गये जेनरेटर एवं साउण्ड सिस्टम को 7 दिसंबर को अभियुक्त उदय कुमार के घर के अन्दर मिट्टी में कुछ समान को गाड़ा दिया था। जिससे बरामद करने में सफलता प्राप्त हुई। बरामद सामान में स्वराज कंपनी के 10 केबी का जरनेटर, जरनेटर का खुला हुआ पाट्र्स ,पी ओडियो के तीन स्टिकर, स्टिडीयो मास्टर का एक स्पीकर, टुउटर दो पीस, पलिटिना कंपनी का बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच12-3455 शामिल है। छापामारी दल में बरही महिला थाना प्रभारी पुअनि किरण कच्छप, पुअनि मृत्युंजय कुमार, पुअनि सुमित साव, पुअनि बादल कुमार हेम्ब्रम सभी बरही थाना एवं बरही थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

शीतलहर से ठंड बढ़ने पर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अलाव व्यवस्था की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में पिछले एक सप्ताह से शीत लहर चलने से ठंड बढ़ गई है।.ठंड बढ़ने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। प्रखंड प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसे देखते हुए बड़का का मुख्य चौक पर ठंड से कांप कपाते लोगों को देखते हुवे सिविल सोसाइटी के अध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं समाजसेवी सोनू इराकी द्वारा बड़कागांव मुख्य चौक में अलाव की व्यवस्था की गई। जिससे लोगों को राहत मिली। मौके पर जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मो इब्राहिम, नवीन ठाकुर, सरोज कुमार, सोहेल गैरेज मौजूद थे।दोनों सामाजिक कार्यकताओं ने बताया कि अलाव की व्यवस्था दिसंबर तक किया जाएगा। इन दोनों सामाजिक कार्यकताओं ने प्रखंड प्रशासन से मांग किया है कि बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न चौक चौराहों में अलाव की व्यवस्था किया जाए।

विधायक ने पीसीसी सड़क निर्माण का किया शिलान्यास, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही विधायक मनोज यादव ने ग्राम इगुनिया में दिनेश सिंह के घर से उमेश ठाकुर के घर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सड़क ग्रामीणों की बहुप्रतीक्षित मांग थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सड़क का अन्य शेष हिस्सा को भी जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा। कहा आपकी जनहित समस्याओं का समाधान करना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने इगुनिया के लोगों से भावनात्मक जुड़ाव व्यक्त करते हुए कहा कि उनके राजनीतिक जीवन में इगुनिया का साथ हमेशा उन्हें मिला है। मंच संचालन मंडल महामंत्री अरविंद सिंह ने किया। मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, पूर्व अध्यक्ष राजदेव यादव, भाजपा नेता रामस्वरूप पासवान, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चनद्रवंशी, स्थानीय मुखिया पप्पू रजक, जीप प्रतिनिधि सुधीर कौशल, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रंजन सिंह समिति सदस्य प्रतिनिधि युगल तुरी, भाजपा नेता मुकेश सिंह, ग्रामीण शिव कुमार सिंह, सुबोध सिंह, रामानंद पांडेय, भागवत सिंह, राम सेवक सिंह, दिनेश शर्मा, राज किशोर सिंह, राम प्रकाश सिंह, सुदामा सिंह, राजेश सिंह, धनन्जय सिंह, दिलीप सिंह, ठकुरी प्रजापति सहित अन्य ग्रामीण भी मौके पर मौजूद थे।

झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन क्षेत्रीय समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन क्षेत्रीय समिति पिपरवार क्षेत्र की बैठक बेंती फुटबॉल ग्राउंड में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता एरिया अध्यक्ष परमेश्वर गंझु तथा संचालन एरिया सचिव इकबाल हुसैन ने किया। बैठक में मुख्य रूप चार लेबर कोड पर चर्चा करते हुए बिल का विरोध किया गया, 10 दिसम्बर 2025 को जेसीएमयू का पिपरवार क्षेत्र मे युनियन का प्रशिक्षण सह कार्यकर्ता सम्मेलन करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि 35 सदस्य स्वागत सह तैयारी समिति गठित की गई, पिपरवार क्षेत्र के संगठित तथा असंगठित मजदूरों की समस्याओं, रोजगार से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा हुई पिपरवार क्षेत्र के सभी निजी कंपनियों में रोजगार सृजन पर एवं संगठन की मजबूती व विस्तारीकरण पर विशेष प्रकाश डाला गया। साथ ही मेडिकल कार्ड, सेवा पुस्तिका में सुधार, सेवा निवृत्त कामगार/कर्मचारियों का सीएमपीएफ, ग्रेच्युटी का भुगतान, एसएपी में नाम सूची सुधार, आश्रित परिवार को शीघ्र नौकरी, विभागीय कार्य को बढ़ावा, ठेकेदारी प्रथा बंद करना, सफाई कर्मचारी एवं असंगठित मजदूरों को एचपीसी के तहत भुगतान, एवं अन्य सारी सुविधाएं, विस्थापितों की लंबित नौकरी, मुआवजा, पुनर्वास, रोजगार का शीघ्र निपटारा किया जाए। पिपरवार एवं अशोका पार्किंग में रेस्ट सेंल्टर, पीने का शुद्ध पानी, शौचालय की व्यवस्था, कॉलोनी, ग्रामीण क्षेत्र एवं सिटी रोड में स्ट्रीट लाइट, खदान क्षेत्र सीएचपी /सीपीपी में पर्याप्त मात्रा में लाइटिंग व्यवस्था, कामगारों को नियमित प्रमोशन, दामोदर एवं सफी नदी पुल में निर्माण, आवास आवंटन, मरम्मत सेप्टिक टैंक की मरम्मत आदि अन्य मुद्दों पर गहन विचार विमर्श किया गया। सभी मुद्दो पर प्रबंधन को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया, इस बैठक में मुख्य रूप से रामचंद्र उरांव, क्षेत्रीय सह-सचिव अर्जुन गंझू, अशोक शाखा अध्यक्ष गणेश भुइयां, सचिव मथुरा, मंडल वीरू मुंडा, रंथु अजय राम, शंकर मुंडा सुनिल उरांव, मोहम्मद सैफुल्लाह, आदि सैकड़ो की संख्या में संगठित तथा असंगठित मजदूर शामिल थे।

पत्रकार संघ का वन भोज कार्यक्रम का आयोजन, अधिकारी हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव पत्रकार संघ के द्वारा बड़का गांव महुदी पहाड़ स्थित डुमारो नदी में वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पत्रकार दीपक सिन्हा एवं संचालन रितेश ठाकुर ने किया इस दौरान उपस्थित पत्रकारों एवं पदाधिकारी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का खूब आनंद लिया । मौके पर बतौर मुख्य अतिथि बड़का गांव थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता विशिष्ट अतिथि अवर निरीक्षक, अभिषेक कुमार ने वन भोज कार्यक्रम में पहुंचकर लोगों के उत्साह को बढ़ाया। मौके पर मुख्य अतिथि थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता, विशिष्ट अतिथि अभिषेक कुमार, दीपक सिन्हा, रितेश ठाकुर, शमशेर आलम, रंजन कुमार, अमित मालाकार, प्रदीप कुमार, बसंत कुमार मेहता, जुबेर आलम, मोइनुद्दीन अंसारी, ज्ञानचंद कुमार, विष्णु गुप्ता, दिनेश आर्य, संजय भुईया, ईश्वर कुमार, अजय कुमार, कुलदीप कुमार, तारकेश्वर व सामाजिक कार्यकर्ता सूरजकुमार के अलावा अन्य उपस्थित थे।

संकल्प सेवा फाउंडेशन ने गरीब, विधवा और असहाय वृद्धजनों के बीच बांटे कंबल

समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाना, इस फाउंडेशन का है प्रमुख उद्देश्य : ईश्वर दयाल पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा : प्रखंड (चतरा) प्रखंड अंतर्गत ग्राम सिसई खूंटी टोला में संकल्प सेवा फाउंडेशन झारखंड के द्वारा गरीब विधवा असहाय वृद्ध जनों के बीच बढ़ती ठंड के मद्देनजर कंबल का वितरण किया गया। संकल्प सेवा फाउंडेशन झारखंड के अध्यक्ष सह टंडवा सांसद प्रतिनिधि ईश्वर दयाल पांडेय ने कंबल वितरित करते हुए कहा कि मानव जीवन की सार्थकता तब है जब मनुष्य व्यष्टि केन्द्रित न रहे वरण समष्टि केंद्रित रहे। इस फाउंडेशन का उद्देश्य है कि राष्ट्र हित में, समाज हित में अपने संकल्प के साथ सेवा भाव में लगे रहना। समाज के अंतिम व्यक्ति तक के लोगों को मदद पहुंचना ही मुख्य उद्देश्य है। आज इसी निमित यहां अति आवश्यक्ता वाले गरीब विधवा लाचार वृद्ध जनों की सेवा के लिए कंबल वितरण किया गया है। फाउंडेशन के स्थापना के द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर बढ़ती जाड़ा से राहत के लिए पचास गरीब विधवा लाचार वृद्ध जनों को कंबल दिया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट रूप में पहुंचे दिव्यांग के बावयूद विपरीत परिस्थिति में दूर संचार विभाग में नौकरी प्राप्त कर मिशाल कायम करने वाले सिसई निवासी सुदर्शन कुमार ने इस फाउंडेशन के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिव्यांग लोगों को मदद करने में फाउंडेशन के साथ मेरा सहयोग हमेशा रहेगा। कुछ लोग वितरण स्थल पर नहीं पहुंच पाए वैसे लाचार लोग में मासो० कुंती देवी, मसो० रुदनी देवी आदि के घर पहुंचकर संकल्प सेवा फाउंडेशन के सदस्यों ने कंबल दिया। इस मौके पर विषेश रूप में शैलेश भारतीय, संजीव पांडेय, उदय पांडेय, फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष धनंजय पांडेय, नित्यानंद पांडेय, शिवनाथ रजक, जिगर व अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की बैठक में प्रजापति सम्मेलन पर चर्चा

हजारीबाग : झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की जिला इकाई की बैठक प्रजापति भवन हजारीबाग में हुई। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति उर्फ पप्पू एवं संचालन राजन प्रजापति ने किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री ईश्वर चंद्र प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय प्रजापति मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक में प्रजापति समाज को मजबूत करने पर चर्चा हुई। प्रत्येक प्रखंड में संगठन विस्तार एवं संगठन मजबूती पर बल दिया गया। इसके साथ ही नव वर्ष में प्रजापति सम्मेलन आयोजन करने पर सहमति बनी। इसके लिए तैयारी करने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर गहन चर्चा के साथ जिम्मेदारी दी गई। मौके पर संभवतः 18 जनवरी 2026 को जिला स्तरीय प्रजापति सम्मेलन पर सहमति बनी। मौके पर बरही प्रखंड सचिव ज्ञानी पंडित, ननकू प्रजापति, बिशुन प्रजापति, महेश प्रजापति, बीरेंद्र प्रजापति, अशोक प्रजापति, लीलाधन प्रजापति, तेज नारायण प्रजापति, रामदयाल प्रजापति, मनोज प्रजापति, पंचम पंडित सहित कई लोग मौजूद थे।

सीएचसी बिरनी में एनवीबीडीसीपी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

गिरिडीह : गिरिडीह के सीएचसी बिरनी के मीटिंग हॉल में एमओआईसी डॉ साकि ब जमाल की अध्यक्षता में ग्रामीण स्वास्थ्य प्रैक्टिशनरों के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएचसी स्तर से बीपीएम जयशंकर कुमार, एमपीडब्लू टीम, तथा जिला स्तर से राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम कंसल्टेंट इंद्रदेव और एमटीएस संजीव शामिल हुए। साथ ही पिरामल फाउंडेशन से प्रोग्राम ऑफिसर सुनील भी प्रशिक्षण में उपस्थित रहे और पूरा सहयोग दिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत आने वाली विभिन्न बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उनमें मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस और कालाजार ।सभी ग्रामीण स्वास्थ्य प्रैक्टिशनरों को इन बीमारियों के लक्षण, पहचान, बचाव और उपचार से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा, आने वाले एमडीए राउंड को सफल बनाने में आरएचपी की भूमिका पर भी चर्चा की गई। जैसे कि समुदाय को दवा खाने के लिए प्रेरित करना, लोगों में जागरूकता फैलाना, फाइलेरिया रोकथाम के कार्यों में सहयोग करना और जरूरत के अनुसार हाथ-से-हाथ मदद प्रदान करना। पूरे कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, सवाल पूछे और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम सफल रहा और सभी को महत्वपूर्ण तथा उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

एनएचआरए के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बरही में वैदिक विधि विधान से मना जन्मदिन

बरही : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार का जन्मदिन बरही के एके पैलेस में वैदिक रीति रिवाज एवं सनातन संस्कृति के तहत मनाया गया। इस अवसर पर एकल अभियान के द्वारा पूरे विधि विधान के साथ उनके जीवन की मंगल कामना की गई। साथ ही एकल व्यास उमा देवी एवं सुनैना देवी के नेतृत्व में पूजन विधि संपन्न कराई गई। इसके साथ ही सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया। बधाई गीत संगीत का प्रस्तुति दी गई। मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार सुमन, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव एवं प्रदेश संयोजक भरत यादव के नेतृत्व में अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर एक दूसरे को केक खिलाकर जन्मदिन को खास बनाया गया। मौके पर प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव, प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश कल्याण सचिव प्रदीप कुमार, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, प्रदेश संगठन सचिव राजकुमार यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम यादव, विपिन सिंह, अमित गौरव, कमल शंकर पंडित, शरीफुल हक, मो तैयब, तुलसी प्रसाद यादव, बिनोद कुमार, उमा देवी, सुनैना देवी आदि लोग मौजूद थे।

बचरा कॉलोनी में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि मनाई गई

टंडवा : प्रखंड (चतरा) अखिल भारतीय एससी एसटी बीसी कर्मचारी समन्वय परिषद पिपरवार क्षेत्र के तत्वावधान मे आज अम्बेडकर कॉलोनी बचरा मे भारत रत्न डाक्टर भीम राव अंबेडकर की पुन्य तिथि मनाई गई, उपस्थित सभी लोगो ने अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया एवं समाज मे शिक्षा समानता एकता के प्रति जागरूकता का संकल्प लिया, कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि कौंसिल सीसीएल उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन ने कहा कि भारत रत्न डाक्टर भीम राव अम्बेडकर एक महान भारतीय न्यायविद अर्थ शास्त्रीय समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने भारत के संविधान के निर्माण मे महत्वपूर्ण भुमिका निभाई और दलितों के अधिकारो के लिए आजीवन संघर्ष किया, शिक्षा और सामाजिक समानता के प्रबल समर्थक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कौंसिल एरिया सचिव रतनलाल, संचालन अंकुश राम एवं धन्यवाद ज्ञापन सूरज राम ने किया। मौके पर राजेंद्र गुप्ता रामचंद्र उरांव अशोक महतो जेपी महाराज अजय राम मथुरा मंडल शिव प्रसाद चौहान चंदन शर्मा बीरू मुंडा ललन करमाली दीपक कुमार रोशन कुमार विजय राम प्रकाश लोहार सागर कुमार किरण देवी बबीता देवी सुनिता देवी अंजु देवी सहित कई लोग शामिल थे। अंत मे बाबा शाहब अमर रहे..जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा तेरा नाम रहेगा..के नारे लगाए गए।

एक नजर

झारखंड में अभी जारी रहेगी ठंड तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना

रांची : झारखंड में फिलहाल ठंड का असर जारी है और आने वाले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है, हालांकि ठंड की तीव्रता बनी रहेगी। राजधानी रांची समेत राज्य के अधिकांश जिलों में सुबह और शाम की ठंड पहले की तरह कड़क बनी रहेगी। तापमान में हल्की बढ़ोतरी के बावजूद लोगों को अब भी कनकनी और ठंडी हवाओं का सामना करना पड़ेगा। राज्य के पश्चिमी जिलों पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में पिछले एक सप्ताह से शीतलहर का प्रभाव बना हुआ है। वहीं मध्यवर्ती जिले गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा में भी ठंड सामान्य से अधिक महसूस की जा रही है। बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 28 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 3 .5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को रांची में सुबह आसमान साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद हल्के बादल छाए रहे। दिनभर तापमान में गिरावट महसूस की गई और शाम होते ही ठंड और तेज हो गई।

सामाजिक पुनर्जागरण के लिए कुड़मी समाज के युवा आगे आएं : सुदेश

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि कुड़मी समुदाय में सामाजिक पुनर्जागरण के लिए समाज और युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि कुड़मी समाज राजनीतिक साजिश का शिकार हुआ है। उस साजिश को पहचानने की जरूरत है। बिखरे समाज में वैचारिक एकता स्थापित करना होगा। सुदेश महतो आज धनबाद के मुनीडीह स्थित भाटिन हाड़ी थान (भटिंदा फाल्स) में आयोजित दो दिवसीय कुड़मालि नेगाचारी देसजाड़पा (महाधिवेशन) के समापन समारोह में भाग लेने पहुंचे। देसजाड़पा में भाग लेने झारखंड के अलावा बंगाल, ओडिशा एवं असम से भी प्रतिनिधि पहुंचे। आदिवासी कुड़मी समाज के अध्यक्ष अजीत महतो समेत कई सामाजिक पदाधिकारियों ने महतो का स्वागत किया। महतो ने कहा कि समाज की युवा पीढ़ी के भीतर एक नई चेतना दिख रही है। सौभाग्य की बात है कि सामाजिकझ्रसांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए युवा पीढ़ी सजग हुई है। पूर्वजों का सपना और सम्मान नई पीढ़ी संवार रही है बहुत खुशी की बात है। दहेज और दारू जैसी कुरीति ने समाज को क्षति पहुंचाई है। परंपरा को निभाएं, उसे कुरीति नहीं बनाएं। नवनिर्माण के लिए कुरीतियों से समाज को बचाना होगा।

प्रतिबंधित मांस कांड के आरोपियों की अग्रिम जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई 8 को

रांची : प्रतिबंधित मांस कांड के अभियुक्तों शादाब कुरैशी उर्फ खालिद रजा और तौफीक कुरैशी की अग्रिम जमानत याचिका पर कल (8 दिसंबर) हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। न्यायाधीश संजय कुमार द्विवेदी की पीठ में याचिका की सुनवाई निर्धारित है। इससे पहले खालिद रजा को कोलेबिरा प्रतिबंधित मांस कांड में मार्च 2025 में हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल चुकी है। जानकारी के मुताबिक अभियुक्त के खिलाफ प्रतिबंधित मांस का ताजा मामला लोअर बाजार थाने से संबंधित है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 29 अक्तूबर 2025 को आजाद बस्ती (गुदड़ी चौक के पास) में छापा मार कर करीब 38 क्विंटल प्रतिबंधित मांस जब्त किया था, जो विभिन्न प्रकार की गाड़ियों में छुपा कर रखा गया था। छापामारी के दौरान इससे संबंधित लोग भागने लगे। पुलिस ने इसमें से चार लोगों को दौड़ा कर पकड़ लिया। लेकिन दो लोग भागने में कामयाब हो गये।

अनुशासन, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ जीना सिखाता है खेल : कल्पना सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोरेटो कॉन्वेंट, रांची के वार्षिक खेल समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं कल्पना सोरेन ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन को दिशा देने वाली सबसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है। उन्होंने बताया कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ जीने की कला सिखाता है। जीवन की चुनौतियों से जूझने और आगे बढ़ने की क्षमता भी खेल के मैदान से ही विकसित होती है। अपने संबोधन में सोरेन ने लोरेटो कॉन्वेंट के शैक्षणिक वातावरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्था शिक्षा के साथ मूल्यों का भी विकास करती है। यहां अनुशासन, निष्ठा, विनम्रता और ईमानदारी को बराबर महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जहां छात्राओं को बड़े सपने देखने और उन सपनों को पूरा करने के लिए साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सोरेन ने कहा कि लोरेटो कॉन्वेंट केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी जगह है जहां युवा लड़कियों को एक आत्मविश्वासी, निर्भीक और संवेदनशील नागरिक के रूप में विकसित किया जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और खेल दोनों मिलकर ऐसी पीढ़ी तैयार करते हैं, जो समाज में सम्मान और जिम्मेदारी के साथ अपना योगदान दे सके। अपने वक्तव्य को और प्रभावशाली बनाने के लिए उन्होंने झारखंड की दो महान खेल हस्तियों का उल्लेख किया। जयपाल सिंह मुंडा, जिन्होंने सीमित अवसरों के बावजूद ओलंपिक स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया और भारतीय हॉकी को नई पहचान दिलाई। सलीमा टेटे, जिन्होंने ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी होने के बावजूद अपनी मेहनत और इच्छाशक्ति से अंतरराष्ट्रीय हॉकी में अपनी पहचान बनाई। सोरेन ने कहा कि ये दोनों ही उदाहरण साबित करते हैं कि परिस्थितियां कभी भी व्यक्ति की सफलता तय नहीं करती, बल्कि उसकी इच्छाशक्ति और दृढ़ता ही उसे ऊंचाइयों तक ले जाती है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे भी अपने जीवन में ऐसी ही मानसिकता विकसित करें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करती रहें। अपने संबोधन के अंत में सोरेन ने सभी छात्राओं को स्नेह और आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरता है और उम्मीद जताई कि लोरेटो कॉन्वेंट की छात्राएं शिक्षा और खेल दोनों में सफल भविष्य का निर्माण करेंगी।

झारखंड में उम्मीद पोर्टल पर वक्फ की 67 प्रतिशत संपत्ति अपलोड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में वक्फ की संपत्तियों में से 67.92 प्रतिशत के ब्योरे को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा तय समय सीमा के अनुसार झारखंड में वक्फ की संपत्तियों को अपलोड करने का कम छह दिसंबर की रात 11.59 बजे तक किया गया। केंद्र सरकार ने वक्फ की संपत्तियों का ब्योरा अपलोड करने के लिए छह दिसंबर की आधी रात तक का समय दिया था। इस निर्धारित समय सीमा तक झारखंड में वक्फ की कुल 159 संपत्तियों में से 108 का ही ब्योरा अपलोड करना संभव हो पाया। वक्फ की कुल 159 संपत्तियों मे से 151 संपत्ति झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड और आठ संपत्ति शिया वक्फ बोर्ड से संबंधित है। वक्फ बोर्ड के सक्षम पदाधिकारी के अनुसार झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड की 151 संपत्तियों में से सिर्फ 101 का ही ब्योरा उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करना संभव हो पाया। शिया वक्फ बोर्ड की आठ में से सात संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड किया गया। इस तरह झारखंड में वक्फ की कुल 51 संपत्तियों को उम्मीद पोर्ट पर अपलोड नहीं किया जा सका। इसमें एक संपत्ति शिया वक्फ बोर्ड की और 50 संपत्ति सुन्नी वक्फ बोर्ड की है। शिया वक्फ बोर्ड की जिस संपत्ति को अपलोड नहीं किया गया वह हिडेन वक्फ है।

रांची में महिला की घर में घुसकर हत्या जेवर और कैश गायब, ड्राइवर का फोन ऑफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हटिया स्थित सिंहमोड़ के विजेता इंक्लेव में रहने वाली एक बुजुर्ग दिव्यांग महिला की उनके ही फ्लैट में बेरहमी से हत्या कर दी गई। अपराधियों ने देर रात फ्लैट में घुसकर महिला का गला रेत डाला और घर में रखे लाखों के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। मृतका की पहचान विश्वासी हन्ना तिरू (60 वर्ष) के रूप में हुई है, जो लंबे समय से इस फ्लैट में अकेले रह रही थीं। घटना की जानकारी मिलने पर जगन्नाथपुर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से कई साक्ष्य जब्त किए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा और बाद में परिजनों को सौंप दिया। महिला के भतीजे अनिल कुमार तिरू की शिकायत पर अज्ञात अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अनिल ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार शाम वह अपनी चाची को खाना देने फ्लैट पर पहुँचे तो दरवाजा खुला मिला। अंदर जाने पर उन्होंने चाची को खून से लथपथ जमीन पर गिरा देखा। गले को तेज धारदार ब्लेड से काटा गया था। पास ही खून से सना ब्लेड भी फर्श पर पड़ा था। अलमारी खुली थी और कीमती जेवरात व नकदी गायब थे, जिससे लूट की मंशा की आशंका मजबूत होती है। अनिल कुमार तिरू ने पुलिस को बताया कि उनके छोटे चाचा स्टीफन तिरू मेकॉन में कार्यरत थे। 2022 में सेवानिवृत हुए और लटमा रोड में विजेता इनक्लेव में पत्नी के साथ रहते थे लेकिन उनका निधन 2024 में हो गया। इसके बाद उनकी चाची अकेले उस फ्लैट में रह रही थी। उनके पैर काम नहीं करते थे, जिसकी वजह से वह वाकर से जरीए चलती थी। आसपास में रहने वाले परिजन उन्हें खाना-पानी देने के लिए समय-समय पर फ्लैट में जाया करते थे। जगन्नाथपुर थानेदार दिग्विजय सिंह के अनुसार दिव्यांग बुजुर्ग विश्वासी तिरू के पास एक चार पहिया वाहन है, उन्हें कहीं जाना होता था तो चालक उसे अपने साथ ले जाया करता था। कर्रा से एक महीने पहले विश्वासी कार से ही लौटीं थी, इसके बाद चालक कार लेकर चला गया। थानेदार दिग्विजय सिंह का कहना है कि चालक का मोबाइल भी स्वीच आफ है। हालांकि जल्द ही चालक के घर पुलिस जाएगी और उससे पूछताछ करेगी। बताया जा रहा है कि मेकॉन कॉलोनी निवासी सलोमी होरा से भी पुलिस पूछताछ करेगी।

लालू-तेजस्वी नेतृत्व पर अटूट भरोसा, झारखंड आरजेडी ने कहा- एकजुट होकर लड़ेंगे निकाय चुनाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आरजेडी प्रदेश संसदीय बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक दल के नेता सुरेश पासवान ने की। इस मौके पर श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय प्र. यादव, प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय कु. सिंह यादव, विधायक नरेश सिंह, प्रवक्ता कैलाश यादव, महिला अध्यक्ष रश्मि प्रकाश, पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील साहू समेत कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आरजेडी आगामी नगर निकाय चुनाव पूरे दमखम के साथ लड़ेगा, और इसके लिए युद्धस्तर पर तैयारी की जाएगी। पार्टी ने तय किया कि प्रमंडल और जिला स्तर पर अलग-अलग प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे, जो स्थानीय स्तर पर समन्वय बनाते हुए उम्मीदवार चुनने और उन्हें जीत दिलाने की रणनीति संभालेंगे। साथ ही मंत्री, विधायक और प्रदेश पदाधिकारी क्षेत्रवार दौरे और संगठनात्मक कार्यक्रम चलाएंगे। नेताओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि आरजेडी के सभी साथी लालू यादव के सिपाही हैं। हम लालूजी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में ही मजबूती से खड़े हैं। साथ ही यह भी दोहराया गया कि पार्टी INDIA गठबंधन के साथ है और झारखंड में हेमन्त सोरेन के नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्ध है। बैठक में सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि SIR से जुड़े मामलों पर पूरी सतर्कता रखें और यह सुनिश्चित करें कि परिवार या संगठन के कार्यकर्ताओं के नाम किसी भी स्तर पर न कटें। नेताओं ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र को मशीनरी और सिस्टम के दबाव में कमजोर किया गया, लेकिन झारखंड आरजेडी का मनोबल पूरी तरह मजबूत है। पार्टी का लक्ष्य है कि झारखंड में संगठन को और धारदार बनाया जाए। कहा गया कि निकाय चुनाव के बाद अगले वर्ष पंचायत चुनाव भी होने हैं, इसलिए सभी कार्यकर्ता चुनावी मोड में रहें।

झारखंड विधानसभा के मुख्य द्वार पर संथाली भाषा शामिल करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आरटीआई कार्यकर्ता संघ के केन्द्रीय महासचिव सह आजसू पार्टी के जिला सचिव श्री कृतिवास मंडल के द्वारा अवर सचिव प्रधानमंत्री कार्यालय भारत सरकार नई दिल्ली में एक शिकायत दर्ज करवाया गया है कि बहुत ही विडंबना है कि झारखंड अलग राज्य बने आज लगभग 25 वर्ष होने के पश्चात भी झारखंड विधानसभा के मुख्य द्वार पर झारखंड राज्य की एक मात्र संविधान की 8 वीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त संताली भाषा को ओल चिकि लिपि में झारखंड विधानसभा कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग, झारखंड सरकार, रांची के द्वारा अब तक नहीं लिख कर इसकी घोर उपेक्षा की जा रही है जो कि बहुत ही दुखद व चिंताजनक विषय है। जबकि झारखंड राज्य के राजभवन के मुख्य द्वार पर एवं राज्य के कई जिला मुख्यालयों के साथ साथ प्रखंड और अंचल कार्यालयों में भी संथाली भाषा के ओल चिकी लिपि में मुख्य द्वार पर लिखा गया है। श्री मंडल ने अवर सचिव प्रधानमंत्री कार्यालय से अनुरोध किया है कि झारखंड राज्य की एक मात्र संविधान की 8 वीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त संथाली भाषा के ओलचिकी लिपि में झारखंड विधानसभा के मुख्य द्वार पर शीघ्र लिखा जाए।तो जांच कर जांच प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु अवर सचिव प्रधानमंत्री कार्यालय के द्वारा प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग भारत सरकार नई दिल्ली के डायरेक्टर पार्थ सारथी भास्कर को दिया गया है ।

एचईसी संकट पर ट्रेड यूनियन एकजुट, आंदोलन की तैयारी, 10 दिसंबर को अहम बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित भारी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी) के भविष्य को लेकर बढ़ते आर्थिक संकट और अनिश्चितताओं के बीच विभिन्न मजदूर संगठनों ने रविवार को हटिया मजदूर यूनियन के नेतृत्व में धुर्वा स्थित कार्यालय में संयुक्त बैठक की, जिसमें एचईसी को बंद होने से बचाने, ठेका श्रमिकों की बहाली और बकाया वेतन भुगतान सहित कई प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 10 दिसंबर को शाम 5 बजे हटिया मजदूर यूनियन कार्यालय में सभी यूनियनों के अध्यक्ष और महामंत्री की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक होगी। इसमें आंदोलन की अंतिम रूपरेखा तैयार की जाएगी। हटिया मजदूर यूनियन के भवन सिंह ने बताया कि एचईसी बंद होने की चर्चाओं से कर्मचारी मानसिक तनाव में हैं और भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि मजदूरों की मांगों की अंतिम सूची तैयार कर सरकार और प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे हरेन्द्र प्रसाद ने कहा कि कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति, प्रबंधन की निष्क्रियता और निजीकरण की आशंकाओं को सभी यूनियनों ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचईसी के निजीकरण, विक्रय या बंद करने की किसी भी कोशिश का पुरजोर विरोध किया जाएगा। बैठक में पारित संयुक्त प्रस्ताव के अनुसार पांच प्रमुख मांगों पर सर्वसम्मति बनी, इनमें एचईसी को बंद करने या बेचने के प्रस्ताव पर तत्काल रोक, उच्चस्तरीय सरकारी हस्तक्षेप, प्रधानमंत्री कार्यालय स्तर पर वार्ता, श्रम संहिता का विरोध और लंबित वेतन का भुगतान तथा ठेका श्रमिकों की बहाली शामिल थी। बैठक में एटक सहित विभिन्न मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झामुमो की बैठक में वार्ड 15 कमेटी का गठन कबर कुरैशी निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची महानगर की ओर से रविवार को आयोजित बैठक में वार्ड 15 कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान कबर कुरैशी को सर्वसम्मति से वार्ड अध्यक्ष चुना गया। बैठक में संगठनात्मक विस्तार के तहत सुफियान कुरैशी, मोहम्मद कैफ और अनवर हुसैन को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं आशा खालको, शेख समीर और मोहम्मद रिजवान को सचिव बनाया गया। जहांगीर को सहझ्रसचिव तथा रवि विश्वकर्मा को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में रांची महानगर संयोजक मंडली के सदस्य एवं केंद्र सदस्य अंतू तिर्की सहित अफरोज आलम, जितेंद्र गुप्ता, भोलू मलिक, सुषमा बड़ाईक, अजीत नायक और सनी मौजूद रहे। शेख रिजवान, अनवर हुसैन, मोहम्मद उजैर, समीर खान, वसीम, पप्पू आलम, मोहम्मद शोबी, मोहम्मद सलमान और शम्मी सहित अन्य सदस्य भी बैठक में उपस्थित रहे।

इंडिगो की उड़ानें रद होने से ट्रेनों पर दबाव, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने की अतिरिक्त कोच लगाने की मांग

रांची : राजधानी रांची से इंडिगो की उड़ानें रद होने के बाद यात्रियों की बढ़ती भीड़ अब रेलवे पर निर्भर हो रही है। स्थितियों को देखते हुए झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने रांची रेल मंडल के डीआरएम को पत्र लिखकर प्रमुख ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने की मांग की है। चेंबर की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि उड़ानें रद होने की वजह से अचानक यात्री संख्या बढ़ी है। इसके कारण रांची रेल मंडल की ट्रेनों में सीटों की तुलना में प्रतीक्षा सूची तेजी से बढ़ रही है और यात्रियों को टिकट की उपलब्धता में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चेंबर के महासचिव रोहित अग्रवाल ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं, लेकिन मौजूदा स्थिति में यह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मांग की कि मांग और प्रतीक्षा सूची के विश्लेषण के आधार पर अधिक भीड़ वाली ट्रेनों में तुरंत अतिरिक्त कोच जोड़े जाएं, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। वहीं, डीआरयूसीसी सदस्य संजय अखौरी ने कहा कि वर्तमान स्थिति असामान्य है और यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शादी का मौसम, प्रतियोगी परीक्षाएं और इलाज के लिए यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ने से कई महत्वपूर्ण ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से तत्काल विशेष पहल करने और अधिक ट्रेनों में कोच वृद्धि की मांग की। उन्होंने उम्मीद जताई कि रेलवे जल्द निर्णय लेकर यात्रियों की असुविधा कम करेगी।

महिला बंदियों की स्वास्थ्य कठिनाइयों पर सरकार की चुप्पी दर्दनाक : राफिया नाज

रांची : प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य की जेलों में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बंदियों का नहीं, बल्कि महिला बंदियों का भी गहरा संकट है, जिन्हें बुनियादी चिकित्सा सुविधा तक नसीब नहीं हो रही। उन्होंने बताया कि झारखंड की जेलों में 16,549 से अधिक बंदी रह रहे हैं, लेकिन एक भी नियमित नर्स की तैनाती न होना सरकार की घोर लापरवाही का प्रमाण है। राफिया नाज ने कहा कि जब जेलों में बीमार महिला बंदियों को इतनी बुनियादी सुविधा भी न मिले, तो यह सिर्फ गलती नहीं बल्कि प्रशासनिक अपराध है। राफिया नाज ने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि बंदियों के इलाज के लिए सभी स्वास्थ्य पदों को तुरंत भरा जाए, लेकिन सरकार महीनों से इस आदेश को ठंडे बस्ते में डालकर बैठी है। उन्होंने कहा कि हर बार किसी बंदी की मौत के बाद NHRC नोटिस भेजता है, पर सरकार की नींद नहीं टूटती। राफिया नाज ने विशेष तौर पर कहा कि नर्सों की अनुपस्थिति का सबसे अधिक और सबसे संवेदनशील असर महिला कैदियों पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष देखभाल, दवाइयों और स्वच्छता सामग्री की आवश्यकता होती है, लेकिन समय पर सुविधा न मिलने से उनकी पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। वहीं गर्भवती बंदियों के लिए तो नियमित जांच, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग और इमरजेंसी हेल्थ सपोर्ट बेहद जरूरी होता है, पर नर्स न होने की वजह से उनकी जान पर लगातार खतरा बना रहता है। इसके अलावा, जिन महिला कैदियों के साथ नवजात शिशु रहते हैं, उन्हें तुरंत और निरंतर चिकित्सकीय सहायता की जरूरत होती है, लेकिन जेलों में 24×7 मेडिकल सुविधा उपलब्ध न होने से स्थिति और भी भयावह और मानवीय दृष्टि से चिंताजनक हो जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे दर्दनाक हालात में सरकार की चुप्पी महिला कैदियों के प्रति संवेदनहीनता को उजागर करती है। उन्होंने बताया कि जेल आईजी ने खुद गृह विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर नर्सों की प्रतिनियुक्ति की मांग की है, और यह भी स्वीकार किया है कि नर्स की कमी के कारण 24 घंटे इलाज की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही। लेकिन सरकार की कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित है। राफिया नाज ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जो सरकार बंदियों खासतौर पर महिला बंदियों की स्वास्थ्य सुरक्षा तक नहीं सुनिश्चित कर सकती, वह संवेदनशील शासन का दावा कैसे कर सकती है? उन्होंने कहा कि सरकार बड़ी–बड़ी घोषणाएँ करती है, पर जब असल जिम्मेदारी निभाने की बात आती है, तब यह डराने वाली चुप्पी साध लेती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी जेलों में तुरंत नर्सों व पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जाए, महिला कैदियों के लिए विशेष मेडिकल सुविधा स्थापित हो और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में 241वें महाप्रसाद का हुआ वितरण

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 241 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा विद्या देवी अग्रवाल एवं ट्रस्ट के सदस्यों के सौजन्य से आयोजित किया गया। श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात मेवायुक्त केसरिया खीर महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तथा मंदिर परिसर में उपस्थित 3 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद के साथ आलू चिप्स का पैकेट विशाल जालान के द्वारा बांटा गया। तत्पश्चात भजन– संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने मनमोहक सुमधुर भजनों श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किये। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

E I Y ³fafS

सतगावां में अंग्रेजी शराब से भरा पिकअप वैन पलटा, चालक फरार शराब की बड़ी खेप जब्त

I YûOS¸ff: जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत रामडीह के नौवाचक स्थित अपना लाइन होटल के पास अहले सुबह अंग्रेजी शराब से लदा एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक पिकअप में प्लाई लकड़ी के फ्रेम बनाकर बीच में लगभग 130 पेटी शराब की पेटियों को इस तरह छिपाया गया था कि बाहरी लोगों को इसकी भनक तक न लगे। वाहन पलटते ही सड़क पर भारी मात्रा में शराब की बोतलें बिखर गईं। सूचना मिलते ही सतगावां थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा दल- बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू कर पलटे वाहन को सीधा करवाया और उसे थाना ले जाया गया। घटना के बाद से फरार चालक की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस अवैध शराब तस्करी के इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

¶fû I YfSû: केंद्रीय विद्यालय, सेक्टर-4 में रविवार को मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग के लिए फुटबॉल, 400 मीटर दौड़ और लंबी कूद तथा बालिका वर्ग के लिए कबड्डी, 200 मीटर दौड़ और रस्सी कूद का आयोजन किया गया। फुटबॉल पुरुष वर्ग में गोमिया टीम ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में कसमार टीम को हराकर जिले का चैंपियन बनने का गौरव पाया। वहीं, बालिका कबड्डी में नावाडीह प्रखंड की टीम ने कसमार प्रखंड को मात देकर खिताब अपने नाम किया।400 मीटर दौड़ में नागेश्वर कुमार सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लक्ष्मीकांत महतो और आशीष कुमार सिंह क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग की 200 मीटर दौड़ में लक्ष्मी कुमारी ने पहला स्थान, नेहा कुमारी ने दूसरा और डोली कुमारी ने तीसरा स्थान हासिल किया। लंबी कूद में सनीलाल मरांडी ने प्रथम, लक्ष्मीकांत महतो ने द्वितीय तथा नरेश सोरेन ने तृतीय स्थान पाया। रस्सी कूद प्रतियोगिता में पिंकी कुमारी प्रथम, अंजली कुमारी द्वितीय तथा पुष्पा मुंडा तृतीय रहीं। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। समापन समारोह में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार, केंद्रीय विद्यालय सेक्टर-4 के प्राचार्य मनोज कुमार एवं जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार ने विजेताओं को पुरस्कार व सम्मान देकर उत्साहित किया। कुंदन कुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास होता है। बोकारो के युवा लगातार जिले का नाम रोशन कर रहे हैं और बीएसएल ऐसे आयोजनों का समर्थन जारी रखेगा। प्राचार्य मनोज कुमार ने कहा कि खेलों से बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता भी बढ़ती है। जिला युवा अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि मेरा युवा भारत युवाओं को अवसर, मंच और दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में बड़े स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

बोकारो के शैक्षणिक उत्थान में अहम भूमिका निभा रहा सहोदया : डॉ. गंगवार

´f°1f¿f ³f½fd¶fWfS Àf½ffQQf°ff

¶fû I YfSû : डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के अध्यक्ष, सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मूल उद्देश्य बच्चों को पहले से चली आ रही रटंत पढ़ाई से मुक्ति दिलाना और एक कुशल युवा पीढ़ी तैयार करना है। शनिवार दोपहर डीपीएस बोकारो में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. गंगवार ने ये बातें कहीं। विद्यालय की मेजबानी में डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो के द्वारा एमएसएमई, नीति आयोग, भारत सरकार से संबद्ध सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट फाउंडेशन के तत्वावधान में स्कूल लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्र्स-2025 के 18वें संस्करण के दौरान आयोजित इस संवाददाता सम्मेलन में सहोदया बोकारो के सभी वरिष्ठ पदाधिकारीगण शामिल रहे। इनमें अध्यक्ष डॉ गंगवार के अलावा उपाध्यक्ष एवं होलीक्रॉस चंदनकियारी की प्राचार्या सिस्टर कमला पॉल, महासचिव एवं एआरएस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य विश्वजीत पात्रा, कोषाध्यक्ष एवं गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर- 5 के प्राचार्य अभिषेक कुमार, पेंटिकोस्टल असेंबली स्कूल के निदेशक डॉ. ध्रुव नारायण प्रसाद, एआरएस पब्लिक स्कूल के निदेशक राम लखन यादव तथा सहोदया के संचार प्रमुख एस. शेखर शामिल रहे। डॉ. गंगवार ने कहा कि वर्ष 2002 से सहोदया बोकारो जिले में शैक्षणिक उत्थान की दिशा में लगातार प्रयासरत है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का समग्र विकास तथा उन्हें अधिकाधिक कौशल-आधारित शिक्षा उपलब्ध कराते हुए रोजगारोन्मुखी अवसर प्रदान करना एनईपी 2020 का मूल उद्देश्य है। विद्यार्थी रटंत विद्या की बजाय कॉन्सेप्ट समझते हुए पढ़ाई करें, तो निश्चय ही वे अच्छा करेंगे। उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा की बजाय स्कूली शिक्षा को अधिक श्रेयस्कर बताया। साथ ही, अभिभावकों द्वारा बच्चों की स्क्रीन टाइम की मॉनिटरिंग करने की भी आवश्यकता बताई। डॉ. गंगवार ने उक्त सम्मेलन को बोकारो के शैक्षणिक विकास में सहोदया का महत्वपूर्ण प्रयास व ऐतिहासिक आयोजन बताते हुए इसकी सफलता के लिए सहोदया बोकारो के समस्त सहयोगी पदाधिकारियों व सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

खरखार पंचायत के ग्राम कटरियाटांड मे यज्ञ को लेकर हुई बैठक

´f°1f¿f ³f½fd¶fWfS Àf½ffQQf°ff

¸fSI Y¨¨fû : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचायत खरखार के ग्राम कटरियाटांड में यज्ञ को लेकर रविवार को बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता सूर्यदेव सिंह ने की जबकि संचालन बृजकिशोर शर्मा ने किया। बैठक में सर्वसम्मती से निर्णय लिया गया कि खरखार पंचायत के ग्राम में शिव परिवार सह हनुमान प्राण प्रतिष्ठा पांच दिवसीय महायज्ञ दिनांक 9 फरवरी 2026 से 14 फरवरी 2026 तक होगा। बैठक में शामिल लोगों ने यज्ञ को यादगार बनाने का निर्णय किया। बैठक में यज्ञ संरक्षक समाजसेवी महावीर यादव, यज्ञ अध्यक्ष सूर्य देव सिंह, उपाध्यक्ष मुन्ना राणा, राजू पासवान, राजेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजू यादव, उपकोषाध्यक्ष बन्नू कुमार यादव, उमेश राणा, संयोजक किशोर गुप्ता, महेंद्र यादव, व्यवस्थापक मधुसुदन सिंह, सुरेश रवानी, महावीर भोक्ता, विश्वनाथ सिंह, लक्ष्मण सिंह, सुधीर गुप्ता, पिंटू यादव, कार्यकारिणी सदस्य पप्पू यादव, राजकुमार साव,देवा दास, सुरेश दयाल, प्रकाश यादव, शंकर यादव,जितेंद्र सिंह, दिलीप पासवान, पवन दास, सुबोध विश्वकर्मा,पंकज यादव, रंजीत राणा, बब्लू राणा, सुभाष साव, मनोज राणा, मुकेश दास, अर्जुन यादव, टुकलाल यादव, कैलाश राणा, सुरेश यादव, छोटू राणा, भुनेश्वर यादव, पप्पू विश्वकर्मा, सोनू, सुमित, चीकू एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वयंसेवकों ने गृह संपर्क अभियान में पत्रक और साहित्य का किया वितरण

´f°1f¿f ³f½fd¶fWfS Àf½ffQQf°ff

þ¹f³f¦fS : प्रखंड के जयनगर मंडल के जयनगर पूर्वी एवं पश्चिमी पंचायत सहित विभिन्न गांवों में शताब्दी वर्ष पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गृह संपर्क अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचना और संघ के विचारों, आदर्शों और राष्ट्रहित में किए जा रहे प्रयासों को साझा करना है। इस अभियान के तहत, स्वयंसेवक घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे, संघ के 100 वर्ष की यात्रा का परिचय देंगे और समाज में बदलाव के लिए चर्चा करेंगे। खंड कार्यवाह सुनील कुमार यादव ने बताया कि इस अभियान के प्रमुख उद्देश्य सामाजिक समरसता समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना। कुटुंब प्रबोधन परिवारों को संघ के विचारों और आदर्शों से अवगत कराना। पर्यावरण संरक्षण पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संरक्षण के प्रयासों को प्रोत्साहित करना। स्वयंसेवकों की जीवनशैली स्वयंसेवकों की जीवनशैली और नागरिक कर्तव्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाना। राष्ट्रहित में काम करना जैसे राष्ट्रहित में किए जा रहे प्रयासों को साझा करना और लोगों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करना। इस अभियान में विहिप जिला प्रचार प्रसार जिला प्रमुख बिनोद कुमार बर्णवाल, गौतम सिंह, संतोष कुमार सहित कई लोग लगे हुए हैं।

बोकारो महानगर ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

¶fû I YfSû : नगर परिषद परिसर में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर भीम आर्मी, बोकारो महानगर द्वारा एक विशेष विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में जागृति लाना और उनके हक-अधिकारों के प्रति उन्हें सचेत करना था।कार्यक्रम के मुख्यातिथि के रूप में माननीय एडवोकेट माया जमदाडे जी और विशिष्ट अतिथि के रूप में उषा दास जी उपस्थित रहीं। माया जमदाडे ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं की स्थिति समाज तथा राष्ट्र की प्रगति और परिस्थिति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं, उषा दास जी ने महिलाओं को देश के सही इतिहास को जानने और मनुवादियों द्वारा छिपाए गए सत्य से अवगत होने की जरूरत बताई। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के संघर्षों को याद कर देश की सभी महिलाओं को उनका कृतज्ञ और अहसानमंद होने का आह्वान किया।इस संगोष्ठी में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न विचार साझा किए। कार्यक्रम में लगभग 80 से अधिक लोग उपस्थित थे, जिनमें से कई खड़े रहकर वक्ताओं की बातें ध्यान से सुनते रहे।कार्यक्रम के अंत में भीम आर्मी बोकारो महानगर के अध्यक्ष माननीय अजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शंभु दास, बीरेंद्र कुमार, दिनेश रविदास, जीवन जगरनाथ, ध्रुव कुमार, जितेंद्र कुमार, कृष्णा मंडल, रविशंकर सिंह, रंजीत कुमार, अनिल कालिंदी, शंकर कालिंदी, मुकेश कालिंदी, शिल्पी कुमारी, रानी दास, नीलू देवी, सुमिता कुमारी, रीता कुमारी, अर्चना देवी तथा रेणु देवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे।

10 दिसंबर को सेफ्टी भवन पर होगा ऐतिहासिक प्रदर्शन : बिके चौधरी

´f°1f¿f ³f½fd¶fWfS Àf½ffQQf°ff

¶fû I YfSû : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर 9 मे कार्यकारिणी एवं बिभागीय नेताओं की बैठक झामुमो केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के अध्यक्षता मे हुआ। बैठक मे बक्ताओं ने युनियन के तरफ से प्लांट मे विगत 15 दिनों से इस्पातकमीयों एवं ठेकाकमीयों के मांगो को लेकर चलाए गए जनजागरण के चलते मजदूरों के सोच को बताते हुए कहा कि उनमे प्रबंधन के प्रति काफी आक्रोश है जिसके कारण 10 दिसम्बर को सेफ्टी भवन पर प्रस्तावित हल्ला बोल प्रदर्शन मे हजारो कामगारों भाग लेने को तैयार है ।सभी को सुनने के उपरान्त बि के चौधरी ने कहा कि मजदूर समझ चूका है कि जान है तो जहान है और यह हल्ला बोल प्रदर्शन या किसी प्रकार का मजदूरों द्वारा बिरोध बोकारो स्टील प्लांट के इतिहास मे पहली बार होने जा रहा है। कामगार भलि भांति समझ चूका है कि प्रबंधन मजदूरों के जान का हिफाजत का जिम्मेदारी सेफ्टी बिभाग को दिया है जो मजदूरों या मसीनों के बीच नही जाकर कार्यालय मे बैठकर समय ब्यतित करता है जिसके कारण आये दिन प्लांट मे दुर्धटना का ग्राफ बढ़ गया है। दुसरी तरफ 39 महिने का एरियर, इन्सेंटिव रिवार्ड मे सुधार जैसे अनेक सवालों पर प्रबंधन मौनब्रत ले लिया है। वहीं ठेकाकर्मी घर से निकलते हीं यह सोचकर मानसिक तनाव मे आ जाता है कि पेमेंट जो हुआ है उसमे से पैसा भी लौटाना पड़ेगा ,मोटरसाइकिल स्टेन्ड मे भी पैसा देना होगा।

विधि महाविद्यालय के तत्वधान में तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

शारीरिक व मानसिक विकास में खेल-कूद प्रतियोगिता सहायक होता है : डॉ नीरा यादव

´f°1f¿f ³f½fd¶fWfS Àf½ffQQf°ff

I YûOS¸ff : विधि महाविद्यालय के प्रांगण में झारखंड एजुकेशनल एंड कल्चर डेवलपमेंट सोसाइटी के तत्वधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतर राज्यीय संस्कृति एवं खेलकूद प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में दौड़, उंची व लंबी कूद, बॉली बॉल व क्रिकेट में भाग लेकर छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव उपस्थित रहीं। मौके पर उन्होंने कहा कि कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। खेलकूद बच्चों में शारीरिक तंदुरुस्ती, अनुशासन, आत्मविश्वास और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ाता है। जीवन में खेल का बहुत महत्व है। खेल में हार-जीत होती है पर हार हमें एक नई सीख देती है। जीतने के लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश देती है। वहीं संस्था के सचिव डॉ डीएन मिश्रा बताया की संस्थान में इस तरह के आयोजन से बच्चों में शिक्षा और खेल के प्रति साकारत्मक सोंच पैदा कर दक्षता को निखारने का कार्य किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 100 मीटर पुरुष वर्ग रेस में प्रथम रवि कुमार, द्वितिय दिवाकर कुमार, तृतीय अभिषेक कुमार, वहीं महिला वर्ग में प्रथम डॉली कुमारी, द्वितिय अंजली कुमारी, तृतीय उषा कुमारी, वहीं 200 मीटर पुरुष वर्ग में प्रथम दिवकार कुमार, द्वितीय सतीश कुमार, तृतीय विक्की कुमार वहीं लंबी कूद में पुरुष वर्ग में प्रथम मनीष कुमार, द्वितिय अभिषेक कुमार, तृतीय दिवकार कुमार, तो महिला वर्ग में प्रथम डॉली कुमारी, द्वितीय रानी कुमारी, तृतीय सपना पूर्ति ने जगह बनाई ऊँची कूद पुरुष वर्ग में प्रथम मनीष कुमार, द्वितीय सतीश कुमार, तृतीय अमित कुमार तो महिला वर्ग में प्रथम रानी कुमारी, द्वितीय सपना कुमारी, तृतीय अनिशा कुमारी हासिल किया। वहीं मेंहदी प्रतियोगिता में प्रथम तरन्नुम द्वितिय रही रेश्वमा कुमारी, वहीं रंगोली प्रतियोगिता ग्रुप में जेवीएम, द्वितीय जेसीपी, तृतीय जेटीटीसी व एनवीएम ने अपनी जगह बनाई। वहीं निबन्ध लेखन में प्रथम आकाश कुमार, द्वितीय साधना सिन्हा, तृतीय स्नेहा सिन्हा ने जगह बनाई।

AfdÀf´ºf £ff¶fS

जमीनी विवाद में युवक ने पिस्टल लहराई, पुलिस ने मौके से किया गिरफ्तार

I YûOS¸ff: जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना रोड मुख्य मार्ग स्थित टीवीएस शोरूम के पीछे रविवार सुबह एक जमीनी विवाद को लेकर एक व्यक्ति द्वारा पिस्टल लहराने का मामला सामने आया है। पिस्टल असली है या नकली अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गोपाल पासवान पिता तपेश्वर पासवान के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत आरागारो निवासी राजेश यादव ने बताया कि उनके द्वारा उक्त भूमि को इसी वर्ष सितंबर माह में गोपाल पासवान के रिश्तेदारों से खरीदा गया था। जमीन खरीदने के पश्चात वहां पर मकान निर्माण का कार्य शुरू करवाया गया था। रविवार को भी वे उक्त भूमि पर निर्माण कार्य करवा रहे थे। इसी दौरान वहां पर निर्माण कार्य रोकने हेतु गोपाल पासवान वहां पहुंचे और राजेश यादव को कार्य रोकने की बात कही अन्यथा उसे गोली मार देने की धमकी दी। इतने में ही उसके द्वारा अपनी जेब से पिस्टल निकाल कर हवा में लहराया जाने लगा और राजेश यादव पर भय बनाया जाने लगा। गोपाल के पिस्टल निकालते ही वहां पर मौजूद मजदूर इधर - उधर भागने लगे। इसी बीच वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इसकी सूचना तिलैया पुलिस को दे दी। जिसके पश्चात तिलैया पुलिस के पैंथर के जवान मौके पर पहुंचे। वहाँ पहुंचने पर उन्होंने देखा कि गोपाल अपने हाथ में एक पिस्टल लहरा रहा था। जिसके पश्चात पैंथर के जवानों ने सूझबूझ दिखाते हुए किसी प्रकार से गोपाल के हाथ से पिस्टल छिनने में सफलता पाई। वहीं पिस्टल छिनने के पश्चात पैंथर के जवानों द्वारा गोपाल को हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहाँ उससे पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस फिलहाल पिस्टल की जांच कर रही है कि वह नकली है या असली। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले पर कुछ भी बताने से कतरा रही है।

साहु भवन के प्रांगण में सवर्ण एकता मंच की कोर कमेटी की हुई बैठक

Óf¸fSe d°f»f¹ff : प्रखंड मुख्यालय स्थित साहु भवन के प्रांगण में सवर्ण एकता मंच की कोर कमेटी की बैठक सम्पन्न किया गया। जिसकी अध्यक्षता रामचन्द्र सिंह ने किया। वहीं संचालन दीनानाथ पाण्डेय ने किया। जहां कोर कमिटी को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि सवर्ण एकता को संगठनात्मक रुप से मजबूत बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहने की जरूरत है। जहां सभा को सम्बोधित करते हुए दीनानाथ पाण्डेय ने कहा की आगामी दिनांक 14-12-2025 को पुनः साहु भवन में 11:30 बजे तक कोर कमिटी के सदस्यों के साथ ही साथ वृहत स्तर पर बैठक होना तय समझा जाता है। वहीं कोर कमिटी के सदस्यों की उपस्थिति गरिमामई रहा। दिनेश सिंह, रघुवीर सिंह, शिवलाल सिंह, विक्रम कुमार परिमल, राजेन्द्र सिंह, दिनेश सिंह, राजेन्द्र पाण्डेय, प्रदीप पांडेय,विनय शांडिल्य,विनय कुमार बेलू,दिनेश्वर प्रसाद,मनोज सहाय पिंकू, राजेन्द्र सिंह,संजय सिंह,विक्रम कुमार पाण्डेय,गौतम कर्ण आदि लोग शामिल हुए। वहीं धन्यवाद ज्ञापन नीरज कर्ण ने किया।

क्रिटिकल केयर अस्पताल के निर्माण का हुआ भूमि पूजन

I YûOS¸ff: कोडरमा के करमा में 50 शैय्या वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल के निर्माण के लिए रविवार को भूमि पूजन किया गया। स्थानीय विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने अस्पताल का भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्रिटिकल केयर अस्पताल के बनने से ना केवल कोडरमा बल्कि निकटवर्ती कई जिलों के लोगों को लाभ होगा। पहले यहां के लोगों को बीमारी या दुर्घटना के बाद क्रिटिकल केयर के लिए बाहर जाना पड़ता था। पर अब लोगों को यहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल पायेगी। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के निदान का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है। इस अस्पताल का निर्माण भी उसी का एक प्रयास है। रविवार को ही विधायक डॉ नीरा यादव ने कोडरमा नगर पंचायत के वार्ड 9 स्थित राजकमल कपड़ा दुकान के पास आरसीसी नाली निर्माण, वार्ड 12 और वार्ड 13 में आरसीसी नाली निर्माण का शिलान्यास किया। वहीं विधायक ने कोडरमा प्रखंड अंतर्गत डोइयांडीह देवी मंडप से गझंडी पीएमजीएसवाई रोड भाया कोनियाआम तक पथ निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इस सड़क निर्माण की मांग लगातार कर रहे थे। गांवों तक पहुंचे विकास, इस निमित्त यह एक और कदम है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इन विकास योजनाओं से ग्रामीण इलाके के लोगों को सहूलियत होगी।

शिक्षा की धारा में संस्कार का विशेष महत्व : साध्वी झा

¶fû I YfSf : शिक्षा यदि गंगा- यमुना की पवित्र धारा है तो संस्कार उस जल की शुद्धता का प्रमाण! संस्कार से ही नैतिक आधार विकसित होते हैं ये नैतिक आधार ही मानव को मानव से परिचित कराती है, यह कहना सर्वथा उचित होगा कि शिक्षा की धारा में संस्कार का विशेष महत्व है उक्त बातें साध्वी झा ने कुमीडीह स्थित गोलमार्केट में शिशु सृजन वाटिका व तरुणी सृजन वाटिका के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य वक्ता कहे सर्वप्रथम भारत माता चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर कार्यक्रम आरंभ किया गयो माँ जानकी शिशु सृजन वाटिका गोल मार्केट की संचालिका राखी कुमारी को संस्था के संरक्षक सदस्य गौरी शंकर सिंह व संदीप तिवारी ने श्रीमद्भागवतगीता तथा श्याम पट्ट, चाक, झाड़न आदि भेंट करते हुए शुभकामनाएं दी।

एक नजर

घरोंजा में धान-पुआल में आग, हजारों का नुकसान

जयनगर : प्रखंड के घरोंजा नवसृजित प्राथमिक विद्यालय के पास रविवार शाम अचानक लगी आग से कई किसानों का धान-पुआल जलकर खाक हो गया। घटना करीब शाम 4 बजे की है। सुनील यादव, संजय यादव, बालमुकुंद यादव, मणि यादव सहित कई किसानों का धान खलिहान में रखा था, जिसमें आग लगने से लगभग 40-50 हजार रुपये का नुकसान हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस अवर निरीक्षक प्रमोद सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग को जानकारी दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। भुक्तभोगियों ने मुआवजा देने और प्रखंड स्तर पर अग्निशमन वाहन उपलब्ध कराने की मांग की है।

झारखंड राज्य महिला समाज की 21 सदस्यीय समिति का गठन

कोडरमा : प्रखंड के डंडाडीह पंचायत में रविवार की दोपहर झारखंड राज्य महिला समाज की पंचायत स्तरीय 21 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। जिसमें पंचायत की कई महिला प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की। बैठक में कंचन कुमारी को अध्यक्ष, प्रेम कुमारी और पूनम कुमारी को उपाध्यक्ष, कल्पना कुमारी को सचिव, गुड़िया कुमारी को उप सचिव और सुजाता कुमारी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही सोनिया देवी, मुखिया सुनीता देवी, अनीता देवी, धनेश्वरी देवी, प्रमिला देवी, जितने देवी, शांति देवी, रानी कुमारी, नीलम कुमारी, चंपा देवी और बबीता देवी सहित कुल 21 सदस्यों की समिति बनाई गई। बैठक में नारी सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा और जागरूकता को मुख्य एजेंडा बनाया गया। इस दौरान महिलाओं पर बढ़ते माइक्रोफाइनेंस कर्ज को सबसे गंभीर समस्या बताया गया और कहा गया कि माइक्रोफाइनेंस संस्थाएं अत्यधिक ब्याज और दबाव के कारण महिलाओं को कर्ज के जाल में फंसा रही हैं। इसी मुद्दे पर व्यापक आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया। सदस्यों ने बताया कि कोडरमा जिले से महिला कर्ज मुक्ति अभियान की शुरूआत की गई है, जिसे पूरे झारखंड में फैलाया जाएगा। दिसंबर माह के अंत तक जिला स्तर पर कई जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाकर महिलाओं को माइक्रोफाइनेंस लोन से मुक्त कराने की रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में उपस्थित महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि अब वे कर्ज के बोझ से मुक्ति और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए संगठित होकर संघर्ष करेंगी। आंदोलन कोडरमा से शुरू होकर पूरे झारखंड में मजबूत प्रभाव डालेगा।

साइबर ठगी मामले में आरोपी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित करलाजोड़ी निवासी रिटायर्ड बैंककर्मी परमेश्वर पुरती के साथ जीवन प्रमाण पत्र अपडेट कराने के नाम पर 16 लाख 92 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने रविवार को दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले मुख्य आरोपित मोहम्मद सकीर असारी को पुलिस छह दिसंबर को ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज चुकी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार विशेष अभियान चला रही है। पीड़ित की शिकायत पर 13 नवंबर 2025 को मुफ्फसिल थाना में कांड संख्या 185/2025 दर्ज किया गया था।

सांसद खेल महोत्सव में बैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ समापन, उभरते खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर स्थित मोहन आहूजा इनडोर स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और खेल भावना देखने को मिली। रविवार को आयोजित समापन समारोह में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए सांसद विद्युत महतो ने कहा कि सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश, अनुशासन और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी आज विजेता बने हैं, उनसे पूरे क्षेत्र को उम्मीद है कि वे आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन करते हुए जमशेदपुर और झारखंड का नाम देशभर में रोशन करेंगे। सांसद विद्युत महतो ने उन प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहित किया जो इस बार विजयी नहीं हो पाए। उन्होंने कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है। जो आज सफल नहीं हुए हैं, वे अपने खेल में निरंतर सुधार करें। मेहनत और लगन से ही प्रतिभा निखरती है और आप सभी में उत्कृष्ट खिलाड़ी बनने की क्षमता मौजूद है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत दुनिया के खेल मंच पर शीर्ष पर पहुंचे, यह विकसित भारत का अनिवार्य संकल्प है। पीएम नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत खेल जगत में नई ऊँचाइयों को छुए। सांसद खेल महोत्सव जैसे आयोजन उसी दिशा में मजबूत कदम हैं, जो युवाओं को अवसर और मंच प्रदान करते हैं। गर्ल्स अंडर-15 में अनुश्का कच्छप ने खिताब जीता, जबकि यशस्वी श्रीवास्तव उपविजेता रहीं। साई सान्वी परिदा और शीफा तीसरे स्थान पर रहीं। गर्ल्स अंडर-19 में सारा शर्मा विजेता बनीं। अनुश्का कच्छप दूसरे, जबकि शिफा और यशवी श्रीवास्तव तीसरे स्थान पर रहीं। महिला एकल में भी सारा शर्मा ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया। अनुश्का कच्छप उपविजेता रहीं और पायल कुमारी व वैभवी श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। बॉयज अंडर-15 में प्रियांशु कैबार्ता विजेता बने। शुभोदीप मित्रा उपविजेता, जबकि संकल्प कुमार और हमजा अहमद तीसरे स्थान पर रहे। बॉयज अंडर-19 में क्रिश दुबे ने जीत दर्ज की। प्रांशु शॉ दूसरे और सैयद वली हसन तथा नवीन महतो तीसरे स्थान पर रहे। मेंस सिंगल्स में भी क्रिश दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। कीर्तन अग्रवाल उपविजेता रहे, जबकि कुणाल पटेल और संटू शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और पारितोषिक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से टाटा स्टील के भारत के कप्तान मनीष सिंह उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, क्रीड़ा भारती के प्रदेश सचिव राजीव कुमार, भाजपा नेता मिथिलेश सिंह यादव, नीरज सिंह, कुलवंत सिंह बंटी, अनिल मोदी, संजीव कुमार, रविंद्र सिंह, अजय सिंह, प्रशांत पोद्दार, काजू शांडिल, चिंटू सिंह, मारुति नंदन पांडेय समेत बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं दर्शक मौजूद रहे।

उषा मार्टिन को सम्मान ग्रामीण जीवन में टिकाऊ विकास की पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : झारखंड की प्रगति में ग्रामीण विकास के माध्यम से उत्कृष्ट योगदान के लिए आज उषा मार्टिन फॉउंडेशन को सम्मानित किया गया। झारखंड राज्य स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के अवसर पर नवभारत टाइम्स की ओर से यह सम्मान दिया गया। भारत के रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने आज एक कार्यक्रम में ग्रामीण विकास को समर्पित उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी को यह सम्मान दिया। उन्होंने ग्रामीण विकास के कार्यों के माध्यम से समाज में आ रहे बदलाव की चर्चा की और इसके लिए प्रबंधन के विकासपरक सोच की सराहना की। इस अवसर पर प्लांट हेड एवं एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर एसबीएन शर्मा ने फॉउंडेशन के सभी सहकर्मियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि ग्रामीण विकास का कार्य सतत चलनेवाला कार्य है और इसके लिए संस्थान समर्पित है। उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि यह कंपनी के समाज परिवर्तन के अभियान की सफलता की स्वीकृति है, साथ ही हमारे एप्रोच और इनिशिएटिव के सही होने का परिचायक है। उन्होंने इस अवसर पर कंपनी के प्रबंधक की दूरगामी एवं विकास के प्रति समर्पण भाव पर अपनी बात रखीं, जिसके कारण 20 से अधिक गांवों में एकीकृत विकास के अभियान से परिवर्तन लाया जा रहा है। इन गांवों में कृषि विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, शिक्षा एवं जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्द्धन, प्रशिक्षण से क्षमता निर्माण और दिव्यांग समाज को सक्षम बनाने के लिए कई आयामों में कार्य किया जा रहा है।

झारखंड कुरमी महासभा प्रदेश स्तरीय सांगठनिक का चुनाव

कुरमी महासभा झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष कारीनाथ महतो बने

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आरटीसी बीएड्.एकॉलेज बूटी रांची में झारखंड कुरमी महासभा के प्रदेश स्तरीय सांगठनिक चुनाव संपन्न हुई। चुनाव कराने के लिए चार सदसीय चुनाव समिति का गठन किया गया था जिसके मुख्य चुनाव पदाधिकारी डॉक्टर भुनेश्वर महतो, सहायक चुनाव पदाधिकारी मुनेश्वर महतो, देवकी महतो, डॉ राजनारायण सिह पटेल थे। इनकी देखरेख में चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न हुई जिसमें कारीनाथ महतो प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए जबकि प्रदेश महासचिव रामेश्वर महतो एवं कोषाध्यक्ष रामलाल महतो को चुन लिया गया। महिला प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्शांति महतो, जबकि महासचिव मंजू देवी, कोषाध्यक्ष विमला देवी को चुना गया। युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गोरखनाथ चौधरी, महासचिव गुलचन्द महतो एवं कोषाध्यक्ष नितेश कुमार चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने समाज के लोगों का आभार प्रकट किया और संगठन को जिला से लेकर प्रखंड तक मजबुत करने का भरोसा जताया उन्होंने कहा कि झारखंड के सभी स्वजातीय संगठनों से समन्वय बनाकर समाज के हक अधिकार के लिए मिलकर काम करेंगे। मौके पर मुख्य अतिथि सह झारखंड कुरमी महासभा के संरक्षक पूर्व सांसद रामटहल चौधरी एवं राष्ट्रीय संरक्षक बड़कागांव विधानसभा विधायक, निपुण कुमार के अलावा सैकड़ो समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रथम बिरसा मुंडा झारखंड राज्य ओपन कराटे प्रतियोगिता का भव्य समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आर.टी.सी. पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में आयोजित प्रथम बिरसा मुंडा झारखंड राज्य ओपन कराटे प्रतियोगिता 2025 का आज उत्साह, उमंग और शानदार प्रदर्शन के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। राज्य के विभिन्न जिलों– बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, गिरिडीह, रामगढ़ और रांची से आए सैकड़ों कराटे खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने कौशल और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. लम्बोदर महतो, पूर्व विधायक, गोमिया राजेश कुमार विश्वकर्मा डॉ. रुद्र नारायण महतो, निदेशक, आर.टी.सी. पब्लिक स्कूल राम टहल चौधरी, पूर्व सांसद साथ ही प्रतियोगिता में प्रमुख भूमिका निभाई– शिहान विमल आनंद नाग सेंसई महादेव गोपे नरेंद्रनाथ महतो, प्राचार्य, आर.टी.सी. पब्लिक प्रतियोगिता में बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रतियोगिता के विभिन्न कुमिते और काता वर्गों में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। आज के प्रमुख विजेता इस प्रकार रहे–बालक वर्ग आर्यन कुमार - स्वर्ण अभिराज मुंडा - रजत विवेक कच्छप - कांस्य बालिका वर्ग, पूजा कुमारी -स्वर्ण, अनन्या टोप्पो -रजत, खुशी कुमारी - कांस्य, मुख्य अतिथियों के उद्बोधन डॉ. लम्बोदर महतो ने कहा– ग्रामीण क्षेत्र में इस स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें राज्य व राष्ट्रीय मंच देने का उत्कृष्ट माध्यम है।

किक फुटबालः हरातू ने टाटी को हराकर जीता खिताब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : राम अकादमी द्वारा लुपुंग स्टेडियम अनगड़ा में आयोजित तीन दिवसीय दूसरा किक फुटबॉल टूनार्मेंट का खिताब जगमोहन क्लब हरातू की टीम ने जीत लिया। रविवार को खेले खिताबी मुकाबले में हरातू ने एसटी ब्रदर्स टाटी को 1-0 गोल से हराया। एकमात्र गोल राम भोगता ने दागा। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जेलेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, जिपस अनुराधा मुंडा, वनमाली मंडल, भारतीय दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मुकेश कंचन, सचिव सरिता सिन्हा ने पुरस्कार वितरण किया। जेलेंद्र कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर की फुटबॉल प्रतिभा को सामने लाने के लिए इस तरह का आयोजन जरूरी है। विजेता टीम को 20 हजार नकद, उपविजेता टीम को 15 हजार नकद व दोनों सेमीफाइनल खेलने वाली टीमों सालहन व हाहे की टीम को 5-5 हजार रुपया नकद सहित ट्रॉफी प्रदान की गई। प्लेयर ऑफ मैच राम भोगता व प्लेयर ऑफ टूनार्मेंट हरातू के पवन करमाली को प्रदान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक रामसाय मुंडा, अध्यक्ष संजय नायक, सचिव विपिन मुंडा, कोषाध्यक्ष संजय महतो, दीपक महतो, मुकेश लोहरा, अरविंद मुंडा, जयराम बेदिया, अघनू पाहन, जलेश महतो, दीपक मुंडा, सुदीप मुंडा, आनंद मुंडा आदि उपस्थित थे।

मारवाडी युवा मंच एवं प्रेरणा शाखा ने चांडक कम्पलेक्श में नगर परिषद के सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाडी युवा मंच एवं प्रेरणा शाखा के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को चांडक कम्पलेक्स स्वच्छता समिति एवं आसपास के 70 घरों में डोर टू डोर कुडा उठाव के लिए जागरूक किया। रविवार को सप्ताहिक अवकाश होने के वजह से कैंपस के बच्चों ने जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया और इस दौरान ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया के तहत हाथों में तख्तियॉ लेकर लोगों को जगारूक भी किया। बच्चें तख्तियॉ में हमसब का यही सपना स्वच्छ भारत हो अपना स्वच्छ रहो स्वस्थ रहो एक कदम स्वच्छता की ओर स्वच्छ रहो स्वच्छ बोलो जैसे नारे भी लगा रहे थे। इसमें नायशा छाबडा, सीरत आजमानी, अयांश छाबड़ा, वैदिक चौधरी , लेवेश अग्रवाल, विवान पिलानियॉ, वीयांश गंगवाल, शायशा गंगवाल, नमन सिंह, आरवी संघई सहित अन्य बच्चे उपस्थित थे। मौके पर केएमएसडब्लूएम के प्रवेक्षक अमित सिंह, अजय घोष, श्याम कुमार गुप्ता, सफाई कर्मी सुनील महता चालक सुरज चंद्रवंशी, एवं नगरपालिका के वार्ड 9 के सुपरवाइजर लोकेश कुमार, जेसीबी ऑपरेटर मनोज कुमार यादव, पर्यावरण मित्र सुनीता देवी, मनीषा देवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर मंच के अध्यक्ष राहुल जैन ने कहा कि सफाई मित्र अभियान के असली नायक होते हैं। इंदौर जैसे शहर को स्वच्छ बनाने की इच्छा के लिए बधाई दी और इसी तर्ज पर कोडरमा डीसी ऋतुराज, एसडीओ रिया सिंह, झुमरी तिलैया नगर परिषद के प्रशासक अंकित गुप्ता, सीटी मैनेजर लिमांशु कुमार, रंधीर कुमार के द्वारा चांडक कम्पलेक्स को पायलट प्रोजेक्ट तहत इसको चुने जाने और वर्तमान समय में प्रतिदिन डोर टू डोर घरों से कलेक्शन करना सप्ताह में दो दिन झाडु लगाना सहित स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए मिशाल कायम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार वो समाज दोनों के योगदान से ही शहर साफ सुथरा बन सकता है। वहीं सचिव अंकित केडिया एवं वार्ड कमिटि 9 के मंच एवं प्रेरणा शाखा के पदाधिकारी व सदस्यों में अरविन्द चौधरी संजय अग्रवाल शशि सेठी दीपक दारूका मोहित संघई शुभम चौधरी, ईशान सेठी, मनीष अग्रवाल, आशाा बजाज, नेहा गंगावाल प्रगति चौधरी, नेहा बजाज प्रियंका अग्रवाल अनु संघई स्वच्छ भारत के सच्चे सिपाही बताया और उनके सम्मान को राष्ट्र के सम्मान बताया । इस तरह के कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम और उनके महत्वपूर्ण कदम जो उनके अनमोल योगदान को रंखांकित करता है। बाद मे परिसर में पौधा रोपण भी किया गया। जिसमें मारवाड़ी युवा मंच को गैबीएन संजय बजाज बजाज मेडिकल एवं विनीत स्पोर्ट्स अकादमी के सहायता से उपलब्ध कराई गयी। मौके के मंच के कोषाध्यक्ष राहुल चौधरी, रौनक काशलीवाल, सौरभ जैन, विकास जैन, नवीन जैन, आरडी सिंह, नरेश जैन, प्रदीप हिसारिया, पंकज पुगलिया, राजू शर्मा, मिंटू बजाज, सौरव जैन लुहाड़िया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भुइयासिनान में सड़क दुर्घटना में दो बाइक सवार घायल

पटमदा : बोड़ाम थाना क्षेत्र के भुइयासिनान कैंप के पास दो विपरीत दिशा से आ रहे दो बाइक सवार के बीच जोरदार टक्कर होने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं ।दोनों की बाइक भी आमने सामने की भिड़ंत के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है ।स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को एमजीएम इलाज के लिए भेजा गया। ग्रामीणों ने जानकारी दी कि एक बाइक पटमदा और दूसरी बाइक टाटा के तरफ से तेज रफ्तार पर आ रहे थे।

बोड़ाम ने चाकुलिया को 1 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

पटमदा : रोमांचक मैच में झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित 18वीं विजय बोस मेमोरियल पूर्वी सिंहभूम ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का मैच रविवार को बहरागोड़ा के वीणापानी स्टेडियम में चाकुलिया और बोड़ाम के बीच मैच खेला गया जो काफी रोमांचक मैच रहा ।चाकुलिया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 29 .2 ओवर में 109 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और बोड़ाम को 30 ओवर में 110 रन का लक्ष्य दिया ।चाकुलिया की ओर से आनंद ने 33 रन और सुशांत ने 21 रन बनाए ।बोड़ाम के गेंदबाज चिन्मय ने तीन, सहदेव और कंचन ने दो -दो विकेट लिए .110 रन का लक्ष्य का पीछा करते हुए बोड़ाम टीम के बल्लेबाज पार्थ गोप 16 रन और कंचन के 13 रन की मदद से 23 .5 ओवर 9 विकेट खो कर 110 रन बनाकर मैच जीत लिया और ग्रुप में तीन मैच जीत कर बोड़ाम टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया । चाकुलिया के गेंदबाज आनंद ने चार विकेट और श्याम ने दो विकेट लिए. मैच के अंपायर देवरंजन सेनापति और शंकर पॉल व स्कोरर मनोज पाठक थे। 8 दिसंबर को बहरागोड़ा के वीणापानी स्टेडियम में पटमदा(ए) बनाम काशीडीह (ए)के बीच मैच खेला जाएगा।

टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा के निधन पर रघुवर दास ने व्यक्त की गहरी शोक संवेदना

जमशेदपुर : टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा का रविवार को अचानक निधन हो गया। लगभग 55 वर्ष की आयु में उनके इस असामयिक निधन से उद्योग जगत, टाटा स्टील और जमशेदपुर शहर में शोक की लहर है। ऋतुराज सिन्हा के निधन पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास ने गहरा दु :ख व्यक्त करते हुए कहा कि ऋतुराज सिन्हा जमशेदपुर के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा चिंतित और सजग रहते थे। मिलनसार व्यक्तित्व के धनी ऋतुराज सिन्हा ने हमेशा शहर के विकास को प्राथमिकता दी। उनका यूं असमय चले जाना टाटा स्टील एवं पूरे शहर के लिए बहुत बड़ी क्षति है। कहा कि जमशेदपुर एवं टाटा स्टील ने एक दूरदर्शी अधिकारी को खो दिया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा के शांति की प्रार्थना की है।

रेलवे संपत्ति चोरी करते रंगे हाथों गिरफ्तार, पश्चिम बंगाल का युवक हजारीबाग रोड स्टेशन के पास धराया

सरिया : रेलवे की संपत्ति चोरी करने के आरोप में आरपीएफ ने शनिवार को एक युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने खुद कबूल किया कि उसने पहली बार लालच में आकर रेलवे का सामान चुराया है। आरपीएफ हजारीबाग रोड के उ0नि0 लखनदेव सिंह, प्रधान आरक्षी प्रमोद कुमार सिंह एवं महिला आरक्षी सुस्मिता रानी शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गुड्स शेड प्लेटफॉर्म की तरफ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर कबाड़ का सामान लेकर TRD ऑफिस की तरफ जा रहा है। शक होने पर जब उसे रोका गया तो उसने अपना नाम साजन विश्वास, पिता मोहन विश्वास, मूल पता– बंदाखोला, थाना– नाकासिपारा, जिला– नदिया बताया। वर्तमान में वह कांदू टोला, बगोदर में रह रहा है। मोटरसाइकिल पर लदे कबाड़ की तलाशी लेने पर उसमें से बरामद हुआ :रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के 04 अदद पेंड्रोल क्लिप 04 अदद फिश प्लेट के नट सिग्नल विभाग के सिग्नल पोल पर चढ़ने वाली लोहे की सीढ़ी के 02 टुकड़े पूछताछ में साजन विश्वास ने कबूल किया कि उसने ये सभी सामान हजारीबाग रोड स्टेशन के आगे से चोरी किए थे और इन्हें बेचने की नीयत से ले जा रहा था। उसने खुद को बेरोजगार और गरीब बताते हुए माफी मांगी तथा कहा कि उसने इससे पहले कभी रेलवे सामान की चोरी नहीं की ।आरपीएफ ने स्वतंत्र गवाह मुकेश यादव की मौजूदगी में सभी सामान व मोटरसाइकिल को जप्त कर लिया। जप्त रेलवे संपत्ति की अनुमानित कीमत 450 रुपये आंकी गई है। साजन विश्वास को दोपहर 2 :50 बजे गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पिता मोहन विश्वास को इसकी सूचना दे दी गई।

सिल्ली में झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने किया बैठक

सिल्ली : राज्य सरकार इन दिनों वित्तीय संकट के दौर से गुजर रहा है। छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पा रही है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा छात्रों के मांगों को लेकर सड़क पर आंदोलन कर रहे हैं। रविवार को सिल्ली कालेज पानी टंकी के सामने छात्रों के मांगों को मजबूत करने के लिए कृष्णा महतो के अध्यक्षता में एक बैठक रखा गया जिसमें 9 दिसंबर को राजधानी में पदयात्रा करते हुए विधानसभा के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस बैठक में खुदीराम महतो, सुखदेव, राजकिशोर, चैतन्य,जाखीर खान, हरेकृष्णा, मलिगा, गोद्दाधर, ठाकुर दास, रामसाय, बिष्णु चरण, देवेन्द्र नाथ, राजेन्द्र, श्रीपद, संजीव, सिद्दाम आदि मौजूद थे। इसकी जानकारी चण्डी प्रसाद महतो ने दी।

डॉ. आम्बेडकर और आर्य आक्रमण का झूठ

सम्प्रति राष्ट्र डॉ. आम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बी.आर. आम्बेडकर वास्तव में भारत रत्न हैं। प्रख्यात मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्वमान श्रीमान है। प्रखर राष्ट्रवादी हैं।

डॉ. आम्बेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे। वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित सम्पूर्ण प्राचीन भारतीय वाङ्मय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रन्थ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों का अलग नस्ल बताने वाली नेतागीरी का प्रतिकार किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बहुचर्चित "आर्य आक्रमण के सिद्धांत" का प्रतिकार किया। भारतीय इतिहास बोध के प्रेमी उनके ऋणी रहेंगे।

राजनीति ने "जाति और शूद्र" को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आम्बेडकर ने लिखा, "यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में है। आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है। फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है।" (डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर राइटिंग्स एण्ड स्पीचेस खण्ड 7 पृष्ठ 420) आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है। डॉ. आम्बेडकर की पुस्तक "हू वेयर शूद्राज" (शूद्र कौन थे?) (1946) पठनीय है। उन्होंने एक विद्वान अधिवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिये हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है। उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाई - 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे। 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था। 3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यों से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यो ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की। 6. दस और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी। इसलिए उन्होंने चातुर्वर्ण्य का निर्माण किया। इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वही, खण्ड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिन्दुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया। ऋग्वेद के उद्धरण दिये और लिखा "इन (शब्दों) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए।" (वही पृष्ठ 70) वे आर्यों को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं "जहाँ तक वैदिक साहित्य का सम्बन्ध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यों का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था।" (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे। डॉ. आम्बेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिये और लिखा, "आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।" डॉ. अम्बेडकर की स्थापना है इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यो में रंगभेद की भावना नहीं थी।

ईमानदारी और निर्भयता से जीना क्या इतना कष्टप्रद हो रहा?

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

जब कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार करता है तब वह केवल अपना स्वार्थ साबित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य का हक अनुचित तरीके से छिनता है, देश के विकास और सुव्यवस्था में अड़चने पैदा करता है, समाज में अपराध के बीज बोता है, साथ ही अन्याय करके पीड़ितों के सपनों को कुचलता है, जिसका असर संपूर्ण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, भ्रष्टाचार के कारण कई बार पूरे समाज को दशकों तक दुःख-दर्द झेलना पड़ता हैं। भ्रष्टाचार के कारण असंख्य मासूम जिंदगियां बर्बाद हो जाती है, संघर्षमय जीवन का चक्र अतितीव्र होते जाता हैं। सभी नागरिकों को विकसित होने का मौका मिलता है, समाज के हर वर्ग को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार प्रयत्नशील रहती हैं। कानून और सरकारी यंत्रणा इसके मजबूत स्तंभ है, जो हर पायदान पर नागरिकों के अधिकारों, सरकारी कार्यों एवं उपक्रमों का योग्य क्रियान्वयन कर विकास की नित नई कहानी लिखते हैं। अगर इस सुशासन में एक भी कड़ी अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ कर खुद के स्वार्थ के लिए कार्य करने लगे तो, संबंधित अनेक विभागों के लिए वह नासूर का काम करता है और धीरे-धीरे पूरे विभाग को खोखला कर देता हैं। ऐसा भ्रष्ट सरकारी कर्मचारी या पदाधिकारी समाज, सरकार, देश और समस्त मानवजाती का दुश्मन होता हैं। बहुत बार खबरों में देश के कई मामूली सरकारी कर्मचारी, नेता धनकुबेर जैसे अरबों का धन छुपाये बैठे है, ऐसा पता चलता हैं। हमारा समाज और हम आधुनिकता का दम भरने वाले निकृष्ट सोच वाली विचारधारा के लोग किस विश्वसनीयता के स्तर पर आ गए है? मौलिकता, नैतिकता, सहजता, जागरूकता, नीतिमत्ता, निस्वार्थता, परोपकारिता, संस्कारशीलता, ईमानदारी को छोड़कर बुराई, कपट और स्वार्थ प्रवृत्ति को तेजी से अपना रहे हैं। लोगों की सोच ऐसी बन गई है कि, अनुचित कार्य या अपराध होने पर भी लोग अपराधी का पक्ष लेने के लिए उतारू हो जाते हैं। कुछ दिन पूर्व मैं एक शख्स से मिला, उस शख्स ने पैसे को लेकर अपने विचार मुझसे साझा किये, उन्होंने कहा कि, पैसा ही भगवान है, पैसा ही सब कुछ है, चाहे वह किसी भी मार्ग से आये, पैसे से इज्जत, शोहरत, नाम होता है, हर चीज खरीद सकते है, हर कोई अपने स्वार्थ के लिए जी रहा है, तो हम क्यों ईमानदारी दिखाए? कोई नहीं पूछता कि पैसा किस मार्ग से कमाया, पैसे के लिए अपराध करों, जेल जाओ, सजा भुगतो, लेकिन पैसा आने के बाद लोग आपके अपराध भी भूल जाते है, उन्हें सिर्फ पैसा दिखाई देता हैं। लोगों की इतनी खराब सोच तो सीधे-सीधे देश में कानून व्यवस्था को झुठलाकर अपराधीकरण को बढ़ावा देनेवाली है, ऐसे में तो हर ओर जंगलराज स्थापित होगा। आज देश में इस प्रकार के विचारधारा के लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही हैं। देश में हम कई बार देखते है कि चुनाव में संगीन गुनाहों के अपराधी उम्मीदवार को भी जनता चुनकर लाती है और दूसरी ओर उच्च शिक्षित निरपराध ईमानदार समाजसेवी उम्मीदवार की जमानत भी जप्त हो जाती हैं।

हमारे आसपास समस्याओं का अंबार लगा है, अक्सर भ्रष्टाचार और अनियमितता का बोलबाला हर ओर हम देखते है, अधिकतर लोग बुराई के खिलाफ आवाज उठाना पसंद नहीं करते। सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों की गैर जिम्मेदाराना हरकतों के कारण बहुत बार हादसे भी होते है, जिसमे जान-माल का भारी नुकसान होता हैं। हर साल देखते है कि, पहली बरसात में ही सड़कें सरकारी दावों की पोल खोल देती हैं। अरबों रुपये खर्च करके चलने वाली योजनाएं कुछ समय में ही दम तोड़ देती है, तय समयावधि में काम पुरे नहीं होते और उस कार्य का बजट बढ़ते जाता हैं। देश में आर्थिक विषमता की दूरी लगातार बढ़ ही रही हैं। अपने फायदे के लिए पार्टियां बदलने वाले राजनीतिक नेता दूसरों पर दोष मढ़ते हैं। सरकार के एक भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में देरी अनेक बार मासूमो की जान ले सकती है, भले ही मरने के बाद मृतक के परिवार को थोडासी आर्थिक सहायता दी जाती हो, परंतु मृतक की जान तो लौटकर नहीं आती हैं। हमारे देश में जितने गरीब किसान आत्महत्या करते है उतने किसी भी दूसरे देश में आत्महत्या नहीं करते, इसके मुकाबले कोई भी अन्य पेशेवर व्यवसायी भी इतनी बड़ी संख्या में आत्महत्याएं नहीं करते। चाहे कितने ही घोटाले या आपराधिक गतिविधियों में नाम आ जाए फिर भी देश को चलाने वाले नेता लोग इतना तनाव भी नहीं लेते कि आत्महत्या करनी पड़े।

ईमानदार व्यक्ति के हाथों अनजाने में छोटी सी भूल भी हो जाये तो बहुत पछतावा महसूस करते है, परंतु अनुचित तरीके से लाभ प्राप्त करने वाले भ्रष्ट लोग सुकून से जी कैसे लेते है? लोगों से नजरे मिलाकर स्वाभिमान से बात कैसे कर लेते है? परिवार, रिश्ते, अपनों के सामने आदर्श कैसे स्थापित करते है? क्या लोगों का जमीर मर चुका है? वस्तुएं, सेवाएं, रिश्ते-नाते में भी अब मिलावट नजर आता है, कब कौन धोखा दे जाये, कह नहीं सकते। आत्मसन्मान, इंसानियत, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता, सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिकता का कोई मोल नहीं बचा? लोगों को दुख देकर बदले में हम अपना सुख खरीद नहीं सकते। सुकून भरी नींद, स्वाभाविक खुशी, निस्वार्थ प्रेम, मानसिक शांति और समाधानी मन से बढ़कर जीवन में कुछ अन्य की जरुरत नही है, यही असली आनंद है, जो हमें अपने आचरण द्वारा प्राप्त होता हैं। रोजाना अखबार और समाचार चैनलों पर बड़ी मात्रा में भ्रष्टाचार की खबरे रहती हैं। हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी भ्रष्टाचार का दंश झेलते हुए आगे बढे है, भ्रष्टता सम्पूर्ण व्यवस्था को खत्म करने की ताकत रखती है, अगर इसे सत्ता की ताकत मिल जायें तो उस देश को बबार्दी से कोई नहीं बचा सकता।

लोग जागरूक बनें, अपने अधिकार और कर्तव्य को समझें। इंसान के रूप में जन्म लिया है तो इंसानियत का फर्ज निभाएं। दूसरे का हक छीन कर नहीं बल्कि ईमानदार और परोपकारी की भूमिका निभानी चाहिए। जो व्यक्ति जितने ऊंचे जिम्मेदार पद पर कार्यरत होता है, वह जनता के लिए उतना ही ज्यादा जवाबदेही होता है, जनता उससे नहीं बल्कि उसने जनता से डरना चाहिए, अगर अनुचित कार्य करें तो। जनता अपने कर द्वारा सरकार को आर्थिक ताकत प्रदान करती है, जनता को अधिकार है कि वह जिम्मेदार अधिकारी या नेताओ को उत्तर मांगे। अपराधी और अनुचित कार्य करने वाले लोग डरकर रहना चाहिए ना कि सभ्य और ईमानदार लोग डर-डर कर जियें। भ्रष्टाचार करनेवाला व्यक्ति तो अपने स्वार्थ के लिए लाभ मांगता है लेकिन लाभ देने वाला व्यक्ति भी अपने स्वार्थ के लिए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता हैं। अगर लाभ देना ही बंद कर दे तो लाभ मांगेगा किससे भ्रष्टाचारी? भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी हर नागरिक ने खुद से ही करनी होगी। अपने देश के लिए भले ही थोड़ी तकलीफ सहनी पड़े, लेकिन देश का आनेवाला भविष्य बेहतर होगा, भावी पीढ़ी को उनका हक मिलेगा। राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर सरकार द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी शाखाएं जनता के मदद के लिए तत्पर है, उनकी मदद लें। हम उनसे ऑनलाइन हेल्पलाइन नंबर, ईमेल आईडी और वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। रिश्वत न दें, न लेने दें, सतर्क रहें। राष्ट्रहित में सहयोग करें।

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में सक्रिय और आवश्यक घटक है।

जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को "ध्रुव तारे की तरह स्थिर" कहा तो वह केवल कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्त्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने "भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030" नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है।

यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली साहसिक पहल भी है। भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। साल 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है।

शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए "फामेर्सी ऑफ द ग्लोब" बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाइयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है।

भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है।

क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पश्चिमी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में "नैरेटिव स्वायत्तता" के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के "आरटी इंडिया" ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी।

इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा क्षेत्र में ब्रह्मोस मिसाइल, सुखोई विमान, एस-400 सिस्टम और नई तकनीकों पर साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि दोनों देशों का सुरक्षा बंधन साझा रणनीतिक विश्वास का परिणाम है। पहलगाम और मॉस्को हमलों के संदर्भ में आतंकवाद विरोधी एकजुटता की घोषणा यह सिद्ध करती है कि भारत और रूस नए खतरों की प्रकृति को समझते हैं और समाधान तलाशने में भी एकमत हैं।

इन सभी आयामों का संकलन बताता है कि भारत-रूस संबंध न तो बीते युग की स्मृति हैं, न ही समीपस्थ हितों की आकस्मिक आवश्यकता। यह रिश्ते का वह मॉडल है, जो विश्वास, समय, भू-राजनीति,तकनीकी क्षमता और साझा दृष्टि के संयोग से निर्मित हुआ है। यह केवल दो राष्ट्रों का गठजोड़ नहीं, दो सभ्यताओं का मार्गदर्शन है। ध्रुव तारे की उपमा इसीलिए सार्थक है क्योंकि ध्रुव तारा केवल चमकता नहीं, दिशा भी देता है। भारत और रूस का संबंध भी दिशा-निर्देशक है, नई विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने वाला, वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को पहचान देने वाला और शक्ति-संतुलन को न्यायपूर्ण बनाने वाला।

साल 2030 का रोडमैप इस संबंध को केवल नई मंजिल की ओर नहीं ले जाता बल्कि दुनिया को संकेत देता है कि भारत अब उस युग में प्रवेश कर रहा है, जहां वह ध्रुवों की संरचना में योगदान देने वाली शक्ति है। रूस इस यात्रा में सहायक नहीं बल्कि सहयात्री है। यही कारण है कि यह रिश्ता आज पहले से अधिक प्रासंगिक है और आने वाले वर्षों में विश्व राजनीति की धुरी बदलने में यह संबंध एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। यह भविष्य के निर्माण का ऐसा दस्तावेज है, जो स्पष्ट करता है कि भारत और रूस किसी तात्कालिक परिस्थिति के सहायक नहीं, बहुध्रुवीय, संतुलित और स्थिर विश्व-व्यवस्था के निर्माता हैं।

सूडोकु नवताल- 7637

★★★ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7636 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

जब शिक्षा अभिभावक के लिए आर्थिक बोझ बन जाए, तब गहन विचार जरूरी है!

युगल किशोर शर्मा

भारत का मध्यम वर्ग हमेशा से अनकहा विश्वास अपने दिल में सँजोए रखता है कि शिक्षा ही उसके बच्चों का भविष्य बदल सकती है। इस वर्ग की पहचान ही इसी उम्मीद से होती रही है कि भले ही आय सीमित हो और खर्च अधिक, किंतु बच्चों की शिक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। पर साल 2025 में सामने आए आंकड़े बता रहे हैं कि जिस शिक्षा को मध्यम वर्ग अब तक अपने सपनों की सबसे सुरक्षित सीढ़ी समझता आया है, वही सीढ़ी इतनी महंगी हो चुकी है कि लाखों परिवार उसके पहले पायदान पर पैर रखने से पूर्व ही हाँफने लगे हैं। हाल ही में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की लिंक्डइन पोस्ट ने इस चिंता को और तेज कर दिया है। पोस्ट में बताया गया कि एक सामान्य, साधारण निजी स्कूल (किसी प्रीमियम इंटरनेशनल संस्था की बात नहीं) में पहली से बारहवीं तक पढ़ाई कराने में कुल खर्च 20 से 22 लाख रुपए तक पहुँच रहा है। यह राशि सिर्फ फीस नहीं है; इसमें किताबें, यूनिफॉर्म, ट्रांसपोर्ट, स्मार्ट-क्लास, ट्यूशन, गैजेट और आजकल हर घर में अनिवार्य बन चुकी ऑनलाइन शिक्षण सामग्री भी शामिल है। दूसरी ओर बात यदि प्रीमियम स्कूलों में किए जानेवाले खर्च की हो तो यह राशि 35 से 40 लाख तक पहुंच रही है।

चर्टर्ड अकाउंटेंट और टीचर मीनल गोयल की इस लिंक्डइन पोस्ट के अनुसार प्राइमरी स्कूल (कक्षा 1-5) से 5.75 लाख रुपए, मिडिल स्कूल (कक्षा 6-8) से 5.9 लाख रुपए तथा हाई स्कूल (कक्षा 9-12) तक में 9.2 लाख रुपए, इस तरह से कुल खर्चः 20 से 22 लाख रुपए तक हो जाता है। यह एक ऐसा ग्राफ है जो हर साल ऊपर चढ़ रहा है और उस पर मध्यम वर्ग की कमाई का ग्राफ कहीं नीचे ठहर गया है। ऐसे में स्वाभाविक है कि चिंताएँ बढ़ेंगी।

इन चिंताओं को राष्ट्रीय सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की साल 2024 की रिपोर्ट और भी वैधता देती है। रिपोर्ट कहती है कि पिछले दस वर्षों में शहरी निजी स्कूलों की फीस में 169 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि सामान्य महंगाई दर से तो ऊपर है ही औसत वेतन वृद्धि को भी कई गुना पीछे छोड़ देती है। जब आय बढ़ने की रफ्तार 5 से 7 प्रतिशत हो और स्कूल फीस बढ़ने की रफ्तार 15 से 25 प्रतिशत तक पहुंच जाए तब इसका सीधा अर्थ है कि मध्यम वर्ग की आर्थिक नींव लगातार कमजोर होती जाएगी, जिसका कारण कहीं न कहीं अभिभावक का अपने बच्चों की पढ़ाई पर उठाया जा रहा व्यय है।

दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद में स्थिति और भी गंभीर है। कई अभिभावक बताते हैं कि स्कूल हर साल 10 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ा रहे हैं, जबकि कई स्कूलों ने 25 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी है। दिल्ली सरकार ने निजी स्कूल फीस को नियंत्रित करने के लिए कई नियम बनाए, किंतु विद्यालयों ने उससे बचने के नए रास्ते निकाल लिए डेवलपमेंट फीस, इंफ्रास्ट्रक्चर फीस, एक्टिविटी फीस, टेक्नोलॉजी फीस, स्मार्ट-क्लास चार्ज और न जाने कितने नए नाम से धनराशि वसूली जा रही है। अभिभावक कहते हैं कि फीस कम हो भी जाए तो स्कूल अन्य शुल्क बढ़ा देता है, जिससे कुल राशि पहले से अधिक ही हो जाती है। कई बार तो ऐसा लगता है कि स्कूल बच्चों को पढ़ाने से ज्यादा सुविधाओं के नाम पर आय बढ़ाने में रुचि रखते हैं, जिन सुविधाओं का वास्तविक लाभ बच्चों तक पहुँच भी नहीं पाता।

सबसे चिंताजनक स्थिति उन परिवारों की है जिन्हें कभी कल्पना भी नहीं थी कि उन्हें बच्चों की स्कूलिंग के लिए कर्ज लेना पड़ेगा, लेकिन आज यह वास्तविकता बन चुकी है। कई अभिभावक अपनी आय का 30 से 40 प्रतिशत सिर्फ स्कूल की फीस चुकाने में खर्च कर देते हैं। बाकी पैसा घर का किराया, मेडिकल खर्च और जरूरी चीजों में समेटना पड़ता है। कुछ परिवार अपनी जीवनशैली में बड़ी कटौतियाँ करने को मजबूर हो गए हैं; मनोरंजन, यात्राएँ, बचत, सबकुछ शिक्षा के नाम पर स्थगित कर दिया गया है। यहाँ तक कि ऐसे भी परिवार मिल रहे हैं जो बच्चों को स्कूल न भेजने या अपेक्षाकृत सस्ते विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। शिक्षा का महत्व उनके लिए कम नहीं हुआ लेकिन उसकी लागत अब उनकी ताकत से बाहर निकलने लगी है।

यह स्थिति उस बिंदु पर पहुँची है जहाँ शिक्षा का सपना अब प्रेरणा नहीं बल्कि बोझ महसूस होने लगा है। ऐसे में स्वभाविक है कि इस आर्थिक दबाव का असर परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। माता-पिता साल भर ‘अगले महीने की फीस’ के तनाव में जीते हैं। यह तनाव बच्चों तक पहुँचता है और घर का वातावरण प्रभावित करता है। चिंता की बात यह है कि यह समस्या सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं है। छोटे शहरों में भी निजी स्कूल फीस लगातार बढ़ा रहे हैं। अंततः सवाल यह है कि यदि शिक्षा एक ऐसा आर्थिक बोझ बन जाए जिसके लिए परिवारों को कर्ज में डूबना पड़े या अपनी बुनियादी जरूरतों में कटौती करनी पड़े, तो इसे शिक्षा का विकास नहीं कहा जा सकता। यह सामाजिक असमानता के बढ़ने का संकेत है। जबकि शिक्षा वह सीढ़ी है जिस पर चढ़कर कोई भी परिवार अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदल सकता है। लेकिन यदि वही सीढ़ी इतनी महंगी हो जाए कि मध्यम वर्ग उसका पहला पायदान भी न छू पाए तो यह परिवारों के लिए ही नहीं देश के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है।

अतः इस संबंध में अब यह आवश्यक हो गया है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें, भारत के नीति निमार्ता, शिक्षा विशेषज्ञ और समाज मिलकर यह सोचे कि शिक्षा को कैसे फिर से उसके मूल स्वरूप में लौटाया जाए, जहां वह सभी के लिए समान रूप से अपनी योग्यता और आर्थिक क्षमता के अनुसार सुलभ, समावेशी और सभी के लिए समान रूप से देने के लिए उपलब्ध हो सके। क्योंकि यदि शिक्षा ही हाथ से निकल जाए तो भविष्य का सपना भी धीरे-धीरे खोने लगता है। ऐसे में स्वभाविक तौर पर भारत के प्रत्येक मध्यमवर्गीय परिवार की ये गहरी चिंता है, जिसका समाधान हर हाल में निकलना चाहिए।

दैनिक पंचांग

8 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

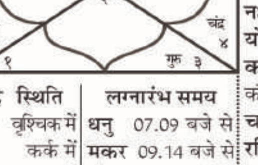

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.09 बजे से
चंद्र	कर्क में	मकर	09.14 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	11.01 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	14.04 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.44 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.42 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.56 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.12 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कन्या	00.24 बजे से
		तुला	02.34 बजे से
		वृश्चिक	04.49 ब.से

सोमवार 2025 वर्ष का 342 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 16.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 02.53 बजे रात्र को समाप्त।
योग ब्रह्म 17.02 बजे को समाप्त।
करण बालव 16.04 बजे तदनन्तर कौलव 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872552
जूलियन दिन 2461017.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 16

दिन का चौघड़िया

अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक

रात का चौघड़िया

चर	05.43 से	07.14 बजे तक
रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
काल	08.45 से	10.17 बजे तक
लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ढुलू महतो ने बोकारो में सांसद खेल महोत्सव का किया ऐलान

बोकारो : धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने बोकारो परिसदन में प्रेस से बातचीत के दौरान बताया कि 14 दिसंबर से बोकारो और धनबाद में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। बोकारो में यह कार्यक्रम कुमार मंगलम स्टेडियम से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इस खेल महोत्सव में क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, मैराथन दौड़, जुडो, चैस, बास्केटबॉल और आर्चरी सहित कई खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सांसद महतो ने कहा कि यह खेल महोत्सव देश के कई हिस्सों में जारी है, और यहां के बच्चों के लिए यह प्रतियोगिताएं खेल प्रतिभा को निखारने का एक मजबूत मंच साबित होंगी। ढुलू महतो ने कहा कि इस पहल से नई प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी और वे खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और बच्चों से इस महोत्सव में अधिक से अधिक भाग लेने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष जयदेव राय, खेल महोत्सव संयोजक एंजेला सिंह, मंटु राय, अजय सिंह, अमर स्वर्णकार, ब्रज दुबे, लालजीत महतो, भानु प्रताप सिंह, अरविंद दुबे, विकास माहथा, अमजद, मनोज कुमार, बंकिम, राजीव, मृत्युंजय सहित सभी खेल एसोसिएशन के सदस्य भी मौजूद रहे।

जोरिया बस्ती में जुआ अड्डे पर पुलिस का छापा, तीन गिरफ्तार

बोकारो : जोरिया बस्ती, दाँतु में गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार देर शाम कसमार पुलिस ने जुआ अड्डे पर छापामारी कर तीन जुआरियों को दबोच लिया। कांड संख्या 87/2025 के तहत इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी और पु.अ.नि. कुंदन कुमार ने किया।पुलिस के अचानक छापे के वक्त जुआ खेलने वाले करीब दस लोग भागने में सफल हो गए, जबकि तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान राज कुमार नायक (27), रवीन्द्र नायक (26) और कैलाश नायक (40) के रूप में हुई है, जो सभी दाँतु, कसमार के निवासी हैं।छापामारी के दौरान पुलिस ने जुआ स्थल से 2710 रुपये नकद, दो पैक प्लेइंग कार्ड, काला प्लास्टिक, एक टॉर्च और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।इस कार्रवाई में थाना पुलिस के अन्य कर्मचारी स.अ.नि. सत्येन्द्र कुमार, पु.अ.नि. सुंदर हेम्ब्रम एवं अन्य जवान भी शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

जगतकुटीर सहकारिता समिति के सदस्यों ने दिया एक दिवसीय धरना

बोकारो : चीरा चास थाना क्षेत्र के गांधाजोर स्थित रेनबो स्कूल के समीप खाता संख्या 133 की 7.71 एकड़ भूमि को लेकर जगतकुटीर गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारिता समिति के सदस्यों ने रविवार को एक दिवसीय धरना का आयोजन किया। उनकी मांग है कि कागजात अपडेट की जाए ताकि वो अपने जमीन पर निर्माण कार्य प्रारंभ कर पाए। रविवार को समिति के सदस्यों ने विवादित भूमि पर एक दिवसीय धरना देकर प्रशासन से न्याय की मांग की। रविवार सवेरे आठ बजे से प्रारंभ ये धरना संध्या पांच बजे समाप्त हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वो अपनी भूमि पर अपना आशियाना बनाना चाहते हैं। जिसमें प्रशासन और सरकारी महकमा उनकी सहयोग करे। धरना स्थल पर चीरा चास थाना प्रभारी पुष्कर राज पहुंचे और उनको यथा संभव मदद का आश्वासन दिया।उन्होंने धरना को स्थगित करने की बात कही जिसको समिति के सदस्यों ने मान ली।

ईसीएल की वित्तीय तंगी के बीच राजमहल परियोजना में संडे हॉलीडे भुगतान पर रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोड्डा : ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की इकाई राजमहल एरिया में संडे और हॉलीडे भुगतान रोके जाने का मामला तूल पकड़ रहा है। परियोजना प्रबंधन ने इसे बढ़ते वित्तीय दबाव और कार्य-कुशलता में गिरावट से जुड़ा निर्णय बताया है, जबकि मजदूर पक्ष समान नीति लागू करने की मांग पर अड़ा हुआ है। परियोजना के अधिकारियों के अनुसार राजमहल के कुल खर्च का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा मजदूरों पर होने वाले वेतन व्यय में जाता है, जिसे नियंत्रित करना अब चुनौती बन गया है। इसी कारण प्रबंधन ने कई स्तरों पर खर्च में कटौती की मुहिम शुरू की है। अधिकारियों के वाहनों में डीजल की कटौती, कैंटीन तक डंपर ले जाने पर रोक लगा कर

सभी के लिए बस सुविधा अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में संडे और हॉलीडे भुगतान पर भी सीमित नियंत्रण लागू किया गया है। इसके साथ ही कुछ संवेदकों का भुगतान दशहरा के बाद से लंबित है और सीएचपी के मजदूरों के अतिरिक्त भुगतान का बोझ भी परियोजना पर बना हुआ है। ईसीएल के कुल उत्पादन और कामगार संरचना पर नजर डालें तो विरोधाभास साफ दिखता है। संपूर्ण ईसीएल में प्रतिदिन एक लाख 68 हजार टन कोयले का उत्पादन होता है, जिसमें अकेले राजमहल और सोनपुरझबजारी क्षेत्र करीब एक लाख टन का योगदान दे रहे हैं। इसके बावजूद पूरे ईसीएल के 46 हजार मजदूरों में से राजमहल क्षेत्र में मात्र 2 हजार मजदूर कार्यरत हैं। अधिकारियों का कहना है कि कुल कर्मियों में से केवल 10 प्रतिशत कर्मचारी ही संडे-हॉलीडे के योग्य हैं, जबकि 650 जनरल असिस्टेंट और 285 महिला कर्मियों की कार्य-कुशलता के आधार पर उन्हें विशेष सुविधा देना या न देना व्यावहारिक रूप से कठिन है। स्थानीय मजदूर नेताओं के दबाव के चलते कई बार इन सुविधाओं का समान रूप से वितरण करना पड़ता है। वित्तीय स्थिति की बात करें तो राजमहल क्षेत्र में संडेझहॉलीडे भुगतान के लिए 28 करोड़ रुपये का अलग प्रावधान किया गया था, जिसमें नवंबर के अंत तक 27 करोड़ रूपए खर्च हो चुका है। सूत्रों के अनुसार राजस्व के मामले में बेहतर माने जाने वाले सोनपुरझबजारी क्षेत्र में भी संडेझहॉलीडे भुगतान सीमित रूप से ही दिया जा रहा है। परियोजना के डिपार्टमेंटल उत्पादन में लगातार गिरावट भी प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है। वार्षिक 26 हजार क्यूबिक मीटर ओबी रिमूवल लक्ष्य के विरुद्ध महज 45 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज हुई है और कुल उत्पादन में विभागीय मजदूरों का योगदान केवल सात प्रतिशत है, जिसे प्रबंधन अतिरिक्त भुगतान के प्रतिकूल बता रहा है। दूसरी ओर कामगारों का आरोप है कि यदि संडे-हॉलीडे रोका जा रहा है तो इसे सभी पर समान रूप से लागू किया जाए। प्रबंधन इस मांग को अव्यावहारिक बताते हुए कहता है कि बिजली, पानी और चिकित्सा जैसी आवश्यक सेवाओं में कार्य लेने के कारण संबंधित कर्मचारियों को इन सुविधाओं से वंचित नहीं किया जा सकता।

पलामू सांसद ने जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू के रामगढ़ में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित करने की मांग की गई है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने रविवार को जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव रंजना चोपड़ा को पत्र लिखकर एवं नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन मंत्रालय कक्ष में व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर आग्रह किया है। सांसद ने कहा है कि रामगढ़ प्रखंड में बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोग निवास करते हैं, लेकिन गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा के अभाव में स्थानीय विद्यार्थियों को गंभीर शैक्षिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की स्थापना से न केवल शैक्षणिक अवसरों का विस्तार होगा, बल्कि ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी और

आदिवासी समुदायों के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं, समग्र विकास का वातावरण एवं उत्कृष्ट शैक्षिक परिणाम उपलब्ध कराना है। इसलिए रामगढ़ प्रखंड में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय की स्थापना अत्यंत आवश्यक और समय की मांग है।

टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा का अचानक निधन, कॉरपोरेट जगत में शोक की लहर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : टाटा स्टील की शत-प्रतिशत सहायक कंपनी टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) ऋतुराज सिन्हा का रविवार को अचानक निधन हो गया। करीब 55 वर्षीय सिन्हा अपने आवास पर थे, तभी खून की उल्टी होने से उनकी तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई। परिजन उन्हें आनन-फानन में टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की पुष्टि टाटा स्टील प्रबंधन ने की है। इस दुखद घटना से टाटा स्टील परिवार और पूरे कॉरपोरेट जगत में शोक की लहर है। मिलनसार और मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी ऋतुराज सिन्हा को उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के कारण टाटा स्टील सहित कई कंपनियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ

सौंपी गई थीं। जमशेदपुर में उनके नेतृत्व में नई नागरिक सुविधाओं और विकासात्मक परियोजनाओं की शुरूआत हुई, जिसने शहर को नए आयाम दिए। वे हाल ही में एक महीने के इलाज के बाद काम पर लौटे थे। उनके अचानक चले जाने से सभी स्तब्ध हैं। टाटा स्टील के अधिकारी, टाटा वर्कर्स यूनियन और टाटा स्टील यूटिलिटीज यूनियन के प्रतिनिधि, परिजन निधन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में टाटा मुख्य अस्पताल पहुंचे और शोक जताया। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने एमडी ऋतुराज सिन्हा के आकस्मिक निधन को ह्रदुःखद एवं मर्मांतकह्न बताया है। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि उनसे अभी काफी उम्मीदें थीं। इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के साथ वे एक कुशल प्रबंधक और जमशेदपुर की जनसुविधा जरूरतों के पर्याय थे। उनके नहीं रहने से शहर में सुधार के प्रयासों को बड़ा धक्का लगा है।

नौकरी की मांग को लेकर आंदोलन उग्र, ब्लास्टिंग करने पहुंचे कर्मियों को ग्रामीणों ने खदेड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

घाटो : सीसीएल हजारीबाग एरिया की केदला उत्खनन परियोजना में शनिवार को पीओ कार्यालय गेट के समक्ष ग्रामीणों ने प्रबंधन के विरोध में धरना दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। इससे पहले ब्लास्टिंग करने के लिए भेजी गई मशीन को ग्रामीणों ने रोक दिया। ग्रामीणों ने कर्मियों को खदेड़ दिया। इसके बाद केदला, इचाकड़ीह व नवाडीह के ग्रामीणों ने धरना दिया। इस मौके पर जेएलकेएम के मांडू विधानसभा प्रभारी बिहारी महतो ने बताया कि केदला उत्खनन परियोजना का न्यू पैच केदला, नवाडीह गांव की जमीन पर चल रहा है। यहां मेरी भी जमीन है। उस जमीन पर सीसीएल केदला उत्खनन प्रबंधन

की नजर है। इस मामले में नौकरी की मांग करते-करते मेरे चाचा अशोक महतो की मृत्यु हो गई। अधिकार के लिए केओसीपी खदान का काम बंद करा दिया गया है और ग्रामीणों के साथ पीओ कार्यालय का गेट जाम कर धरना पर बैठे हैं। जब तक उच्च अधिकारियों के साथ वार्ता नहीं होगी, तब तक धरना जारी रहेगा वहीं पीओ एसके त्रिवेदी ने बताया कि शनिवार को कुछ लोग ऑफिस में घुसे और मैनेजर, जयकांत और सर्वेयर अनिल मिश्रा के साथ बदसलूकी की है। मौके पर जेएलकेएम की महिला नेत्री रूपा महतो,नरेश महतो, उमेश रजवार, राजू रजवार, रेखा देवी, सुनीता देवी, पूर्णिमा देवी समेत कई मौजूद थे।

वाहन चेकिंग अभियान में कार चालक पिस्टल के साथ गिरफ्तार, दो फरार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू के विश्रामपुर थाना पुलिस ने तोलरा-लालगढ़ मुख्य मार्ग पर एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक कार सवार युवक को पिस्टल और गोली के साथ गिरफ्तार

किया है। दो मौके से भागने में सफल रहे। जिले की एसपी रिष्मा रमेशन ने रविवार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी यह जानकारी। पुलिस के अनुसार छह दिसंबर को हर दिन की तरह तोलरा-लालगढ़ मुख्य मार्ग पर एंटी क्राइम वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में रात 10:40 पर तोलरा की ओर से आ रही एक उजले रंग की कार पुलिस टीम को देखकर वापस उसी दिशा में भागने की कोशिश करने लगी। पुलिस कर्मियों ने दौड़कर कार को रोका, लेकिन उससे पहले ही ड्राइवर सीट के बगल में एवं पीछे बैठे एक-एक व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। ड्राइवर सीट पर बैठे व्यक्ति की संदेह के आधार पर तलाशी ली गई तो उसकी कमर से एक पिस्तौल बरामद हुई। उसकी पहचान गुंजन मिश्रा के रूप में हुई। वह विश्रामपुर के नौगढा ओपी के ग्राम अमवा का रहने वाला है, जबकि फरार लोगों की पहचान अमवा के रोहित मिश्रा उर्फ छोटू मिश्रा एवं नौगढा के गुप्तेश्वर सिंह उर्फ गुप्ता सिंह के रूप में हुई है। पुलिस पूरे मामले में अनुसंधान कर रही है। रविवार को पिस्टल के साथ गिरफ्तार गुंजन मिश्रा को न्यायिक में भेज दिया गया।

जेकेएआई झारखंड की सीनियर ब्राउन बेल्ट कराटे ग्रेडिंग परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला में रविवार को जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जेकेएआई) झारखंड, पश्चिमी सिंहभूम के तहत संचालित चाईबासा ब्रांच की सीनियर ब्राउन बेल्ट कराटे ग्रेडिंग परीक्षा संत जेवियर कल्याण केंद्र के कम्युनिटी हॉल में उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान किहोन, काता, कुमीते, शारीरिक क्षमता और मौखिक परीक्षा के आधार पर प्रतिभागियों का आकलन किया गया। ग्रेडिंग प्रक्रिया का संचालन जेकेएआई झारखंड के अध्यक्ष एवं मुख्य कराटे प्रशिक्षक सेंसाई पंकज कुमार सिंह (ब्लैक बेल्ट 6वीं डॉन, जापान) ने किया। परीक्षा को

सुचारू रूप से सम्पन्न कराने में सेंसाई निरंजन कुमार दास और सेंपाई अंशु विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा। लगभग 32 कराटेकारों ने विभिन्न स्कूलों का प्रतिनिधित्व करते हुए परीक्षा में हिस्सा लिया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में स्नेहा सोय, श्रेयसी कुंकल और सोनी मछुवा शामिल रहीं। प्रतिभागी स्कूलों में संत जेवियर कल्याण केंद्र चाईबासा, संत जेवियर बालक विद्यालय, संत जेवियर लुपंगुटू, संत जेवियर इंग्लिश स्कूल, डीएवी स्कूल और संत विवेका स्कूल शामिल थे। ग्रेडिंग में तृतीय क्यू ब्राउन बेल्ट के लिए हेम जामुदा, परिधि बोयपाई, दिव्यानी तिरिया, सलोनी मुंडरी, लक्ष्मी हेंब्रम समेत कुल 21 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए। द्वितीय क्यू ब्राउन बेल्ट में गौरव महतो, हर्षिता बिरूली, निर्मला हेंब्रम और वैदिका सहाय सफल रहीं। प्रथम क्यू ब्राउन बेल्ट प्राप्त करने वालों में रूबेन हेरेंज, स्नेहा सोय, प्रेम बिरुवा, लॉरेंस पूर्ति और आफसिन फातिमा शामिल रहे। जूनियर कलर बेल्ट श्रेणी में पंकज पाड़िया, अमृता मुखी, अमृत मुखी, स्नेहा प्रजापति, देवेश राम प्रजापति और जीत सवैंया ने सफलता हासिल की। जेकेएआई झारखंड के अध्यक्ष सह मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई पंकज कुमार सिंह ने परीक्षा के सफल आयोजन की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

पतरातू-सांकुल रोड पर पानी बहाने और अतिक्रमण हटाने को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

पतरातू : पतरातू सांकुल रोड़ में हर समय पानी बहाने और रोड़ अतिक्रमण को हटाने को लेकर ग्रामीणों ने आज बैठक की। इसमें दो पंचायत के लोगएकत्रित होकर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान भी चलाया। इसमें पतरातू और सांकुल पंचायत के लोग शामिल हुए। अभियान में सांकुल पंचायत के मुखिया सुमन भारती, पतरातू पंचायत के मुखिया गिरजेश कुमार सहित दोनों पंचायत क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद थे। जिन्होंने पतरातु – सांकुल रोड़ में हर समय गंदा पानी बहाने और रोड का अतिक्रमण करने का विरोध किया। साथ ही अतिक्रमण करने वाले लोगों से अतिक्रमण हटाने का अपील किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस रोड में हर समय पानी बहाने पर रोक लगाने, अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाने, नाली का निर्माण करने और खराब हुए सड़क को पुन: बनाने के लिए प्रखंड और जिला प्रशासन से आग्रह करते हुए आवेदन किया जाएगा। मौके पर दर्जनों लोग शामिल थे।

झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ ने सांसद कालीचरण मुंडा को सौंपा ज्ञापन

खूंटी : झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ जिला इकाई खूंटी के पदाधिकारियों ने रविवार को जिलाध्यक्ष सह राज्य संगठन मंत्री संजय कुमार पाठक के नेतृत्व में खूंटी लोकसभा के सांसद कालीचरण मुंडा से मुलाकात कर महत्वपूर्ण मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को ज्ञापन सौंपते हुए सर्वोच्च न्यायालय की ओर से एक सितंबर 2025 को सिविल अपील (संख्या 1385/2025) में दिए गए निर्णय पर चिंता जताई। संघ के जिलाध्यक्ष पाठक ने बताया कि इस निर्णय से केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के शिक्षकों की सेवा, सुरक्षा, आजीविका और पदोन्नति पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति शिक्षकों के मनोबल को कमजोर करने के साथ–साथ विद्यालय शिक्षा की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इस संदर्भ में संघ ने सांसद से अनुरोध किया कि वे केंद्र सरकार एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री से पहल कर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को केवल भविष्यलक्षी रूप से लागू करने का आग्रह करें। ताकि एनसीटीई की 23 अगस्त 2010 की अधिसूचना और आरटीई लागू होने से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों का दर्जा विधिक रूप से सुरक्षित रह सके। संजय कुमार पाठक ने कहा कि कई राज्यों के शिक्षक भी इस निर्णय से प्रभावित हैं। उन्हें विश्वास है कि सांसद शिक्षकों की आवाज बनकर संसद और उपयुक्त मंचों पर इस मुद्दे को मजबूती से उठाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में बुड़न सिंह मुंडा, गौरांग मुंडा, जीता मिंज, सुखनाथ होरो, रविन्द्र मुंडा, रामसहाय मुंडा, ओमप्रकाश मुंडा सहित कई शिक्षक शामिल थे।

मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी की शिकायत, पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने आरोपों से किया इंकार

पूर्वी सिंहभूम : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के लिए कथित रूप से अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने की शिकायत पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां के खिलाफ सीतारामडेरा थाना में शनिवार की रात दर्ज कराई गई है, वहीं रविवार को पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने साफ कहा है कि उन्होंने मुख्यमंत्री को नहीं बल्कि व्यवस्था को लेकर बयान दिया था। शिकायत के बाद पुलिस एफआइआर दर्ज करने की प्रक्रिया में जुट गई है। झामुमो के केंद्रीय सदस्य प्रमोद लाल ने थाने में लिखित शिकायत दी, जिसमें आरोप है कि 28 नवंबर को आयोजित प्रेस वार्ता में दुलाल भुईयां ने मुख्यमंत्री को शैतान सोरेन कहकर संबोधित किया। प्रमोद लाल ने कहा कि यह टिप्पणी संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है और इससे सामाजिक सद्भाव पर असर पड़ सकता है। इसी आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 352 के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। दूसरी ओर, दुलाल भुईयां ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को नहीं कहा है। उनका कहना है कि संविधान दिवस पर लोगों के घरों को बिना सूचना तोड़े जाने की घटना को लेकर उन्होंने व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए शैतानी हरकत शब्द का प्रयोग किया था, जिसे गलत अर्थ में पेश किया जा रहा है। शिकायत दर्ज कराने के दौरान झारखंड आंदोलनकारी अजय रजक, झामुमो जिला कार्यालय सचिव प्रीतम हेम्ब्रम, पूर्व नगर सचिव गोपाल महतो, सपन रॉय, राजन केवर्त, संदीप चक्रवर्ती, प्रकाश चंद्र झा, केपी सिंह और पिंटू लाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

नो एंट्री मांग को लेकर पहुंचे आंदोलनकारियों से मंत्री ने समय देकर नहीं की मुलाकात, निराशा

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला में भारी वाहनों पर नो एंट्री लागू करने की मांग को लेकर आंदोलनरत प्रतिनिधिमंडल रविवार को चाईबासा स्थित विधायक सह परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के कार्यालय पहुंचा, लेकिन निर्धारित समय पर मंत्री के अनुपस्थित रहने से आंदोलनकारियों में नाराजगी देखी गई। आंदोलनकारी ने आरोप लगाया कि मंत्री दीपक बीरुआ ने उनसे मुलाकात करने का समय दिया था और स्वयं नहीं मिले। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल को सुबह 8:30 बजे वार्ता का समय दिया गया था। आंदोलनकारियों के अनुसार वे 9:30 बजे तक कार्यालय में इंतजार करते रहे, जिसके बाद उन्हें यह संदेश दिया गया कि मंत्री अपने गांव में हैं और मुलाकात संभव नहीं है। इसके चलते आंदोलनकारियों ने अपना मांगपत्र मंत्री के सचिव सुभाष बनर्जी को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में सुरेश सोय, रमेश बालमुचू, महेंद्र जामुदा, बमेया बारी, रेयांस सामड, वासिल प्रेम हेंब्रम, बनमाली तमसोय, चंद्र मोहन बिरुवा, संदीप देवगम समेत अन्य आंदोलनकारी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। आंदोलनकारियों ने कहा कि उनकी मांगें जनहित से जुड़ी हैं, इसलिए सरकार को इस पर गंभीरता दिखानी चाहिए। वहीं इस मामले को लेकर मंत्री दीपक बीरुआ की ओर से किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी गई है।

एक नजर

कौड़ीखुटाना पंचायत अंतर्गत ग्रामीणों में फसल बीज का हुआ वितरण

साहिबगंज : जिला क्षेत्र अंतर्गत मंडरो प्रखंड के कौड़ीखुटाना पंचायत अंतर्गत ग्राम रंगुकिता, कमलदाहा तथा हरियाला में रविवार को बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत किसानों के बीच उन्नत किस्म के सरसों पीएम 32, एनएससी बीज का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 147 किसानों को लाभान्वित किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन बढ़ाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। सरसों की उन्नत किस्म पीएम 32, एनएससी किसानों को कम समय में अधिक पैदावार देने के लिए जानी जाती है, जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय किसानों ने सरकार द्वारा संचालित इस योजना की सराहना की और कहा कि समय पर उपलब्ध कराया गया यह बीज रबी मौसम में उनके लिए बेहद लाभदायक साबित होगा। कृषि विभाग के कर्मियों ने किसानों को बीज वितरण के साथ-साथ उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी भी दिया,ताकि किसान वैज्ञानिक पद्धति से खेती कर सकें। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि ऐसी योजनाएँ आगे भी समय-समय पर चलाई जाएंगी।

अज्ञात अपराधियों ने हथियार के दम पर सेवानिवृत रेल कर्मी के घर में किया डकैती

साहिबगंज: मिर्जाचाकी थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधीनगर गांव में सेवानिवृत रेल कर्मी श्याम लाल सिंह के घर में डकैती करने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर मिजाचौकी थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराया गया। वही मामले को लेकर मिजाचौकी पुलिस जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार श्याम लाल सिंह के घर में 7 से 8 बजे के बीच चार पांच की संख्या में अपराधी हथियार लेकर घर में प्रवेश कर गए और हथियार सटाकर डराने लगे। घर में रखे 50 हजार नगद दो फोन बैंक पासबुक कुछ चांदी चैन पायल समेत अन्य जेवर लेकर फरार हो गए। वही अपराधियों ने श्यामलाल व उनके परिवार को धमकी दी कि कहीं भी शिकायत करोगे तो तुम लोगों को नहीं छोड़ेंगे। वहीं उक्त घटना के बाद घर वालों में डर का माहौल बना हुआ है। मिजाचौकी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की सराहनीय पहल, दिव्यांगजनों के बीच कंबल का वितरण

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड में झारखंड राज्य की स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में रविवार को बरहरवा में सामाजिक सहयोग और मानव सेवा का एक अनूठा उदाहरण देखने को मिला। श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, पुरानी धर्मशाला सब्जी मंडी द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर दिव्यांगजनों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में समिति के सदस्यों के साथ-साथ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बरहरवा पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार शामिल हुए। उन्होंने समिति की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में दिव्यांगजन सबसे अधिक सहयोग और संवेदनशीलता के पात्र हैं। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन को प्रेरणादायक बताया और कहा कि सामाजिक संगठनों को आगे आकर ऐसे कार्यों को निरंतर जारी रखना चाहिए। कंबल वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भरी जनसभा में उठाया पाकुड़ के गोपीनाथपुर का मामला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : विगत शनिवार को देवघर में नए जिला कार्यालय का उद्घाटन एवं कार्यकर्ता सम्मलेन में पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भरी सभा में कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए पाकुड़ जिले के विकास, अवैध कारोबार का तेजी से बढ़ना एवं विशेष कर गोपीनाथपुर में घटित घटना एवं घुसपैठियों की चर्चा की। मौके पर उन्होंने कहा कि पाकुड़ जिले में घुसपैठियों का दबदबा है, ये लोग बम खेतों में रखते है। पाकुड़ में लगातार अवैध कारोबार का जाल तेजी से बढ़ता जा रहा है। ज्ञात हो की इस सम्मेलन में पाकुड़ जिले से भी कई भाजपा के अधिकारी एवं सदस्य देवघर पहुंचे थे। वहीं जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री पिंकी मंडल भी देवघर पहुंच कर राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष पाकुड़ की तमाम मुद्दों पर एक ज्ञापन सौंपी। ज्ञापन में श्रीमती मंडल ने पाकुड़ के रेलवे में ट्रेन का स्टॉपेज, नई ट्रेन की मांग, गंगाजल आपूर्ति योजना को जल्द पूरा करने, अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने सहित कानूनी व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। जनसभा में खुला मंच से राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पिंकी मंडल के नाम की चर्चा करते हुए गोपीनाथपुर मामलें को पुनः दोहराया। मौके पर गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्र मंत्री अर्जुन मुंडा, कर्मवीर सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

शोभनपुर भट्ठा में पीडब्ल्यूडी पथ एनएच-80 का विधायक ने किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत साहिबगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम शोभनपुर भट्ठा से तालबन्ना दुर्गा स्थान होते हुए एनएच-80 तक बनने वाली नई पक्की सड़क का शिलान्यास राजमहल विधायक मोहम्मद ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधिवत फीता काटकर किया। इस सड़क का निर्माण 2 करोड़ 45 लाख 63 हजार 385 रुपये की लागत से किया जाएगा। शिलान्यास समारोह के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे, जहां ग्रामीणों ने वर्षों पुरानी सड़क समस्या के समाधान पर विधायक के प्रति आभार जताया। मौके पर विधायक एमटी राजा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य सड़क से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार को भी नई गति देगी। उन्होंने कहा सड़क

निर्माण के बाद ग्रामीणों को बरसात के दिनों में कीचड़ और जर्जर रास्तों की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। इस सड़क के बन जाने से शोभनपुर भट्ठा और आसपास के गांवों को एनएच-80 से सीधा संपर्क मिलेगा, जिससे किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी, मरीजों को अस्पताल पहुंचने में समय की बचत होगी और छात्र-छात्राओं का विद्यालय आना-जाना सुरक्षित व आसान हो सकेगा। वहीं क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क की मांग वर्षों से की जा रही थी, जो अब जाकर पूरी होने जा रही है। सड़क निर्माण को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

संत जेवियर्स उच्च विद्यालय साहिबगंज में 21वां वार्षिक खेलकूद समारोह में शामिल हुए राजमहल विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : संत जेवियर्स उच्च विद्यालय हिन्दी मीडियम साहिबगंज विद्यालय परिसर में रविवार को 21वां वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विद्यालय प्रबंधन की ओर से उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन, मुख्य अतिथि एवं अतिथिगणों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सह झामुमो जिला युवा सचिव मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, साहिबगंज नगर अध्यक्ष आदित्य यादव, वरिष्ठ नेता मो. कलिमुद्दीन समेत कई गणमान्य

अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक एमटी राजा ने कहा खेलकूद न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि इससे अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी निर्माण होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा विद्यालय के शिक्षकों का सराहनीय योगदान बताया। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। आयोजन के सफल संचालन में विद्यालय परिवार की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

डिहारी अनशन पर बैठे जिप उपाध्यक्ष, मांगों का किया समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर प्रखंड के डिहारी, हाजीपुर भिट्ठा, भोहैलिया टोला और पटवर टोला गांव की दर्जनों महिलाएँ बीते 29 नवंबर से अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं। अपनी मांगों को लेकर इन गृहणियों ने राजमहल सांसद से भी हस्तक्षेप की मांग की है, ताकि क्षेत्र के पर्यावरण और कृषि भूमि बचाई जा सके। अब इस मामले जिप उपाध्यक्ष सुनील यादव ने भी समर्थन दिया है। रविवार को सुनील यादव खुद धरना पर बैठ गए। उन्होंने महिलाओं की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि यदि सड़क निर्माण से ग्रामीणों की खेती और जलवायु पर खतरा उत्पन्न हो रहा है तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है।

क्या है मामला

दरअसल यह पूरा मामला सिमिरतला झील, फोरलेन सड़क और प्रस्तावित हवाई अड्डे से बचाने की मांग से जुड़ा है। महिलाएं, पर्यावरण मित्र पंकज कुमार ओझा के चलाए जा रहे बचाव कार्यों के समर्थन में अपनी मांगों को लेकर अनशन कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि सिमिरतला झील को यथाशीघ्र पक्षी अभयारण्य घोषित करने, गौचर जमीन पर हवाई अड्डा न बनाए जाने और फोरलेन सड़क गांव से बाहर गौचर जमीन पर ग्रीनफील्ड कॉरिडोर' पर स्थानांतरित करने की मांग की है। महिलाओं ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रवासी पक्षियों के प्रति सहानुभूति रखती हैं और बिगड़ते पारिस्थितिकी तंत्र तथा प्राकृतिक खेती को लेकर अत्यंत चिंतित हैं। उनका मानना है कि प्रस्तावित विकास परियोजनाएँ न सिर्फ पक्षियों के निवास को, बल्कि उनके गाँव की भूमि और आस-पास की उपजाऊ कृषि भूमि को भी नष्ट कर देंगी।

भूमि पर अवैध कब्जा और जेसीबी से तोड़फोड़, पीड़िता का आरोप-गुंडों के साथ पहुंचकर मकान ध्वस्त किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत भूमि एवं भवन पर अवैध कब्जा करने तथा जेसीबी से तोड़फोड़ करने को लेकर एक मामला प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार सरिता देवी (51), पति भोला महतो, कॉलेज रोड निवासी ने बताया कि भूमि तथा उस पर बने भवन,जिसमें अनेक कमरे एवं दुकानें हैं की विधिवत स्वामिनी 2013 से है। जहां 06 दिसम्बर 2025 को प्रातः 06:00 बजे से 07:00 बजे के बीच, नारायण यादव, पिता राजेश्वर यादव उर्फ पोकन यादव, निवासी समदा, सकरीगली, अपने साथ लगभग 10-12 अज्ञात भाड़े के गुंडों को लेकर आया और उक्त पीड़िता महिला व उनके परिवार को आपराधिक धमकी देते हुए जबरन जेसीबी मशीन से इमारत को तोड़-फोड़ कर ध्वस्त कर दिया। जहां उक्त पीड़िता महिला

ने तालझारी थाना प्रभारी नितीश कुमार पांडेय को फोन कर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने जेसीबी से हो रहे अवैध तोड़फोड़ और नारायण यादव द्वारा की जा रही अवैध गतिविधि को रुकवाया। लेकिन तब तक नारायण यादव दुकान और कमरे को तोड़ चुका था और काफी नुकसान पहुँचा चुका था। उक्त लोगों ने जेसीबी मशीन से उक्त पीड़िता महिला के पक्के मकान, पांच दुकान, कमरा की नींव तोड़ दी, मुख्य गेट तोड़कर उसे टूटे हुए दुकान और कमरों के पास फेक दिया।

न्यायिक अकादमी, रांची द्वारा पाकुड़ में अनुसचिवीय कर्मचारियों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण न्यायालय परिसर में संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में मुख्यालय स्थित व्यवहार न्यायालय के सभागार में रविवार करीब पूर्वाह्न 10 बजे से प्रारंभ होकर शाम 5 बजे तक 7 दिसंबर 2025 को अनुसचिवीय कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण झारखण्ड न्यायिक अकादमी, रांची के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की प्रशासनिक दक्षता और न्यायालयीन कार्य प्रणाली में सटीकता को बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को फौजदारी न्यायालय नियम, दीवानी न्यायालय नियम, दिनचर्या

आदेश, और स्टाम्प रिपोर्टिंग, शुल्क एवं लागत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीन मास्टर ट्रेनर- पुरण मंडल, संतोष कुमार साहा, और संदीप कुमार गुप्ता-ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये तीनों ट्रेनर विशेष रूप से 4 दिसंबर को झारखंड न्यायिक अकादमी, रांची से प्रशिक्षण प्राप्त कर पाकुड़ लौटे थे, जिसके आधार पर उन्होंने स्थानीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। उक्त कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति राघवेंद्र ठाकुर को अपने कार्य के अनुभव को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने कार्यक्रम में पहुंचकर अपना कार्य अनुभवसाझा किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में सटीकता अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि कर्मचारी अपनी गलतियों को कम से कम करें, ऑर्डर शीट को सही तरीके से लिखें और अपने पीठासीन अधिकारियों को सही तारीखों और आवश्यक जानकारी के साथ पूरा सहयोग करें, ताकि न्यायिक कार्य सुचारू रूप से चल सके। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के अलावा, विशाल मांझी , जितेंद्र कुमार गुप्ता, बिनोद कुमार दास, दयानंद उपाध्याय, सुरजू हेंब्रम, अर्जुन कुमार मंडल, जितेंद्र कुमार, इंद्रकांत राय, सबील अहमद, कृष्ण कुमार, किशोर कुमार, रणजीत कुमार, राजकुमार घोष, राजकुमार रविदास, संजय कुमार, ब्रजेश मुंडा, अजीत कुमार झा, जितेंद्र कुमार, संतोष मरांडी, कृष्णकांत झा और जूलियस हेंब्रम सहित कई न्यायिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

कृषि ऋण के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी, एक्शन में पुलिस, बिचौलिया गिरफ्तार

साहिबगंज: जिले में इन-दिनों कृषि ऋण दिलाने के नाम पर ग्रामीण इलाकों के लोगों को बिचौलिया किस्म के लोगों के द्वारा धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा रहा है। वहीं हैरान कर देने वाला मामला जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के पुआल गांव से सामने आया है। जहाँ कृषि ऋण दिलाने के नाम पर आधा दर्जन से अधिक लोगों से धोखाधड़ी कर उनसे मोटी रकम वसूली गई। लोगों ने बिचौलिया को ग्राम प्रधान को सुपुर्द कर दिया जैसे ही इसकी भनक गाँव के बुद्धिजीवी ग्रामीणों को लगी तो उन लोगों ने आरोपित बिचौलिया को पकड़कर ग्राम प्रधान संग्राम सोरेन को सुपुर्द कर दिया।जिसके बाद ग्राम प्रधान ने उसे बोरियो थाना पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं ग्रामीण श्यामू हेंब्रम, मंझली सोरेन, मंगल मरांडी, टेरेसा मरांडी, मरांग मय सोरेन, डुला टुडू, उर्मिला मुर्मू, झोंकड़ मुर्मू और सिदो सोरेन ने बताया कि बिचौलिया ने 18 हजार रुपए का कृषि ऋण दिलाने और उसकी राशि को आधा-आधा बांटने का लालच दिया था,साथ ही ऋण पूरी तरह माफ होने की बात कहकर ग्रामीणों को झांसे में लिया गया। पढे कैसे हुआ खुलासा इसका बड़ा खुलासा तब हुआ जब तीन दिसंबर की शाम करीब 6 बजे एसबीआई से आए मोबाइल मैसेज में खाते में 55,692 रुपए जमा होने और 53 हजार रुपए निकासी की जानकारी मिली, जबकि लाभुकों को केवल 7,500 रुपए दिए गए थे। ठगी बैंक कर्मी और बिचौलिया की मिलीभगत से ही हुई हैदरअसल ग्रामीणों का आरोप है कि यह ठगी बैंक कर्मी और बिचौलिया की मिलीभगत से ही हुई है।

बांझी संथाली गांव मे फाईलेरिया उन्मूलन हेतु रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

साहिबगंज: जिला क्षेत्र अंतर्गत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बोरियो के आदेशानुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बांझी के अंतर्गत बांझी संथाली गांव मे फाईलेरिया उन्मूलन हेतु रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 20 साल से ऊपर सभी लोगों का रात्रि 8 बजे से 10 बजे तक रक्तपट संग्रह किया गया। साथ ही फाईलेरिया जैसे गंभीर बीमारी एवं वीबीडी से सम्बंधित सभी बीमारियों के बारे मे लोगों को जागरूक भी किए। मौके पर डॉ० सत्ती बाबू डबडा जिला वीबीडी सलाहकार के द्वारा रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम का निरक्षण किए एवं स्वास्थ्य कर्मियों को रात्रि रक्तपट संग्रह से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर डॉ0 बिनोद कुमार चिकित्सा पदाधिकारी, मनोहर पंडित एमटीएस, मिठू कुमार एलटी, शशिशेखर शर्मा एमपीडब्ल्यू, बेंजामीन मुर्मू एमपीडब्ल्यू, प्रदीप कुमार एमपीडब्ल्यू, यशोदा देवी सहिया साथी, जासिंता सोरेन सहिया आदि स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर हादसा, तेज रफ्तार हाईवा ने 10 वर्षीय बालक को रौंदा, मौके पर मौत

साहिबगंज: जिला के बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग पर एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। बरारी क्षेत्र में गिट्टी लदा तेज रफ्तार हाईवा ने सड़क पार कर रहे 10 वर्षीय रंजीत सरदार को बेरहमी से कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि बच्चे की मौत मौके पर ही हो गई। मृतक की पहचान बरारी निवासी शिवा सरदार के पुत्र रंजीत सरदार के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि रंजीत सुबह घर से भुजा लेने गया था और वापसी के दौरान सड़क पार करते समय यह दर्दनाक हादसा हो गया।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता शिवा सरदार ने बिलखते हुए कहा, हमारा बच्चा भुजा लेकर लौट रहा था हमें क्या पता था कि वह लौटकर आएगा ही नहीं। हमारा बच्चा अब इस दुनिया में नहीं रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए और आक्रोशित ग्रामीणों ने बरहरवा-फरक्का मुख्य मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। जाम के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी, कठोर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा देने की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ एसआई राजनाथ साहू, रंजय कुमार यादव, धर्मेन्द्र पासवान, जितेंद्र कुमार साह सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे। पुलिस ने सबसे पहले शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की।

सिविल सर्जन ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

साहिबगंज: सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान ने रविवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान उन्होंने साफ-साफ व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं मरीजों को दी जाने वाली स्वास्थ सुविधा के बारे में भी जानकारी ली। सीएस ने सुचारू रूप से साफ-सफाई रखने, मरीजों को हर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सीएस ने ओपीडी, आईपीडी, रजिस्ट्रेशन काउंटर, सभी वार्ड समेत अन्य विभागों का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ कर्मियों को कई आवश्यक निर्देश दिया।

पटना को 3 महीने में मिलेगी जाम और अतिक्रमण से मुक्ति

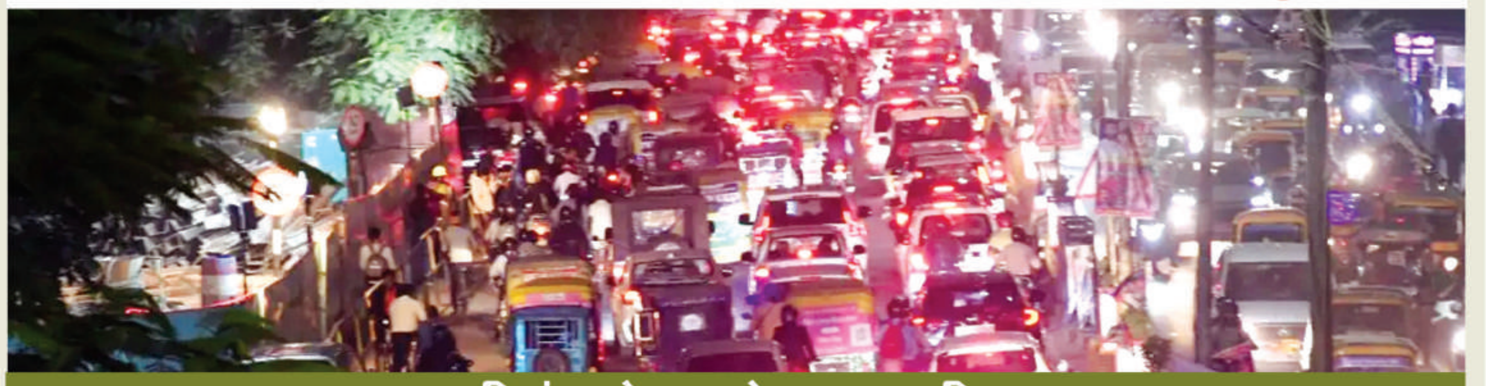

एक दिसंबर से शुरू होगा नया अभियान

पटना। राजधानी को जाम व अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए इस बार शासन गंभीर है। इसके लिए तीन माह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक दिसंबर से अतिक्रमण हटाओ मल्टी-एजेंसी विशेष अभियान दोबारा शुरू किया। छठे दिन शनिवार को प्रमंडलीय आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने इसका प्रभाव देखने के लिए कोतवाली से डाकबंगला-पटना जंक्शन, चिरैयाटांड पुल होते हुए कंकड़बाग तक औचक निरीक्षण किया। उनके साथ जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा, एडीएम सिटी संजय कुमार सिंह, नगर आयुक्त यशपाल मीणा, जिला परिवहन पदाधिकारी उपेंद्र पाल समेत संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी थे। बताते चलें कि शासन का गंभीर रुख देखते हुए इस अभियान में जिला प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशाम, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को अतिक्रमण हटाओ अभियान में शामिल किया गया है। डीएम ने सभी संबंधित एसडीओ-एसडीपीओ को प्रभावी पर्यवेक्षण तो एसपी ट्रैफिक, एडीएम सिटी, एसपी ला एंड आर्ड, नगर निगम के अपर नगर आयुक्त व सिटी मजिस्ट्रेट सह प्रभारी दंडाधिकारी जिला नियंत्रण कक्ष की पांच सदस्यीय मानीटरिंग टीम भी बनाई है।प्रमंडलीय आयुक्त ने पटना जंक्शन, मौर्यलोक, मल्टी-लेवल पार्किंग, तारामंडल, चिरैयाटांड, राजेंद्र नगर व कंकड़बाग क्षेत्रों का निरीक्षण कर यातायात प्रबंधन और अतिक्रमण उन्मूलन की स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि जल्द ही स्टेशन क्षेत्र सहित पूरे शहर में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पटना जंक्शन गोलंबर के आसपास मंदिर, मस्जिद और न्यू मार्केट की भीड़ के कारण अक्सर जाम रहता है। साथ ही अतिक्रमण, अनियमित ऑटो-ई रिक्शा संचालन तथा मल्टी हब से बस निकलने के दौरान अव्यवस्था से भी परेशानी बढ़ती है। इसे देखते हुए जिलाधिकारी लगातार संबंधित पक्षों के साथ बैठक कर रहे हैं। अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए सोमवार को इसमें मेट्रो अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। बताते चलें कि विधानसभा चुनाव के पहले दो बार 20-20 दिन का अभियान तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त डा. चंद्रशेखर की निगरानी में चलाया गया था। महानगर ऑटो चालक संघ ने शनिवार को जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार से शहरी क्षेत्र में ऑटो चालकों के लिए परमिट जारी करने की मांग की। उन्होंने डीएम को ज्ञापन सौंपने के साथ कहा कि बार-बार मांग के बावजूद शहरी क्षेत्र में आटो व ई-रिक्शा चालकों को परमिट नहीं दिया जाना चिंता का विषय है। संघ के महासचिव राजेश चौधरी ने कहा कि परिवहन विभाग ने शहरी क्षेत्र में परमिट के संबंध में अधिसूचना प्रकाशित कर दी है। बावजूद इसके उदासीनता बरती जा रही है।

पटना की इन जगहों में पार्किंग किया तो होगी कार्रवाई

पटना। शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने आयकर गोलंबर से डाकबंगला चौराहा और बुद्ध मार्ग से जीपीओ गोलंबर के नीचे तक नई पार्किंग व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। यह आदेश आज यानी रविवार से प्रभावी होगा। इसमें नेहरू पथ पर आयकर गोलंबर से डाकबंगला चौराहा तक तीन पहिया और चार पहिया वाहनों की पार्किंग पूरी तरह वर्जित की गई है। इसी तरह बुद्ध मार्ग से जीपीओ गोलम्बर तक भी किसी तरह के तीन या चार पहिया वाहन पार्क नहीं किए जा सकेंगे। बुद्ध मार्ग अथवा इस्कान मंदिर की ओर जाने वाले निजी चार पहिया वाहन चालकों के लिए तारामंडल के सामने बने स्मार्ट मल्टी लेवल पार्किंग में वाहन खड़ा करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस पार्किंग की क्षमता 96 वाहनों की है। वहीं तीन पहिया वाहनों की पार्किंग, मल्टी माडल पार्किंग में की जा सकेगी। इसी तरह मौयालीक काम्प्लेक्स आने-जाने वाले लोगों के लिए मौयालीक स्थित स्मार्ट मल्टी लेवल पार्किंग का उपयोग करने की व्यवस्था की गई है।

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि दोनों मार्गों पर तीन और चार पहिया वाहनों की पार्किंग निषेध है। अवैध पार्किंग की स्थिति में चालकों के विरुद्ध शमन की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाम की समस्या को कम करने और सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

पटना में फेक गोल्ड गैंग का पदार्फाश!

नकली बिस्किट दिखाकर महिलाओं को लूटने वाले चार गिरफ्तार

पटना। अगमकुआं थाना पुलिस ने सोने जैसी दिखने वाली नकली बिस्किट दिखाकर महिलाओं से पैसे की ठगी और लूटपाट करने वाले चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकली सोने की बिस्किट, नगद रुपए, स्कूटी और ऑटो बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों से उनके गिरोह और अन्य संभावित घटनाओं के बारे में पूछताछ की जा रही है। इस मामले की पुष्टि पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी राज किशोर सिंह ने की। उन्होंने बताया कि अगमकुआं थाना क्षेत्र के नंदलाल छपरा मोड़ के पास ऑटो में सवार कुछ अपराधी महिलाओं से ठगी और छिनतई करने की योजना बना रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने विशेष टीम गठित की और छापेमारी कर दो व्यक्ति ऑटो में और दो व्यक्ति स्कूटी पर सवार पकड़े। पुलिस के अनुसार, आरोपी भोली भाली महिलाओं को सोने जैसी दिखने वाली बिस्किट दिखाकर ठगी करते थे। विरोध करने पर वे लूटपाट भी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रुदाम (30), मोहम्मद अरमान (30), मोहम्मद जोनु (32) और मोहम्मद शाहिद (32) के रूप में हुई है। ये सभी पटना के सुल्तानगंज और हुसैनगंज के सिवान क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो नकली सोने की बिस्किट, 7,000 रुपए नगद, तीन मोबाइल, एक स्कूटी और एक ऑटो बरामद किया। पुलिस का मानना है कि आरोपियों ने पटना के विभिन्न इलाकों में कई बार महिलाओं से ठगी और छिनतई की घटनाओं को अंजाम दिया है।

कोचिंग जा रहे छात्र का अपहरण

पटना। फतुहा में घर से कोचिंग जा रहे एक नाबालिग छात्र के अपहरण के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र पांच घंटे के भीतर उसे सकुशल बरामद कर लिया। इसके साथ ही अपहरण में शामिल तीन अपराधियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूरे मामले की जानकारी शनिवार देर रात फतुहा एसडीपीओ अवधेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि फतुहा के गोरीपुंदा निवासी नरेश राय का 17 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार शनिवार सुबह करीब 10 बजे घर से फतुहा स्थित स्टडी जोन लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए निकला था। शाम करीब चार बजे उसकी मां गणिता देवी के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया।

संक्षिप्त डायरी

प्रेम जाल में फंसाकर युवती को भगाया, छह दिन तक पत्नी की तरह रखा, शादी से मुकरने पर 9 लोगों पर केस दर्ज

अररिया। कुसाकांटा थाना क्षेत्र में प्रेम के नाम पर युवती को ठगने और शादी का झांसा देकर उसका शोषण करने का मामला सामने आया है। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के मटियारी वार्ड नंबर-1 निवासी आनंद कुमार उर्फ आनंद मंडल (पिता रामकृष्ण मंडल) पर युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और धोखाधड़ी का आरोप लगा है। मिली जानकारी के अनुसार, इसी वर्ष जुलाई में आनंद कुसाकांटा के एक गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल हुआ था। वहीं उसकी नजर गांव की एक युवती पर पड़ी और उसने मौका मिलते ही उससे बातचीत शुरू कर दी। बातचीत का सिलसिला बढ़ता गया और मोबाइल पर दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। तीस जुलाई 2025 को आनंद युवती को शादी का झांसा देकर अपने साथ कटिहार ले गया, जहां उसने युवती को छह दिनों तक अपने पास रखा और पति-पत्नी की तरह रहने लगा। इस बीच युवती के लापता होने की जानकारी परिजनों तक पहुंची तो आनंद का परिवार ही कुसाकांटा पहुंचा। उन्होंने युवती के पिता को भरोसा दिलाया कि दोनों जल्द ही शादी करेंगे और तब तक युवती को आनंद के साथ रहने दिया जाए। परिजन इस आश्वासन पर मान गए। लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी जब शादी की कोई पहल नहीं हुई, तो युवती के पिता रिश्तेदारों के साथ मटियारी पहुंचे और आनंद के परिवार से शादी की तारीख पूछी। इस पर लड़के पक्ष ने आक्रोश में आकर साफ कह दिया। यहां आनंद की शादी कभी नहीं होगी और लाठी-डंडे लेकर युवती के परिजनों से मारपीट करने पर आमादा हो गए। घटना से आहत युवती ने आनंद कुमार समेत उसके परिवार के कुल 9 लोगों के खिलाफ कुसाकांटा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। प्राथमिकी में धोखाधड़ी, अपहरण, आपराधिक धमकी और मारपीट जैसे गंभीर आरोप शामिल किए गए हैं।

दो अलग-अलग मुर्गी फार्म में लगी आग, असामाजिक तत्वों पर आशंका

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के मैठी पंचायत के वार्ड 6 और वार्ड 7 में देर रात दो अलग-अलग मुर्गी फार्म में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगा दी गई। पहले वार्ड 6 में आग लगी, जिसे ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद बुझाया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद वार्ड 7 स्थित दूसरे फार्म में भी आग लगा दी गई, जिससे पूरा शेड, दाना और सैकड़ों मुर्गियां जलकर राख हो गईं। घटना से ग्रामीण व व्यवसायी आक्रोशित हैं और इसे असामाजिक तत्वों की करतूत बताया जा रहा है। पीड़ित संचालक राजेश सिंह ने बताया कि रात में उनके चाचा बसंत सिंह के मुर्गी फार्म में आग लगा दी गई। स्थानीय लोगों और परिवार के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन सुबह सूचना मिली कि राजेश सिंह के अपने फार्म में भी आग लगा दी गई है। घटनास्थल पर पहुंचने पर उन्होंने पाया कि पूरा शेड, मुर्गियां, मुर्गा, दाना और अन्य सामान पूरी तरह जल चुका था। राजेश सिंह ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। पिछले साल भी मेरे फार्म में आग लगा दी गई थी। कोई असामाजिक तत्व जानबूझकर हमारे व्यवसाय को नुकसान पहुंचा रहा है। पुलिस जांच करे और दोषियों को जल्द गिरफ्तार करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो। उन्होंने बताया कि इस बार की घटना में साढ़े तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

घर पर चला बुलडोजर, नाराज युवक ने कैमरे पर काटी चोटी

पटना। बिहार में नई सरकार बनने के बाद बुलडोजर एक्शन तेज है। गृहमंत्री का पदभार संभालने के बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने साफ किया है कि माफिया पर तेजी से एक्शन होगा। जिलों में अतिक्रमण को लेकर भी प्रशासन रोज बुलडोजर से कार्रवाई कर रहा है। इधर बेगूसराय में बुलडोजर एक्शन से नाराज एक युवक ने कैमरे के सामने अपनी चोटी काट ली। उसके कहा, 'मैं बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को अपना आदर्श मानता था। उनको देख कर ही उसने पिछले 10 साल से चोटी रखी थी। मोदी-नीतीश कुमार का भक्त था, लेकिन अब सरकार ने बिना नोटिस के मेरे घर और चाय दुकान पर बुलडोजर चला दिया। घर मेरी शान था, वही नहीं रहा तो मुझे ये चोटी भी नहीं चाहिए।' 'मुझे हिंदू धर्म से परेशानी नहीं है, लेकिन अब टिकी वाली सरकार नहीं चाहिए। आज घर पर बुलडोजर चला है, कल पेट पर चलेगा।' दरअसल, शनिवार को बेगूसराय में अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन बुलडोजर लेकर निकला था। लोहिया नगर गुमटी के पास जेसीबी से झोपड़ी और चाय की दुकान हटाई जा रही थी। इस दौरान एक युवक अचानक कैमरे के सामने पहुंच गया और खुद को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार का भक्त बताया। उसने फिर अपने सिर की लंबी चोटी काट ली। युवक ने गुस्से में अपना भगवा गमछा भी एक कुत्ते के गले में पहना दिया।

डिप्टी सीएम बोले: बिहार में 100 फास्ट ट्रैक अदालतों का होगा गठन, जानिए किस जिले में कितने बन रहे

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि बिहार में 100 फास्ट ट्रैक न्यायालयों (ऋछ्ळउ) का गठन किया जाएगा। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन, न्यायालय का बोझ कम करना और संवेदनशील प्रकृति के मामलों पर उचित ध्यान और समय देना है। उन्होंने कहा- राज्य के विभिन्न न्यायालयों में 18 लाख से अधिक लंबित मामलों के मद्देनजर ये फास्ट ट्रैक न्यायालय बड़ी राहत देने वाले साबित होंगे। उन्होंने बताया कि पटना में आठ फास्ट ट्रैक अदालतें प्रस्तावित हैं जबकि गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और भागलपुर में चार-चार अदालतें स्थापित की जाएंगी। नालंदा (बिहारशरीफ), रोहतास (सासाराम), सारण (छपरा), बेगूसराय, वैशाली (हाजीपुर), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), समस्तीपुर और मधुबनी में तीन-तीन फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएंगी। इसी तरह पश्चिम चंपारण (बेतिया), सहरसा, पूर्णिया, मुंगेर, नवादा, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, कैमूर (भभुआ), बक्सर, भोजपुर (आरा), सीतामढ़ी, शिवहर, सीवान, गोपालगंज, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, किशनगंज, कटिहार, बांका, जमुई, शेखपुरा, लखीसराय और खगड़िया में दो-दो फास्ट ट्रैक अदालतें संचालित होंगी। इसके अतिरिक्त नवगछिया और बगहा उप-मंडलीय न्यायालय में एक-एक फास्ट ट्रैक अदालत स्थापित करने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि जिलापदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से चिन्हित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाएगा। राज्य के 38 जिलों और उप-मंडलों में कुल 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाने के लिए कर्मियों की नियुक्ति भी बड़े पैमाने पर की जाएगी। प्रत्येक अदालत के लिए आठ प्रकार के पदों जैसे, बेंच क्लर्क, कार्यालय लिपिक, स्टेनोग्राफर, डिपोज़िशन राइटर, डेटा एंट्री ऑपरेटर, ड्राइवर, प्रोसेस सर्वर और चपरासी या ऑर्डर्ली के कुल 900 पदों पर नियुक्ति प्रस्तावित है। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा- शस्त्र अधिनियम से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निपटारे हेतु 79 न्यायालयों को एक्ट कोर्ट के रूप में नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि शस्त्र अधिनियम जैसे गम्भीर मामलों का शीघ्र समाधान कानून व्यवस्था को मजबूत करेगा। राज्य सरकार न्यायिक प्रक्रिया को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। यही वजह है कि 100 फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन किया जाएगा।

छेड़खानी करने वाले मनचलों की अब खैर नहीं

स्कूल-कॉलेज और कोचिंग सेंटर के आसपास पुलिस की पैनी नजर

पटना। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग, हॉस्टल के आसपास फब्तियां कसने और छेड़छाड़ करने वाले शोहदों पर जल्द ही पटना पुलिस की 'अभया ब्रिगेड' वार करेगी। इसके लिए जिले की सभी थानों की पुलिस अपने अपने क्षेत्रों में उन स्थानों की पहचान करने में जुट गई हैं, जहां से इस तरह की शिकायतें मिल रही थीं। पूर्व की घटनाओं और शिकायतों की फाइल भी पलटी जा रही है। स्कूल, कॉलेज, हॉस्टल, कोचिंग संस्थानों के आसपास तथा आने जाने वाले वाले स्थलों, जहां छेड़छाड़ की घटनाएं होती हैं, उनकी हॉट स्पॉट के रूप में पहचान की जा रही है। पटना पुलिस प्राचार्य, शिक्षक, छात्रावास के वार्डन, कोचिंग संचालकों से संवाद स्थापित कर महिलाओं और बच्चियों की समस्याएं सुनकर हाट स्पाट की पहचान में सहयोग हासिल करेगी। साथ ही शिक्षण संस्थानों में जाकर छात्राओं से सीधे संपर्क करेगी। पूर्व में भी पटना पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई पहल कर चुकी है। बीती जुलाई से एसएसपी के निर्देश पर ह्यशक्ति सुरक्षा दलह्न का गठन किया गया था। शक्ति सुरक्षा दल की दो टीमें शहर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। 'अभया ब्रिगेड' पूरे जिले में सक्रिय रहेगी। 'शक्ति सुरक्षा दल' की दोनों टीमों के पास जुलाई माह से नवंबर माह के बीच किन इलाकों में ज्यादातर शिकायतें मिल रही थी, इसकी रिपोर्ट ली जा रही है। पुलिस सार्वजनिक स्थल से लेकर उन इलाकों तक की भी पहचान कर रही है, जहां नशेड़ियों और मनचलों का जमावड़ा लगता है। 11 जुलाई 2025 को शक्ति सुरक्षा दल गठन किया गया। गठन के एक माह की अवधि में अब तक 1,909 महिलाओं एवं युवतियों ने शक्ति सुरक्षा दल के मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया है। टीमों ने 62 युवतियों की काउंसलिंग की है, जबकि 45 शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा 23 मामलों को संबंधित थाने को अग्रसारित किया गया है, ताकि त्वरित विधिसम्मत कार्रवाई की जा सके।

इंडिगो क्राइसिस: 6वें दिन पटना में 6 फ्लाइट्स कैंसिल

यात्री बोले: एप पर फ्लाइट कंफर्म, एयरपोर्ट पर बताया जा रहा है, रद्द हो गई

पटना। इंडिगो क्राइसिस के 6 दिन रविवार को इंडिगो की पटना से उड़ान भरने वाली 6 फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। यात्रियों का कहना है कि एप पर फ्लाइट कैंसिल होने की सूचना नहीं दी जा रही है, लेकिन एयरपोर्ट पर आने पर बताया जा रहा है कि विमान रद कर दी गई है।

इन फ्लाइट को कैंसिल किया गया है- 12 बजे कोलकाता जाने वाली फ्लाइट कैंसिल है। 12.10 रांची जाने वाली फ्लाइट कैंसिल है 1.25 में पुणे जाने वाली फ्लाइट कैंसिल है। 2.55 में मुंबई जाने वाली फ्लाइट कैंसिल है। 3 बजे हैदराबाद जाने वाली फ्लाइट कैंसिल है। 5.45 में चेन्नई जाने वाली फ्लाइट कैंसिल है। शनिवार को पटना एयरपोर्ट से इंडिगो की 13 जोड़ी फ्लाइट रद्द हुई थी। हालांकि, इंडिगो ने दावा किया कि 95% रूट पर फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल कर दिया है। इधर, विमान संकट से ट्रेनों पर दबाव बढ़ गया है। दिल्ली जाने वाली एक दर्जन से अधिक ट्रेनों में 12 दिसंबर तक सीट नहीं है। वेटिंग टिकट भी उपलब्ध नहीं है। यात्री जनरल कोच में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे हैं। रेलवे ने प्रीमियम ट्रेनों में एसी कोच बढ़ा दिए हैं। तेजस राजधानी, डिब्रूगढ़ राजधानी समेत देश की 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 कोच जोड़े गए हैं। अब रोज करीब 8120 अतिरिक्त यात्री सफर कर सकेंगे। दिल्ली के लिए छह स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। इस क्राइसिस के बीच दूसरी एयरलाइंस ने पटना से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु का किराया 3 गुना तक बढ़ा दिया। यात्री ने कहा, 'जितने रुपए में दिल्ली से अमेरिका और लंदन पहुंचा जा सकता था, उससे भी दोगुना किराया पटना से हो गया। पटना-मुंबई का किराया 90 हजार रुपए तक हो गया, ऐसे रूट का किराया जो सामान्य दिनों में 6झ10 हजार रुपए तक रहता है। विमान कंपनियों ने आपदा में अवसर नहीं सीधी 'लूट' शुरू कर दी है।' पटना, दरभंगा, गया और पूर्णिया एयरपोर्ट पर लोग फर्श पर बैठे, कोई रोता, कोई गुस्से में चिल्लाता, कोई हाथ जोड़कर रिफंड मांगता दिखा। एयरलाइंस के काउंटरों पर सिर्फ तीन शब्द सुनाई दिए, 'कुछ नहीं कर सकते।' किसी को दुबई में नौकरी ज्वाइन करनी थी, फ्लाइट कैंसिल हो गई, नया टिकट 70झ90 हजार है। किसी को ड्यूटी पर जाना है, पर समय पर फ्लाइट नहीं मिल रही। छात्र को प्लेसमेंट के लिए जाना था, लेकिन एयरलाइंस का जवाब था, 'कुछ पता नहीं कब विमान उड़ेगा।' दूसरी कंपनियों का किराया कई गुना बढ़ गया। ये स्थिति किसी एक एयरलाइन की नहीं, बल्कि सभी एयरलाइंस की है। जहां यात्रियों की मजबूरी को कैलकुलेट करके किराया लिया जा रहा। एयरलाइंस कंपनियों में सबसे कम किराया अभी इंडिगो का दिख रहा है, पर इसकी कोई गारंटी नहीं है कि इंडिगो की फ्लाइट उड़ान भरेंगी या नहीं। वहीं, एयर इंडिया और स्पाइस जेट की बात करें तो 7 दिसंबर को पटना से कोलकाता के लिए एयर इंडिया का टिकट 72 हजार से अधिक है। 7 दिसंबर को पटना से मुंबई के लिए स्पाइसजेट वाले 90 हजार ले रहे हैं। सरकार के लिमिट लगाने के बाद भी फ्लाइट की टिकट में ऐसी स्थिति देखी जा रही है। इंडिगो ने रविवार को एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा है कि इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने स्थिति पर नजर रखने के लिए क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाया है। इसमें चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता, बोर्ड डायरेक्टर्स ग्रेग सारेत्स्की, माइक व्हिटेकर और अमिताभ कांत, और उएड पीटर एल्बर्स शामिल हैं। इंटरग्लोब एविएशन का बोर्ड कैंसलेशन पर रिफंड पक्का करने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रहा है। इंडिगो ने कहा कि 5-15 दिसंबर के बीच की गई बुकिंग का वे पूरा पैसा लौटाएंगे। कंपनी ने कहा कि इस रिफंड के लिए कोई सवाल नहीं पूछा जाएगा।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के ह्रदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

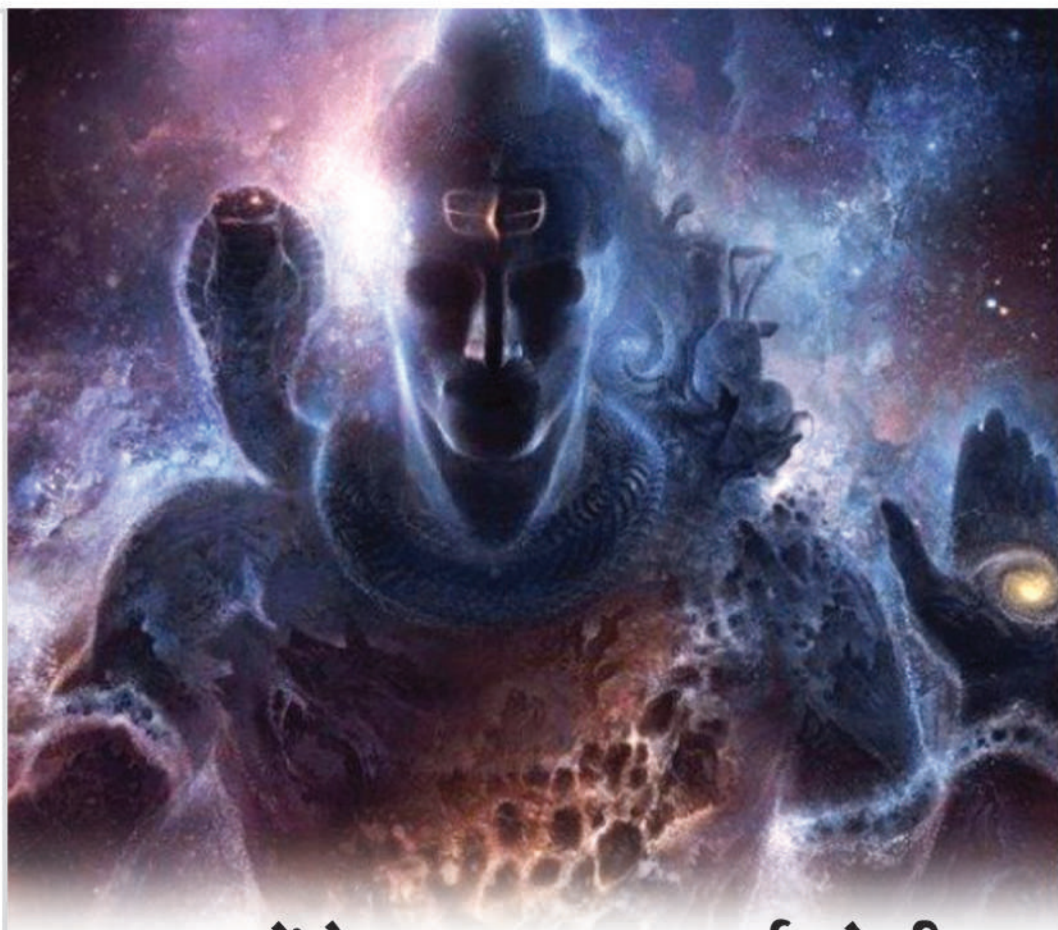

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

विराट और रोहित के रहने से बढ़ती हैं जीतने की संभावनाएं : गंभीर

2027 विश्वकप तक दोनो के खेलने की उम्मीद बनी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि इनके रहने से टीम की जीत की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर ये फिट रहते तो टीम के साथ बने रहेंगे। गंभीर के इस बयान से साफ है कि रोहित और विराट के 2027 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली जीत के बाद गंभीर ने कहा है कि रोहित और विराट की मौजूदगी से भारतीय टीम के जीतने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भले ही अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं फिर भी इनकी लय बनी हुई है। ऐसे में एकदिवसीय प्रारुप में इन दोनो खिलाड़ियों का योगदान टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। । गंभीर ने साफ किया कि 2027 विश्व कप के लिए दोनों खिलाड़ियों की उपयोगिता कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी।

गंभीर ने कहाः ये दोनो ही उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। लंबे समय से भारत के लिए वही करते आ रहे हैं जो टीम को चाहिए। उनका लंबा अनुभव ड्रेसिंग रूम में बेहद महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि वे आगे भी टीम को वही स्थिरता देंगे।' उनके इस बयान से साफ है कि 2027 विश्व कप की योजनाओं में दोनों दिग्गजों की जगह बनी हुई है।

गंभीर के इस बयान से उन बातों पर विराम लग गय है जिसमें कहा गया था कि उनकी कोहली और रोहित से नहीं बन रही है। । इसके बीच चयन और योजनाओं को लेकर मतभेद बताये गये थे पर अब गंभीर के इस बयान से लगता है सबस कुछ सामान्य है।

ये भी कहा जा रहा है कि रोहित-कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया औरा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर गंभीर को अपना रुख बदलने पर मजबूर कर दिया था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया वहीं विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

गंभीर के बयान से तय है कि अगर इन दोनो की फिटनेस और फार्म सही रहते हैं तो ये दोनो 2027 विश्व कप में खेलते नजर आ सकते हैं।

पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीता

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। जर्मनी के रासमुस नीरगार्ड-पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीत लिया है। ये पीटर्सन का पहला बड़ा खिताब है। उन्होंने करीबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी कैमरन स्मिथ को पीछे छोड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 72वें होल तक नीरगार्ड-पीटर्सन और स्मिथ दोनों 15-अंडर के स्कोर साथ ही बराबरी पर थे पर इसके बाद पीटर्सन ने एक शॉट से जीत हासिल कर ली।

पीटर्सन ने 67, 66, 66 और 70 के राउंड खेलते हुए कुल 15-अंडर 269 का स्कोर बनाया। वहीं स्मिथ अंतिम दौर की शुरुआत दो शॉट पीछे से करते हुए 10वें होल तक बढ़त भी ले चुके थे, लेकिन 12वें होल की बोगी से संतुलन बिगड़ गया और दोनों फिर बराबरी पर आ गए पर अंतिम पुट डालते ही मुकाबला बदल गया।

वहीं ऑयरलैंड के रॉरी मैकइलरॉय ने अंतिम दिन 69 का राउंड खेला और संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहे। मैकइलरॉय ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन को बेहतर तारीख मिलनी चाहिए ताकि दुनिया के शीर्ष खिलाडी यहां आ सकें। ऑस्ट्रेलियन ओपन के विजेता को अगले साल के मास्टर्स टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलता है।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज

– रिटायरमेंट और कोचिंग भूमिका पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच-विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए।

मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12 करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।'

मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, 'मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल-गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं।'

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया

–सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से खेले गये एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 65 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से दो 2 विकेट खो कर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने तेज 22 रन बनाए, जबकि स्टीव स्मिथ ने 9 गेंदों में 23 रन बना दिये। स्मिथ ने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के जमाए। जेक वेदराल्ड 17 रन बनाकर पर नाबाद लौटे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 69 रन आसानी से मैच जीत लिया

इस मैच में इंग्लैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और 334 रन का स्कोर बनाया था। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बनाकर पहली पारी में 177 रन की बढ़त बना ली और दूसरी पारी में इंग्लैंड को 241 रन पर समेट था। ऐसे में मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 65 रन का आसान लक्ष्य मिला जिसे ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया इस मैच में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर ने इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी पूरी तरह तहस-नहस कर दी। स्टार्क ने मैच में कुल 8 विकेट झटके, जबकि नेसर ने 6 बड़े लेकर इंग्लैंड को दोनों पारियों में संभलने का अवसर नहीं दिया। इसी कारण जो रुट के यहां लगाये पहले शतक के बाद भी मेहमान टीम संभल नहीं पायी।

इंग्लैंड की पहली पारी में रूट ने 138 रन बनाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पायी पर अन्य बल्लेबाजों के असफल होने से टीम को नुकसान हुआ। स्टार्क ने 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को 334 रन पर रोक दिया और मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने पहली पारी में विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा और 511 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जेक वेदराल्ड ने 72, लाबुशेन ने 65, स्टीव स्मिथ ने 61 और एलेक्स कैरी ने 63 रन की शानदार पारियां खेलीं। इन सबके अलावा मिचेल स्टार्क ने भी 77 रन बनाकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल ब्राइडन कार्स ही 4 विकेट ले पाये। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी में विफल रही और । केवल 241 रन पर ही बना पायी। कप्तान बेन स्टोक्स ही 50 और विल जैक्स ही 41 रन बना पाये । वहीं अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी। चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए। गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे। इन सभी चरणों में सफल होने के बाद विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं।

अब 9 दिसंबर से टी20 सीरीज में आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। दोने के बीच अब तक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज सीरीज हुई है। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट जबकि भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज जीती है। ऐसे में अब दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारतीय टीम टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में जबकि दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा। चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ जबकि अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में होगा। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 18 मैचों में भारतीय टीम जबकि 12 मैचों में दक्षिण अफ्रीका जीती है। वहीं एक मुकाबला बराबरी पर रहा है।

सचिन के 100 शतकों के रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं विराट : गावस्कर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि आने वाले समय में विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के शतकों के शतक वाले विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार विराट अपनी जबरदस्त फिटनेस के कारण 2027 विश्वपक के बाद भी खेल सकते हैं। विराट इस समय केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। विराट के अभी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 84 शतक हैं। वे पहले से ही एक प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाज हैं। गावस्कर ने कहा, अगर वह तीन साल और खेलते हैं तो उसे शतकों का शतक लगाने 16 शतक और चाहिए। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज में 302 रन बनाए। गावस्कर ने मुकाबले के बाद कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उससे उसके लिए कुछ भी संभव है, उसने तीन मैचों की सीरीज में दो शतक बनाए हैं। अब अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दो और शतक बनाता है, तो वह 86 तक पहुंच जाएगा। इसलिए उसके 100 तक पहुंचने की काफी संभावनाएं हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, उससे लग रहा है कि वह काफी आराम से खेल रहा है। जिस तरह से अंतिम एकदिवसीय में बल्लेबाजी की उससे उसके अच्छे फार्म का अंदाजा होता है। हैं। भारतीय टीम को विश्वकप 2027 तक करीब 35 एकदिवीसय मैच खेलने हैं। ऐसे में उसके लिए 16 शतक लगाना ज्यादा कठिन नहीं है। वहीं अगर वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलता है तो आसानी से 100 शतकों तक पहुंच जाएगा। ये तो ये है कि वह 90 से ज्यादा शतक तक पहुंच जाएगा।

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल (एजेंसी)। थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली। मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।'' मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपिज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

शक्ति और संकल्प का खेल : वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली । वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है। इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है। आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी। पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे। धीरे-धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई। 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था। 1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया। हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है। भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने 54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया। उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई।

महिला क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना की शादी रद्द, सोशल मीडिया पर दी अहम जानकारी

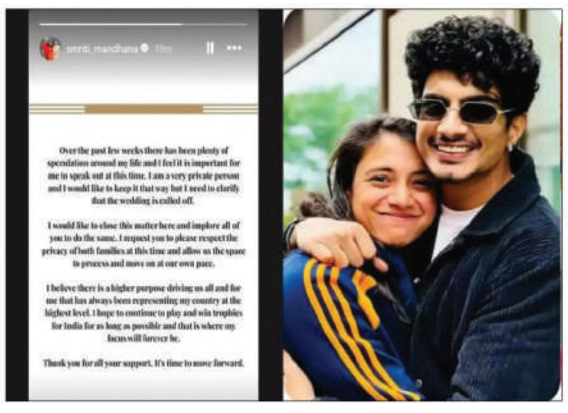

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी रद्द कर दी गई है। उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से आग्रह किया कि इस संवेदनशील समय में दोनों परिवारों की निजता का सम्मान किया जाए। पिछले कुछ सप्ताह से सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। इसी पर स्पष्टता लाते हुए मंधाना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। कृपया इस मामले को यहीं समाप्त करें और हमें आगे बढ़ने के लिए जगह दें।' 23 नवंबर को होने वाली शादी उनके पिता श्रीनिवास की अचानक तबीयत बिगड़ने और दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से स्थगित कर दी गई थी। अब मंधाना ने बताया कि परिस्थितियों को देखते हुए शादी को रद्द करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि वह एक बेहद निजी इंसान हैं, लेकिन लगातार चल रही चर्चाओं और असत्यापित रिपोर्टों के कारण उन्हें खुलकर अपनी बात रखनी पड़ी। साथ ही, उन्होंने यह भी दोहराया कि उनका पूरा ध्यान अब भारत के लिए क्रिकेट खेलने और आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी पर है। गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी और दोनों परिवारों के लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण बताया था। सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चाओं की वजह से ही मंधाना को अटकलों का अंत करने के लिए आगे आना पड़ा। करीब एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अहम सदस्य रहीं 28 वर्षीय स्मृति मंधाना ने अंत में लिखा, 'आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। अब आगे बढ़ने का समय है।'

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं: विराट कोहली

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस श्रृंखला में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला को 2-1 से जीता। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस श्रृंखला में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।''

उन्होंने कहा, '' मुझे पता है कि जब मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूं तो यह टीम की बहुत मदद करता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है कि मैं किसी भी स्थिति को संभालकर मैच का रूख टीम की ओर मोड़ सकता हूं।'' कोहली ने माना कि एक बल्लेबाज के रूप में अनुभव चाहे कितना भी हो लेकिन ऐसे हालात आते हैं जब मन में संदेह होने लगता है।

उन्होंने कहा, '' जब आप इतने लंबे समय तक खेलते हैं (15-16 साल) तो आप कई बार खुद पर संदेह करने लगते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में जब एक गलती आपको आउट करा सकती है। यह एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होने की पूरी यात्रा है। यह आपको एक व्यक्ति के रूप में सुधारता है और यह स्वभाव को भी सुधारता है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं अब भी टीम के लिए योगदान दे पा रहा हूं। जब मैं इस तरह से खुलकर खेलता हूं तो मुझे पता है कि मैं छक्के मार सकता हूं। ऐसी परिस्थिति में आप हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं।'' कोहली ने कहा कि तीन पारियों में से रांची में बनाया गया शतक उनके लिए सबसे खास रहा।

उन्होंने कहा, ''रांची में पहला (शतक) खास रहा क्योंकि मैंने ऑस्ट्रेलिया के बाद कोई मैच नहीं खेला था। रांची मेरे लिए बहुत खास है और मैं बहुत आभारी हूं कि ये तीनों मैच ऐसे रहे।'' भारतीय कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि पहले दो मैचों में ओस के कारण गीली आउटफील्ड में गेंदबाजी करने के बाद गेंदबाजों को ब्रेक देना महत्वपूर्ण था।

राहुल ने दक्षिण अफ्रीका को 270 पर आउट करने पर कहा, ''पहले दो मैचों में हमें कठिन परिस्थितियां मिलीं। ऐसे में गीली आउटफील्ड में गेंदबाजों के लिए ब्रेक मिलना अच्छा था। यह पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी लेकिन हम एक साथ कई विकेट चटकाने में सफल रहे।''

भारत की जीत प्रसिद्ध कृष्णा (66 रन पर चार विकेट) और कुलदीप यादव (41 रन पर चार विकेट) का योगदान भी अहम रहा। राहुल ने अपनी गेंदबाजी इकाई की तारीफ करते हुए कहा, ''हम बीच के ओवरों में दबाव बना पाए। प्रसिद्ध ने एक स्पैल में तीन विकेट लिए जो वास्तव में महत्वपूर्ण थे और फिर कुलदीप ने आकर एक ओवर में दो विकेट ले गए। वनडे क्रिकेट में आप इसी तरह टीमों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।''

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि उनकी टीम भारत को बड़ा लक्ष्य देने में नाकाम रही। उन्होंने कहा, ''आज हम इसे और भी रोमांचक बनाना चाहते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। दूधिया रोशनी में खेल आसान हो जाता है। शायद हमें समझदारी से काम लेना चाहिए था क्योंकि हमने जल्दबाजी में विकेट गंवा दिये थे।''

उन्होंने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, ''भारतीय टीम ने अपनी क्षमता दिखाई। उन्हें बधाई। हम और भी ज्यादा समझदारी से खेल सकते थे। आप अगर पहले दो वनडे देखें तो हमने ऐसा किया। आज शायद हालात अलग थे। आप 50 ओवर के मैच में ऑल आउट नहीं होना चाहते।''

उन्होंने कहा, '' हमारे बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन वे इसे भुनाने में नाकाम रहे। क्विंटन (डिकॉक) ने शतक बनाया मैं भी अहम मौके पर आउट हो गया। भारत के पास अच्छे स्पिनर है और उन पर दबाव बनाना कभी आसान नहीं होता है।

ग्रोवेल विवाद पर दक्षिण अफ्रीका कोच कॉनराड की सफाई, गलत शब्द के इस्तेमाल पर मांगी माफी

विशाखापत्तनम । दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने भारत के खिलाफ मिली एकतरफा हार और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-2 से गंवाने के बाद अपने विवादित 'grovel' बयान पर सफाई दी है। कॉनराड ने माना कि यह शब्द उनकी टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत के चमक को फीका कर गया, जबकि उनका इरादा किसी तरह की अहमियत कम करने या अपमान का नहीं था।

मस्जिद का शिलान्यास राजनीतिक दल के समर्थन के बिना संभव नहीं : शत्रुघ्न सिन्हा

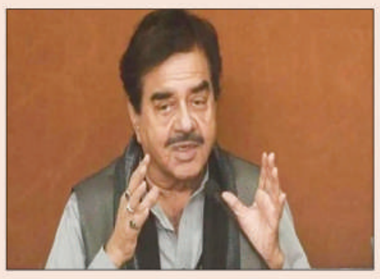

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मुर्शिदाबाद जिले में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद के शिलान्यास से राजनीतिक हताशा की बू आ रही है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि 6 दिसंबर को 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस दिन सच्ची सद्भावना और अच्छा माहौल होना चाहिए। अपने निर्वाचन क्षेत्र आसनसोल में सिन्हा ने कहा कि बंगाल में आज के दिन अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद का शिलान्यास और टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा लोगों को इकट्ठा करना, राजनीतिक हताशा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ लोगों की राजनीतिक चाल या राजनीतिक हताशा है और किसी विशेष राजनीतिक दल के समर्थन के बिना यह संभव नहीं है। टीएमसी ने अपने भरतपुर विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है, जिन्होंने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली एक मस्जिद की आधारशिला रखी, जिससे राज्य में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सिन्हा ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा राजनीतिक लाभ लेने के लिए उठाया जा रहा है।

डिग्री योग्यता का प्रमाण नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है। किसी उम्मीदवार को केवल डिग्री के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है। यदि आवश्यक मुख्य विषय की पढ़ाई उसने की है। ऐसी स्थिति में उसे अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एम काम की शिक्षा पास एक उम्मीदवार की नियुक्ति बहाल की है। जिसे मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन कंसल्टेंट के पद से इसलिए हटा दिया गया था। उसके पास पीजी की सांख्यिकी विषय की डिग्री नहीं थी। उसने एम काम में बिजनेस स्टैटिसटिक्स और इंडियन इकोनॉमिक स्टैटिसटिक्स मुख्य विषय के रूप में पढे थे। कोर्ट ने कहा डिग्री के नाम पर जोर देना, असल पढ़ाई को नजर अंदाज कर देना है। सुप्रीम कोर्ट ने सांख्यिकी की डिग्री नहीं होने के बाद भी उसकी नियुक्ति को सही ठहराया।

उड़ीसा में पांचवीं छात्रा ने की आत्महत्या

भुवनेश्वर(एजेंसी)। उड़ीसा में अभी तक पांच छात्राओं ने आत्महत्या करके अपने जीवन को समाप्त किया है। हाल ही में सुंदरगढ़ जिले में स्नातक कोर्स के दूसरे वर्ष की पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने आत्मदाह कर लिया है। यह छात्रा 90 फ़ीसदी जल गई। अभी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पिछले 6 माह में उड़ीसा राज्य में यह पांचवीं घटना है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में एक 25 साल के युवा को गिरफ्तार किया है। जो उसे परेशान कर रहा था। घटना शुक्रवार की रात को तब घटी, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे। छात्रा ने आग लगाकर आत्म हत्या करने का प्रयास किया। अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। 90 फ़ीसदी जलने के कारण उसके बचने की कोई उम्मीद नहीं है।

एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ की ब्रेन हेमरेज से मौत, कॉलेज में थे शिक्षक

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान के लिए बीएलओ के रूप में तैनात एक जीव विज्ञान शिक्षक की मोदीनगर के नेहरू नगर स्थित उनके आवास पर कथित तौर पर ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि मोदी विज्ञान एवं वाणिज्य इंटर कॉलेज के शिक्षक लाल मोहन सिंह (58) को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर की ड्यूटी पर लगाया गया था। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने बताया कि लालमोहन सिंह अस्वस्थ थे और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य के कारण काफी दबाव में थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने चेतावनी दी थी कि यह काम किसी भी कीमत पर पूरा किया जाना चाहिए। वह तनाव में काम कर रहे थे। मोदीनगर के एसीपी ने कहा कि एसडीएम मोदीनगर ने सूचित किया कि लाल मोहन सिंह की शुक्रवार रात ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। एसडीएम घटना के बाद के प्रशासनिक पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

फिर बिगड़ी आजम खान की तबीयत, जांच कराने से किया इनकार, बैरंग लौटे डॉक्टर

रामपुर (एजेंसी)। जेल में बंद चल रहे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की तबीयत बिगड़ गई है। जब दो डॉक्टर उपचार करने के लिए जेल अस्पताल पहुंचे तो आजम खान ने जांच करवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आजम खान ने इससे पहले परिवार वालों से मिलने से भी मना कर दिया था। उन्हें दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा हुई है, वहीं उनके बेटे अब्दुल्ला को दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा मिली है। इस मामले में जेल प्रशासन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को जिला अस्पताल से जनरल फिजीशियन डॉ हसीब और सर्जन डॉ आरिफ रसूल आजम खान का स्वास्थ्य परीक्षण करने जिला कारागार पहुंचे थे, लेकिन आजम ने जांच कराने से साफ इनकार कर दिया। इस वजह से दोनों डॉक्टरों को खाली हाथ लौटना पड़ा। एक दिन पहले नेत्र सर्जन ने उनकी आंखों की जांच की थी। जेल प्रशासन आजम खान की सेहत को लेकर चिंतित है और उन्हें लगातार दवाइयां दी जा रही हैं। जेल जाने से पहले भी आजम खां की तबीयत ठीक नहीं थी और वे दिल्ली अस्पताल में इलाज करा चुके हैं। दूसरी तरफ भारतीय सेना पर विवादित बयान देने के आठ साल पुराने मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में बहस पूरी हो गई है। कोर्ट ने इस मामले में 11 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। यह मामला 2017 का है, जब आजम खान पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना के खिलाफ विवादित बयान देने का आरोप लगा था। बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था।

10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद टॉप पर, यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला

-दिल्ली के स्मॉग के लिए ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर जनरेशन मुख्य कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में नवंबर सबसे प्रदूषित महीना रहा। इस दौरान भारत के टॉप 10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद इस सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि राजधानी दिल्ली चौथे नंबर पर आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के बहादुरगढ़ को छोड़ दें तो टॉप 10 शहरों में से किसी में भी एक दिन भी हवा साफ नहीं रही। यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला है और एक शहर का प्रदूषण दूसरे शहरों की हवा को भी खराब कर रहा है।

दिल्ली में नवंबर में पीएम2.5 का औसत स्तर 215 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटररहा, जो अक्टूबर के मुकाबले दोगुना था। अक्टूबर में यह स्तर 107 था। दिल्ली में 23 दिन हवा बहुत खराब श्रेणी में रही और 6 दिन गंभीर श्रेणी में। इससे पता चलता है कि सर्दियों में स्मॉग यानी धुएं और कोहरे का मिश्रण कितना खतरनाक हो जाता है। गाजियाबाद में नवंबर में पीएम2.5 का औसत स्तर 224 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय सुरक्षित सीमा से तीन गुना से भी ज्यादा है। गाजियाबाद में 19 दिन हवा बहुत खराब और 10 दिन गंभीर रही। इस लिस्ट में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बहादुरगढ़, हापुड, बागपत, सोनीपत, मेरठ और रोहतक जैसे शहर भी शामिल थे। इस तरह एनसीआर देश का सबसे प्रदूषित इलाका बन गया। यूपी के 6 शहर टॉप 10 में थे, हरियाणा के 3 और दिल्ली का 1 शहर।

एनालिस्ट मनोज कुमार ने कहा कि पराली जलाने का असर काफी कम होने के बावजूद, एनसीआर के 29 शहरों में से 20 में पिछले साल से ज़्यादा प्रदूषण रहा। कई शहरों में तो एक दिन भी हवा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक मानकों के अंदर नहीं रही। इससे साफ पता चलता है कि प्रदूषण के मुख्य कारण साल भर रहने वाले स्रोत हैं, जैसे कि गाड़ियां, इंडस्ट्री, पावर प्लांट और दूसरी तरह के जलने वाले स्रोत। अगर इन क्षेत्रों में प्रदूषण कम नहीं किया गया, तो शहर लगातार मानकों को तोड़ते रहेंगे।

यह बात गौर करने वाली है कि इस नवंबर में दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान काफी कम रहा। पिछले साल जहां यह 20फीसदी था, वहीं इस साल यह औसतन 7फीसदी रहा। सबसे ज्यादा योगदान भी 38फीसदी से घटकर 22फीसदी हो गया। इससे यह संकेत मिलता है कि अब दिल्ली के स्मॉग के लिए स्थानीय, साल भर रहने वाले स्रोत जैसे कि ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर जनरेशन मुख्य कारण बन गए हैं।

अब कांग्रेस को बाय-बाय करेंगे सिद्धू बोले- पंजाब में सीएम पद को लेकर भारी घमासान

चंडीगढ़, । पंजाब कांग्रेस की आंतरिक कलह अब सड़क पर आ गई है। कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रहे गहरे आंतरिक मतभेदों को खुलकर सामने ला दिया है। उन्होंने दावा किया है कि पार्टी के भीतर ही पांच नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं और वे अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने नवजोत सिंह सिद्धू की पार्टी में वर्तमान स्थिति और भविष्य को लेकर चौंकाने वाले बयान दिए हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से अपनी मुलाकात के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तथाकथित वीवीआईपी ने शिवालिक रेंज में बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि सुनने में आया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इसे वैध बनाने जा रहे हैं, जो वह नहीं कर सकते, क्योंकि यह जमीन सरकार की है।

उनका दूसरा मुद्दा कानून व्यवस्था से संबंधित था, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। तीसरा मुद्दा पंजाब यूनिवर्सिटी से संबंधित था। उनका चौथा बिंदु यह था कि नए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, पांच नेता पहले से ही मुख्यमंत्री की दौड़ में हैं, जो अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी पंजाब कांग्रेस में प्रमुख नेताओं के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष और गुटबाजी को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि नवजोत सिद्धू भावनात्मक रूप से कांग्रेस और प्रियंका गांधी से जुड़े हुए हैं, लेकिन भारी गुटबाजी के कारण उन्हें कोई भूमिका नहीं मिलेगी। उन्होंने सिद्धू के भविष्य पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर कोई पार्टी हमें कोई भूमिका देती है, तो हम पंजाब को फिर से सोना बना सकते हैं। अगर कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है तो वह वापस लौट आएंगे। अन्यथा वह जीवन में खुश हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बिहार में तांडव: फार्म हाउस में तोड़-फोड़, लूट और आगजनी, चार गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक बार फिर खौफ फैलाया है। बेतिया के मैनाटांड़ थाना क्षेत्र स्थित चिउटाहा गांव में गैंग के शातिर सदस्य शशांक पांडेय ने अपने साथियों के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे किसान जिशान जुल्फेकार के फार्म हाउस पर हमला बोल दिया। लगभग दो सौ की संख्या में हथियारों से लैस गुंडों ने चहारदीवारी तोड़ दी, मवेशी और रखा हुआ धान-गेहूं लूट लिया तथा पूरे फार्म हाउस को आग के हवाले कर दिया। पीड़ित जिशान जुल्फेकार ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि शशांक पांडेय ने पिस्टल कनपटी पर सटाकर जान से मारने की धमकी दी और रंगदारी के रूप में पूरा फार्म हाउस अपने नाम करने को कहा। जब पड़ोस में रहने वाली सहबुन खातून ने विरोध किया तो शशांक ने उसकी कनपटी पर पिस्टल टिका दी और साथी अविनाश मिश्रा ने रॉड से हमला कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। हमलावरों ने सहबुन के घर से आभूषण और नकदी सहित कीमती सामान भी लूट लिया। सूचना मिलते ही नरकटियागंज एसडीएम सूर्यप्रकाश गुप्ता, एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह, इंस्पेक्टर राजीव कुमार, थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता सहित भारी पुलिस बल और एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शशांक पांडेय, अविनाश मिश्रा, हरिराज मांझी और रघु मांझी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस ने कैंप कर रखा है। एफआईआर में शशांक पांडेय सहित कुल 16 लोग नामजद किए गए हैं, जिनमें दीपेंद्र कुमार, दीपक कुमार, धीरेंद्र मांझी, महंत मांझी, बली राम पटेल, सकलो मांझी, राधिका देवी, विजय साह आदि शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

हुमायूं पर भड़की ममता कहा- सांप्रदायिक नफरत भड़काने वालों के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास ने प्रदेश की राजनीति को तेज कर दिया है। इसकी शुरुआत टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखकर शुरुआत कर दी। इस पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ शब्दों में कहा है कि सांप्रदायिक माहौल खराब करने वालों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इसी खींचतान के बीच शनिवार 6 दिसंबर को संहति दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल की सदियों पुरानी सह-अस्तित्व की परंपरा को रेखांकित किया और एकता और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए याद दिलाया कि बंगाल की पहचान अनेकतावाद में निहित है। बनर्जी ने लिखा, मैं संहति दिवस/संप्रीति दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई देती हूँ। बंगाल एकता की धरती है, टैगोर, नज़रुल, रामकृष्ण और विवेकानंद की धरती है। यह मिट्टी कभी भी विभाजनकारी ताकतों के सामने नहीं झुकी है और न कभी झुकेगी।

गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस छह दिसंबर को बाबरी मस्जीद गिराए जाने की याद में संहति दिवस मनाती है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी खुशियाँ साझा करते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि धर्म व्यक्तिगत है, लेकिन त्योहार सभी के लिए हैं। सांप्रदायिक नफरत की आग भड़काने और देश को नष्ट करने वालों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। आइए, हम सब शांति और सद्भाव बनाए रखें। मुख्यमंत्री का यह संदेश ऐसे समय में आया जब पार्टी के निष्कासित विधायक हुमायूँ कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की शैली में एक मस्जिद की आधारशिला रख रहे थे। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम का उद्देश्य मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे अल्पसंख्यक-बहुल जिलों में अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत करना है। इस घटनाक्रम से राज्य में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है भाजपा के समर्थक और तृणमूल कांग्रेस के समर्थक एक दूसरे के आमने सामने आकर खड़े हो गये हैं। दोनों पक्षों के इस रूख से राज्य के पहले से तनावपूर्ण सांप्रदायिक परिस्थितियों में तनाव और गहरा हो गया है।

भाजपा समर्थक संगठन भी अपनी शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक विशाल धार्मिक समागम आयोजित किया जा रहा है, जहाँ लगभग पाँच लाख लोगों के एकजुट होकर भगवद्गीता का पाठ करने की उम्मीद है। विशेषज्ञ इस कार्यक्रम को आगामी विधानसभा चुनावों के पहले हिंदू मतदाताओं को मजबूत करने के लिए एक बड़े प्रयास के रूप में देख रहे हैं। पंच लक्ष कंठे गीतापाठ (पाँच लाख कंठों से गीता पाठ) नामक यह कार्यक्रम विभिन्न धार्मिक संगठनों की एक छत्र संस्था सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सामूहिक पाठ को बंगाल में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक पाठ बताया जा रहा है।

आयोजकों ने बताया कि योग गुरु बाबा रामदेव, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और पद्म भूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने वाले हैं। बंगाल के

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। आयोजकों ने हालांकि इस कार्यक्रम को विशुद्ध रूप से धार्मिक पहल बताया है, लेकिन भाजपा की प्रमुख हस्तियों की भागीदारी ने इसके राजनीतिक उद्देश्य के बारे में अटकलों को जन्म दिया है। सूत्रों ने पुष्टि की कि भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी जैसे वरिष्ठ नेताओं के इस आयोजन में शामिल होने की संभावना है। बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने और भाजपा के व्यापक गीता पाठ कार्यक्रम दोनों के लगभग साथ-साथ होने से बंगाल का राजनीतिक संघर्ष तीव्र हो गया है और प्रत्येक खेमा अपने मूल मतदाताओं को सक्रिय करने के लिए धार्मिक प्रतीकों का उपयोग कर रहा है, क्योंकि जल्द ही राज्य में चुनाव होने वाले हैं।

कब तक भारत में शरण लेकर रहेंगी शेख हसीना, जयशंकर ने कहा... वे जब तक चाहें रह सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में ठहरने को उनकी निजी पसंद बताया। उन्होंने कहा कि इसका निर्णय उन परिस्थितियों से जुड़ा है जिनके चलते वे भारत आईं। 78 वर्षीय शेख हसीना बीते साल अगस्त में भारत आई थीं, जब बांग्लादेश में उनकी 15 साल की सत्ता का अंत हिंसा के बीच हुआ था। एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने शेख हसीना के भारत में लंबे समय तक रहने और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शेख हसीना का भारत में रहना मूलतः उनका व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वे सत्ता छोड़कर भारत आईं वे इस फैसले के पीछे महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन फिर भी, अंतिम फैसला उन्हें ही करना है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान हमारी सरकार रख रही है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों के संदर्भ में जयशंकर ने पड़ोसी देश में लोकतंत्र की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरिम सरकार के नेताओं ने खुद माना था कि उनका मुख्य विरोध पिछले चुनावों (जनवरी 2024) के तरीके से था। विदेश मंत्री ने दोनों देशों के रिश्तों को लेकर आशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत की शुभकामना है कि बांग्लादेश तरक्की करे। एक लोकतांत्रिक देश के रूप में हम चाहते हैं कि पड़ोसी देश में भी जनता की इच्छा का सम्मान लोकतांत्रिक प्रक्रिया से किया जाए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जो भी परिणाम आएगा, उसमें भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर संतुलित और परिपक्व दृष्टिकोण होगा और उम्मीद है कि रिश्ते और बेहतर होने है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, लेकिन भारत ने अब तक इस पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत हसीना को प्रत्यर्पित करने के बजाय बांग्लादेश में स्थिर और भारत-अनुकूल सरकार की वापसी की प्रतीक्षा कर रहा है। फिलहाल, शेख हसीना का भारत में रहना और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध अगले कुछ महीनों में होने वाले संभावित चुनावों पर काफी हद तक निर्भर करेगा।

बाबरी मस्जिद का शिलान्यास नया विवाद, बाबा रामदेव ने कहा - बाबर का महिमामंडन करने वाले देश के गद्दार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने 6 दिसंबर को एक नई बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करके पूरे देश में तीखी बहस छेड़ दी है। यह वही तारीख है जब 1992 में अयोध्या की विवादित बाबरी ढांचा कारसेवकों ने ढहा दिया था। जानबूझकर इसी तारीख का चयन करने को कई लोग उकसावे की कार्रवाई मान रहे हैं, जबकि हुमायूँ कबीर इसे अपना संवैधानिक अधिकार बता रहे हैं।

इस घटना पर सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु बाबा रामदेव की आई। रामदेव ने बिना नाम लिए हुमायूँ कबीर और ऐसे सभी लोगों पर करारा हमला बोला जो बाबर का महिमामंडन करते हैं। उन्होंने कहा, ÷बाबर इस देश का नहीं था। जो लोग भी उसका गुणगान करते हैं, वे भारत के गद्दार हैं। 6 दिसंबर गुलामी के प्रतीकों को मिटाने का दिन है। भारत की जनता अब जाग गई है, वह किसी विदेशी आक्रमणकारी का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं करेगी। रामदेव ने आगे कहा, यह देश महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सनातन धर्म और भगवान शिव का है, बाबर का नहीं। बाबर एक क्रूर विदेशी लुटेरा था। हम इस्लाम या मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि बाबर न इस्लाम का सच्चा अनुयायी था और न ही वह मुसलमानों का प्रतिनिधि था। उसका नाम लेकर मस्जिद बनाना या उसकी तारीफ करना गलत है।

दूसरी ओर हुमायूँ कबीर ने अपने कदम का पुरजोर बचाव किया है। शिलान्यास समारोह में उन्होंने कहा, संविधान मुझे धार्मिक स्थल बनाने का पूरा अधिकार देता है। कोई मंदिर बना सकता है, कोई चर्च बना सकता है, तो मैं मस्जिद क्यों नहीं बना सकता? सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि बाबरी ढांचा हिंदू कारसेवकों ने गिराया था और हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए वहाँ राम मंदिर बन रहा है। लेकिन संविधान मुझे भी मस्जिद बनाने की इजाजत देता है। इसमें असंवैधानिक कुछ नहीं है। कबीर ने दावा किया कि उनके खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन ये मामले मस्जिद के निर्माण को नहीं रोक पाएंगे। उन्होंने कहा, जिसे अल्लाह का साथ हो, उसे कोई नहीं रोक सकता। अदालतें भी कह चुकी हैं कि भारत में मस्जिद बनाने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित 'नई बाबरी मस्जिद' का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये है। मस्जिद के साथ-साथ एक बड़ा अस्पताल, अतिथि गृह और सभा भवन भी बनाया जाएगा। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा का भी बड़ा केंद्र बनेगी। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर देश में धार्मिक स्थलों, इतिहास और संवैधानिक अधिकारों को लेकर पुरानी बहस को हवा दे दी है। एक पक्ष इसे 6 दिसंबर की तारीख के साथ जानबूझकर किया गया उकसावा मान रहा है तो दूसरा पक्ष इसे मौलिक धार्मिक स्वतंत्रता का मामला बता रहा है। दोनों ओर से तीखी बयानबाजी के बीच पश्चिम बंगाल की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूँ कबीर को पहले ही पार्टी से निलंबित कर रखा है, जिससे यह संकेत देता है कि ममता बनर्जी की पार्टी इस विवाद से दूरी बनाए रखना चाहती है।

हाईकोर्ट की तीखी टिप्पणी कहा- भारत में है सबसे ज्यादा नस्ल और रंगभेद

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय समाज दुनिया में सबसे ज्यादा नस्लवाद और रंगभेद करने वाले समाजों में से एक है। यह कर्नाटक हाईकोर्ट की तरफ से टिप्पणी शुक्रवार को की गई। कोर्ट ने कहा कि हम भारतीय भले ही कई बार दूसरों के ऊपर नस्लवाद और रंगभेद का आरोप लगाते हैं लेकिन असल में हम सबसे बड़े नस्लवादी और रंगभेदी हैं। जस्टिस अरुण ने भारत की गुलामी के लिए भी नस्लवादी और रंगभेदी सोच को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कुछ हजार अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी के सुरक्षा कर्मियों ने हमें इसलिए गुलाम बना लिया था क्योंकि हमारे भीतर उस समय भारतीयता का कोई बोध नहीं था। 200 साल की गुलामी के बाद जैसे ही वह भाव आया, हमने अँग्रेजों को भगा दिया। अब प्राइवेट कंपनियों और कॉरपोरेट सेक्टर का नव-उपनिवेशवाद शुरु हो गया है। इसका कारण फिर वही है... क्योंकि हम फिर उसी पुरानी आदत पर लौट आए हैं... इंसान को इंसान के रूप में न देखना। जस्टिस अरुण ने राजनीतिक प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि समाज के इसी रवैये की वजह से राजनीतिक पार्टियां भी इसके अनुसार ही नेताओं का चयन करती हैं। उन्होंने कहा, हम हर समुदाय को अलग प्रजाति की तरह देखते हैं और उसी के आधार पर भेदभाव करते हैं। इसी वजह से राजनीति में टिकट देने के समय भी पार्टियां उम्मीदवार की योग्यता से ज्यादा उसके समुदाय को महत्व देती हैं। हम कहते हैं की नेता भ्रष्ट हैं, लेकिन सच्चाई तो यह है कि लोकतंत्र में जनता को वही नेता मिलता है जिसके वह योग्य होते हैं।

एंकर सुधीर चौधरी बनाम कर्नाटक राज्य केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस अरुण ने कहा कि हम भारतीयों की इसी मानसिकता की वजह से भारत में समुदाय आधारित राजनीति और तुष्टिकरण की नीतियां बहुत आम हैं। उन्होंने कहा, हम भारतीयों की... हमारे हर समुदाय की यही समस्या है कि हम नहीं समझते कि यहां केवल एक ही प्रजाति है, जिसे होमो सेपियंस कहते हैं। हम दुनिया की सबसे बड़े नस्लवादी समाजों में से एक हैं। हम दूसरे समाजों पर नस्लवाद और रंगभेद का आरोप लगाते हैं, लेकिन सच्चाई यही है कि हम भी किसी से कम नहीं है।

हाई कोर्ट की यह टिप्पणी न्यूज एंकर सुधीर चौधरी के केस में की, जिसमें उन्होंने 2023 में दर्ज किए गए एक हेट स्पीच केस को रद्द करने की मांग की थी। चौधरी पर आरोप था कि उन्होंने कर्नाटक सरकार की स्वावलंबी सारथी योजना पर झूठी और भड़काऊ रिपोर्ट चलाई है। जस्टिस अरुण ने पूछा कि क्या रिपोर्ट में सच में ऐसा कोई तथ्यात्मक झूठ था? क्या रिपोर्ट में यह था कि यह योजना केवल एक ही समुदाय को लाभ पहुंचाकर हिंदुओं को वंचित कर रही है। इस पर शिकायतकर्ता के वकील ने कहा कि शो में मुस्लिम समुदाय का दानवीकरण किया गया और उनके खिलाफ घृणा फैलाई गई। हालांकि, जस्टिस अरुण ने कहा कि राज्य और शिकायतकर्ता यह साबित नहीं कर पाते कि रिपोर्ट में स्पष्ट झूठ कहा गया था तो चैनल और एंकर को राहत मिल सकती है। अंतरिम आदेश पारित करते हुए जस्टिस अरुण ने कहा कि भले ही प्रतिवादी इस बात का दावा कर रहे हों कि भड़काऊ सामग्री है, लेकिन वह इसे साबित करने में सक्षम नहीं है कि कौन सा तथ्य झूठ है। इस मामले की सुनवाई अब 13 जनवरी 2026 को होगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**